बिलासपुर, बुधवार, 22 अप्रैल 2026, शुक्ल पक्ष- पंचमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 , अंक- 10, पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित
WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक **नव प्रदेश**
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

विश्व पृथ्वी दिवस आज

मैं टूट रही हूं... सूख रही हूं... मर रही हूं...

उम्मीद है कि तुम जागोगे

राजधानी की जीवनदायिनी बेहाल

राजधानी रायपुर की जीवनदायिनी खारून नदी कभी स्वच्छ जल और जैव विविधता के लिए जानी जाती थी, आज जलकुंभी से पूरी तरह पट चुकी है। नदी में रायपुर का गंदा पानी और उद्योगों का दूषित पानी लगातार समाहित किया जा राह है। नदी की सतह पर फैली जलकुंभी न केवल पानी के प्रवाह को बाधित कर रही है, बल्कि जल में ऑक्सीजन की मात्रा भी कम कर रही है।

नदी पर वार, माफिया का व्यापार, कहां है सरकार?

मैं जीवनदायिनी नदी हूं... तुम्हारी प्यास बुझाती हूं... तुम्हें जीवन देती हूं... सदियों से प्यास बुझाती आई, तुम्हारे खेतों को सींचती आई...। तुमने मुझे मां कहा... मैंने भी तुम्हें अपनी संतान मान लिया। मेरे तट पर सभ्यताएं बसाईं... पर आज तुमने ही मुझे भुला दिया। तुम अपनी गंदगी मुझमें बहा देते हो, जहरीला पानी मेरी धड़कनों में घोल देते हो, मेरी कोख में बहता पानी अब दर्द से भर चुका है। विकास की आशा और रेत की लालसा में मेरी छाती को छलनी कर दिया है तुमने... हर दिन मैं थोड़ा-थोड़ा मरती हूं... फिर भी खामोश हूं...। सरकारें मुझे वादों में... सिस्टम मुझे कागजों में बचाती हैं। तुम-मेरे अपने भी मेरी पीड़ा से अनजान बने हुए हो। मैं टूट रही हूं... सूख रही हूं... मर रही हूं, लेकिन अब भी उम्मीद है कि तुम जागोगे और मुझे बचाओगे... अब भी समय है- मुझे बचा लो, ताकि मैं फिर से निर्मल बह सकूं और तुम्हारी आने वाली पीढियों को जीवन दे सकूं।

सिस्टम सोया, नदी को खोया

मनीष जैन

नवापारा राजिम। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी सबसे बड़ी और लंबी महानदी आज अपनी बदहाली का किस्सा स्वयं बता रही हैं। गाद (सिल्ट) और मिट्टी-मुरूम से नदी इतनी बुरी तरीके से पट गई है कि लोग वहां क्रिकेट आदि खेल सकते हैं। नदी में गाद जमा होने के कारण गर्मी के दिनों में नदी से लगे इलाकों में भी भूजल स्तर बहुत नीचे चला गया है और वहां पीने के पानी की समस्या होने लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि गाद निकलने से वाटर रिचार्जिंग में तेजी आएगी और इससे पेयजल की समस्या भी दूर होगी। उनका मानना है कि नदी में मुरुम पाटकर रोड बनना भी घातक है, क्योंकि मुरुम पानी के बहाव को रोक देती है जबकि रेत पानी के बहाव को बनाए रखती है। छत्तीसगढ़ के कई जिलों से गुजरने वाली महानदी का स्रोत एक बार फिर इन दिनों सूख गया है। नदी के पुनरुद्धार के लिए पिछले कई दशकों से कोई काम नहीं हुआ है। नदी में गर्मी के दिनों में भी पानी रहे इसके लिए सरकार ने कई स्थानों पर स्टॉप डैम का भी निर्माण कराया है, वहां पानी भी है, लेकिन नदी में गाद (सिल्ट) जमा होने के कारण आसपास के क्षेत्रों में वाटर रिचार्जिंग नहीं हो पा रही है। विशेषज्ञ व विभागीय सूत्र बताते हैं कि नदी में गाद (सिल्ट) जमने का मुख्य कारण दोनों ओर एनीकट का बनना है क्योंकि एनीकट गाद को बहाकर नहीं ले जा सकते। महानदी में कुंभ मेले के आयोजन के लिए नदी में मुरुम पाटकर रोड बनना भी नदी की सेहत के लिए खतरा साबित हो रही है। रेत नदी के पानी को नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे ले जाने का कार्य करती है, जो मुरुम के कारण नहीं हो पा रहा है। मुरुम के कारण पानी का प्रवाह रुक गया है।

जीवनदायिनी महानदी पर संकट

कानूनी प्रावधान सख्त, लेकिन कार्रवाई कमजोर

- एनजीटी के निर्देशों का उल्लंघन गंभीर पर्यावरणीय अपराध माना जाता है।
- दोषियों पर **Polluter Pays Principle** के तहत लाखों से करोड़ों रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही 7 साल तक की सजा और अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी संभव है।
- गंगा और यमुना जैसे मामलों में एनजीटी द्वारा भारी जुर्माना और अतिक्रमण हटाने के आदेश भी दिए जा चुके हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में स्थानीय स्तर पर इनका प्रभाव सीमित ही दिखाई देता है।

महानदी प्रदेश में बहने वाली नदियों में सबसे ज्यादा प्रदूषित : रिपोर्ट

एनजीटी ने 2022 की एक रिपोर्ट के हवाले से महानदी को प्रदेश की सबसे प्रदूषित नदी बताया है। इस रिपोर्ट के आने के बाद भी शासन ने महानदी की सेहत सुधारने के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए। गौर करने वाली बात ये है जिस महानदी पर मेला सजाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, उसी महानदी की शासन को परवाह नहीं है। जलकुंभी से अटी महानदी देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के सामने प्रदेश की कैसी छवि बना रही है, इस बार में सोचना चाहिए।

अंधाधुंध खनन से बदल रहा नदी का अस्तित्व

महासमुंद में रेत और पत्थर के बेकाबू उत्खनन ने छीना नदी का प्राकृतिक स्वरूप, सिकुड़ती धारा और बढ़ते पर्यावरणीय खतरे

जयदेव सिंह

महासमुंद। *छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा महानदी, जिसने सदियों से कृषि, पेयजल, जैव विविधता और सभ्यता को संबल दिया, आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। यह संकट प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवजनित है। अंधाधुंध रेत निकासी और पत्थर खनन ने नदी के स्वरूप को तेजी से बदल दिया है। जहां कभी विस्तृत रेतीला तल और स्वच्छ जलधारा बहती थी, वहां अब पत्थरों, गड्ढों और मलबे का साम्राज्य दिखाई देता है। नदी के किनारे क्षत-विक्षत हो चुके हैं और जलधारा पतली, ठहरी और प्रदूषित नजर आने लगी है।*

मशीनों से छलनी हो रही महानदी का गर्भ

महासमुंद जिले में महानदी पर बड़े पैमाने पर रेत उत्खनन जारी है। चेन माउंटेड मशीनें, पोकलेन, मोटरबोट और अन्य भारी उपकरणों के जरिए नदी की गहराइयों से रेत निकाली जा रही है। बडग़ांव सहित कई स्थानों पर पानी के भीतर तक मशीनें पहुंचाकर खनन किया जा रहा है। हालात यह हैं कि कई जगहों पर नदी का प्राकृतिक रेतीला तल लगभग खत्म हो चुका है और उसकी जगह चट्टानें ही शेष रह गई हैं। जलप्रवाह अब संकरा होकर एक ओर सिमटता दिख रहा है।

फर्शी पत्थर खनन: जरूरत या विनाश?

रेत के साथ-साथ परतदार फर्शी पत्थरों का बड़े पैमाने पर उत्खनन भी जारी है। यह क्षेत्र का प्रमुख व्यवसाय जरूर है, लेकिन अनियंत्रित खनन ने चिंता बढ़ा दी है। नदी तटों और भीतर तक खदानें संचालित हो रही हैं। कई मामलों में स्वीकृति कहीं और खनन कहीं और किए जाने की शिकायतें हैं। तय सीमा से अधिक गहराई और क्षेत्र में खनन, मशीनों और विस्फोटों का इस्तेमाल, नदी की संरचना को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है।

सीवरेज का गंदा पानी नदी को कर रहा प्रदूषित

नवापारा शहर से प्रतिदिन लाखों लीटर गंदा पानी निकलता है। शहर से निकलने वाला गंदा पानी नालियों से होकर सीधे नदी में मिला दिया जाता है। इस गंदे पानी को नदी में सीधे ना भेज कर ट्रीटमेंट कर नदी में मिलाने के लिए शहर के बाहर जल शुद्धिकरण यंत्र बनाया गया है। लेकिन गंदे पानी को 15 करोड़ 77 लाख की लागत से बने इस सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (जल शुद्धिकरण यंत्र) तक पहुंचाने वाले नालियों के गुणवत्ताहीन कार्य के चलते प्लांट की उपयोगिता धरी की धरी रह गई है।

ट्रीटमेंट प्लांट बेकार

बता दें कि शहर के गंदा पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाने के लिए शहर के प्रारंभिक छोर से अंतिम छोर तक मुख्य नाली का निर्माण किया गया है, जिसमें शहर के भीतर घरों एवं अन्य स्थानों से निकलने वाला गंदा पानी एवं अपशिष्ट पदार्थ मुख्य नाली में जाकर मिलता है और मुख्य नाली के माध्यम से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचता है। लेकिन नाली निर्माण की लापरवाही व गुणवत्ताहीन कार्य और प्रशासनिक निष्क्रियता के चलते हजारों लीटर गंदा पानी प्लांट तक पहुंच ही नहीं पा रहा है। मुख्य नाली निर्माण जगह-जगह से क्षतिग्रस्त और लिकेज होने के कारण गंदा पानी सीधे नदी में मिल रहा है।

संरक्षण के लिए तैयार एक्शन प्लान, अमल की दरकार

- विशेषज्ञों और प्रशासनिक स्तर पर नदियों के संरक्षण के लिए चरणबद्ध एक्शन प्लान तैयार किया गया है।
- अल्पकालिक उपायों में फ्लडप्लेन का वैज्ञानिक सीमांकन, अवैध निर्माण हटाना और सीवेज डिस्चार्ज पर तत्काल रोक शामिल है।
- मध्यमकालिक रणनीति के तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, बायोडायवर्सिटी पार्क और जनजागरुकता अभियान चलाने की योजना है।
- दीर्घकालिक योजना में रिवर-सेंसिटिव मास्टर प्लान, ट्रीटेड वॉटर का पुनः उपयोग और पर्यावरण निगरानी तंत्र को मजबूत करना शामिल है।

जवाबदेही और जनभागीदारी जरूरी

- विशेषज्ञों का मानना है कि केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे सख्ती से पालना सुनिश्चित करना जरूरी है।
- जिला स्तर पर नियमित समीक्षा, ऑनलाइन शिकायत प्रणाली और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई से ही स्थिति में सुधार संभव है।

अपील: अब भी समय है संभलने का

- नदी संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का दायित्व है।
- नागरिकों से अपील है कि वे नदियों में कचरा न डालें, पर्यावरण अनुकूल पूजा सामग्री का उपयोग करें और अवैध गतिविधियों की सूचना प्रशासन को दें।

आज की लापरवाही, कल की बड़ी त्रासदी

एनजीटी के स्पष्ट और सख्त निर्देशों के बावजूद यदि नदियों के साथ हो रही लापरवाही नहीं रुकी, तो आने वाले समय में जल संकट, बाढ़ और पर्यावरणीय आपदाएं और विकराल रूप ले सकती हैं। आज की लापरवाही कल की बड़ी त्रासदी बन सकती है-इसलिए अब कार्रवाई ही एकमात्र विकल्प है।

नो-डेवलपमेंट जोन घोषित होने के बाद भी प्रदूषण, खनन और निर्माण पर रोक नहीं

नदियां, जिन्हें हमारी सभ्यता और पर्यावरण की जीवनरेखा मानी जाती है, आज वह गंभीर संकट से जूझ रही हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा नदियों और उनके फ्लडप्लेन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर इन नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। एनजीटी ने स्पष्ट किया है कि नदी और उसके तट क्षेत्र (फ्लडप्लेन) को 'नो डेवलपमेंट जोन' माना जाएगा, जहां किसी भी प्रकार का निर्माण, प्रदूषण या अतिक्रमण पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई स्थानों पर अवैध निर्माण, रेत खनन और कचरा डंपिंग जारी है, जो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। हाईकोर्ट की सख्ती और फटकार के बाद भी राज्य सरकार नदियों के संरक्षण को लेकर गंभीर नहीं है।

अवैध खनन से नदी प्रदूषित, गंभीर संकट

क्षेत्र में जारी अवैध रेत खनन के चलते नदी का स्वरूप तेजी से बिगड़ता जा रहा है। लगातार हो रही मशीनों से खुदाई और बिना किसी नियम-कायदों के रेत निकासी से नदी का प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। इससे न केवल जलस्तर में गिरावट आ रही है, बल्कि पानी की गुणवत्ता भी खराब हो रही है, जिससे प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार अवैध खनन से नदी की जैव विविधता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मछलियों और अन्य जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

प्रतिबंधित गतिविधियों पर भी उल्लंघन जारी

एनजीटी के नियमों के अनुसार नदी में बिना उपचारित सीवेज डालना, प्लास्टिक और निर्माण मलबा फेंकना पूरी तरह प्रतिबंधित है। साथ ही पूजा सामग्री का सीधे विसर्जन भी वर्जित है, लेकिन इसके बावजूद नदियां कचरा घर बनती जा रही हैं। अवैध रेत खनन भी बड़ी समस्या बन चुका है। नदी के बीच और किनारों से बिना अनुमति खनन न केवल जलधारा को प्रभावित करता है, बल्कि बाढ़ के खतरे को भी बढ़ाता है। फ्लडप्लेन क्षेत्रों में घर, होटल, ढाबे और अन्य निर्माण कार्य भी नियमों की अनदेखी कर किए जा रहे हैं, जबकि कई मामलों में 100 से 200 मीटर तक निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है।

नदी में मलबों के पहाड़

- मुढ़ेना और निसदा क्षेत्र में महानदी के भीतर खदानों का मलबा डाला जा रहा है।
- नदी के प्रवाह क्षेत्र में मलबे के पहाड़ खड़े हो गए हैं, जिससे नदी का रास्ता सिकुड़ता जा रहा है और प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है।

एनजीटी का आदेश बेअसर

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने फरवरी 2026 में महानदी और खारून नदी में अवैध खनन की जांच के लिए संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए थे।
- रेत खनन को औद्योगिक गतिविधि मानते हुए सीटीई/सीटीओ अनिवार्य किया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर इन आदेशों का असर नगण्य नजर आ रहा है और नियमों की खुलेआम अनदेखी जारी है।
- यदि समय रहते अंधाधुंध खनन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो महानदी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है।
- यह केवल एक नदी का संकट नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के पर्यावरण, जलस्रोत और भविष्य की चिंता का विषय है।

स्वामी सुरेंद्र नाथ की भविष्यवाणी: बंगाल में फिर ममता बनर्जी की वापसी का दावा

■ **पहले भी सांसद ज्योत्सना महंत को लेकर सही साबित हुई थी भविष्यवाणी**

कोरबा/नवप्रदेश। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा में हैं स्वामी सुरेंद्र नाथ, जिन्होंने दावा किया है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी एक बार फिर सत्ता में वापसी करेंगी। उनका कहना है कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां और जनाधार को देखते हुए टीएमसी की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

स्वामी सुरेंद्र नाथ के अनुसार, ममता बनर्जी केवल एक राजनीतिक नेता नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति का एक मजबूत प्रतीक बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ÷बाहरी बनाम बंगाल÷ की भावना आज भी गहराई से मौजूद है, जिसका सीधा फायदा तृणमूल कांग्रेस को मिलता रहा है।

2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन बंगाल की राजनीति में स्थानीय समीकरण, सामाजिक गठजोड़ और लाभार्थी योजनाएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं। इन सभी मोर्चों पर फिलहाल टीएमसी की स्थिति मजबूत मानी जा रही है।

मीडिया और राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि 2026 का चुनाव ममता बनर्जी के लिए कठिन हो सकता है और उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वहीं कुछ लोग यह भी कहते हैं कि उनका अनुभव और जनाधार उन्हें पूरी तरह मुकाबले से बाहर नहीं होने देगा, लेकिन सत्ता की राह आसान नहीं होगी।

इसी बीच स्वामी सुरेंद्र नाथ ने दावा किया है कि उनकी कई भविष्यवाणियां पहले भी सही साबित हो चुकी हैं। उन्होंने खास तौर पर छत्तीसगढ़ की कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत को लेकर की गई एक भविष्यवाणी का उल्लेख किया, जिसे लेकर उनका कहना है कि वह काफी हद तक सही साबित हुई थी। इसी वजह से अब उनकी बंगाल को लेकर की गई टिप्पणी पर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

स्वामी सुरेंद्र नाथ का कहना है कि वे किसी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में बयान नहीं दे रहे हैं, बल्कि जो परिस्थितियां और संकेत दिख रहे हैं, वही साझा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम निर्णय ईश्वर और मां काली की इच्छा पर निर्भर करता है।

उनके अनुसार, वर्तमान समय में पश्चिम बंगाल की राजनीति का केंद्र ममता बनर्जी के इर्द-गिर्द ही घूम रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति उनके पक्ष में दिखाई दे रही है और वे 2026 में एक बार फिर मजबूत स्थिति में लौट सकती हैं।

स्वामी सुरेंद्र नाथ का मानना है कि ममता बनर्जी ने महिलाओं, ग्रामीणों, गरीबों और अल्पसंख्यक समुदाय के बीच मजबूत भरोसे की नींव तैयार की है, जिसे तोड़ना विपक्ष के लिए आसान नहीं होगा।

महिलाओं के अधिकारों पर राजनीति करना भाजपा की आदत बन चुकी है : जायसवाल

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने पत्रकारवार्ता में भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिला आरक्षण के नाम पर देश को गुमराह करने की साजिश कर रही है।

जायसवाल ने साफ कहा कि भाजपा महिला आरक्षण की पक्षधर नहीं, बल्कि परिसीमन के बहाने अपने राजनीतिक फायदे साधना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने 16 अप्रैल 2026 को जो विधेयक संसद में पेश किया, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं था, बल्कि यह परिसीमन संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश कानून में बदलाव का प्रयास था, जिसे महिला आरक्षण का मुखौटा पहनाया गया।

उन्होंने भाजपा के 'झूठ के नैरेटिव' पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 (128वां संविधान संशोधन) पहले ही संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है और राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित होकर कानून बन चुका है। इसके बावजूद भाजपा लगातार यह भ्रम फैला रही है कि कांग्रेस और विपक्ष ने महिला आरक्षण का विरोध किया जो पूरी तरह झूठ और जनता को गुमराह करने की साजिश है।

नवीन जायसवाल ने सवाल उठाया कि जब देश में नई जनगणना 2026-27 में प्रस्तावित है और जाति जनगणना की बात खुद सरकार कर चुकी है, तो फिर भाजपा 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन क्यों करना चाहती है? इसका सीधा मतलब है कि भाजपा अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार सीटों का नक्शा बदलना चाहती है। उन्होंने मणिपुर की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जहां बेटियों के साथ अमानवीय घटनाएं हुईं, वहां चुप बैठी भाजपा आज महिला सशक्तिकरण की बात कर रही है यह देश की महिलाओं का अपमान है। पूर्व विधायक ममता चंद्राकर ने कहा कि अगर भाजपा सच में महिला आरक्षण चाहती है, तो 543 सीटों पर तत्काल लागू करे। भाजपा को डर है कि निष्पक्ष व्यवस्था में उसकी सत्ता कमजोर पड़ जाएगी। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा अनंत ने खुलासा किया कि हाल ही में लाए गए विधेयक में लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव था, जिसमें परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाया जा रहा था जो पूरी तरह संदिग्ध और राजनीतिक रूप से प्रेरित कदम है। किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने कहा कि मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से झूठ और भ्रम की राजनीति कर रही है, लेकिन अब देश की जनता सच्चाई समझ चुकी है। युवा नेता तुकाराम चंद्रवंशी ने कहा कि महिलाओं को पंचायतों और नगरीय निकायों में जो आरक्षण मिला, वह कांग्रेस की ऐतिहासिक नीतियों का परिणाम है। राजीव गांधी से लेकर पीवी नरसिम्हा राव और डॉ. मनमोहन सिंह तक, कांग्रेस ने हमेशा महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाया है।

ब्लॉक कांग्रेस का बूथ चलो अभियान तेज ग्राम छाती में कार्यकर्ताओं की अहम बैठक

धमतरी/नवप्रदेश। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण धमतरी के तत्वावधान में ÷बूथ चलो अभियान÷ के तहत ग्राम छाती में पंचायत एवं बूथ स्तरीय संगठन सृजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने, प्रत्येक बूथ पर सक्रिय टीम गठित करने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष खिलेन्द ध्रुव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। यदि हर बूथ मजबूत होगा, तो संगठन स्वतः ही मजबूत होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर जनसंपर्क बढ़ाएं और पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाएं।

वहीं ब्लॉक संगठन प्रभारी राजेंद्र साहू ने अपने वक्तव्य में कहा कि ÷बूथ चलो अभियान÷ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन को पुनः सशक्त और सक्रिय बनाने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी, तभी संगठन को मजबूती मिलेगी।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने हेतु पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। मिटींग में ब्लॉक प्रभारी राजेंद्र साहू , ब्लॉक अध्यक्ष खिलेन्द ध्रुव, जोन प्रभारी , श्री ओंकार सोनवानी , क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वन विभाग की कार्रवाई से अवैध कारोबार करने वालों में हड़कंप

धान पैरा में छुपाकर रखी 35 नग सागौन की लकड़ी जब्त

छुरिया/नवप्रदेश। खुज्जी वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलरगोंदी में सोमवार शाम वन विभाग की दबिश ने अवैध लकड़ी कारोबार की परतें खोल दीं। गुप्त सूचना के आधार पर संतोष वर्मा के निजी खेत में की गई कार्रवाई के दौरान धान के पैरा के भीतर छिपाकर रखी गई सागौन की 35 नग बेशकीमती लकड़ी बरामद कर जप्त की गई।

कार्रवाई के दौरान कोटवार के माध्यम से सूचना दिए जाने के बावजूद खेत मालिक संतोष वर्मा मौके पर नहीं पहुंचे। उन्होंने पंचनामा, बयान और हस्ताक्षर देने से साफइनकार कर दिया, जिससे पूरे मामले में उनकी भूमिका संदेह के घेरे में आ गई है।

इसी दौरान खेत के बाहर सड़क किनारे इमारती लकड़ी खुलेआम रखी मिली। वन विभाग ने इसकी सूचना तत्काल राजस्व विभाग को दी, लेकिन राजस्व अमला मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे सड़क किनारे रखी लकड़ी पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। वहीं, सागौन लकड़ी पर वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए उसे जप्त कर अपने साथ ले गया।

पूरे मामले में आकाश सिंह ठाकुर, सहायक वन संरक्षक (प्रशिक्षु) एवं प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी खुज्जी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे और सख्ती के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया।

अब बड़ा सवाल यही है कि अवैध सागौन का स्रोत क्या है? और इसके पीछे कौन-कौन शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप है और आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

> ग्रामीणों द्वारा शिकायत मिलने पर वन विभाग खुज्जी की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जांच के दौरान धान पैरा के भीतर छुपाकर रखी गई सागौन लकड़ी बरामद कर जप्त की गई है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।
>
> **आकाश सिंह ठाकुर,**
> **सहायक वन संरक्षक (प्रशिक्षु) एवं प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी, खुज्जी**

भाजपा युवा मोर्चा गैंदाटोला मंडल अध्यक्ष बने भूपेन्द्र, उमेश व हेमदास महामंत्री नियुक्त

छुरिया/नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिला राजनांदगांव द्वारा संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से मंडल स्तर पर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। जारी सूची में भाजपा युवा मोर्चा गैंदाटोला मंडल अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भूपेन्द्र निर्मलकर को सौंपी गई है, जिससे क्षेत्र के युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। भाजपा युवा मोर्चा गैंदाटोला मंडल में उमेश चंद्रवंशी और हेमदास साहू को महामंत्री बनाया गया है, जो संगठन को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

यह नियुक्ति भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मान. श्री राहुल योगीराज टिकरीहा के निर्देशानुसार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मान. श्री किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री संगठन मान. श्री पवन साय के मार्गदर्शन में की गई है। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष मान. श्री कोमल सिंह राजपूत की अनुशंसा पर भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री चिंटू सोनकर ने मंडल अध्यक्षों व महामंत्रियों की सूची जारी की है।

भूपेन्द्र निर्मलकर लंबे समय से भाजपा युवा मोर्चा में सक्रिय रहकर कार्य कर रहे हैं और युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। वहीं नव-नियुक्त महामंत्री उमेश चंद्रवंशी और हेमदास साहू भी संगठनात्मक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहे हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भाजपा युवा मोर्चा के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं को जोड़ने और आगामी चुनावों में संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। भाजपा एवं भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में गैंदाटोला मंडल में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

ग्राम पंचायत भवनों पर अंकित होगी भूजल स्तर की जानकारी

धमतरी/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल 2026 के पूर्व जिले की समस्त ग्राम पंचायत भवनों की दीवारों पर निर्धारित प्रपत्र के अनुसार भूजल स्तर संबंधी जानकारी अंकित किए जाने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिला पंचायत धमतरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर ने आवश्यक निर्देश धमतरी, कुरुद, मगरलोड,नगरी जनपद पंचायत को जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत स्तर पर जल संरक्षण एवं भूजल जागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है ताकि आम नागरिकों को अपने क्षेत्र के भूजल स्तर की वास्तविक जानकारी सहज रुप से उपलब्ध हो सके।

सीईओ श्री ठाकुर ने बताया कि जल संसाधन विभाग, सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को संदर्भित पत्रों के माध्यम से आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया है। साथ ही जलदूत ऐप के माध्यम से ग्रामों से अपलोड की गई सूचनाएं जलदूत पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं जिनका उपयोग कर अद्यतन जानकारी संकलित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। प्रत्येक विकासखंड में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग एवं संबंधित मैदानी अमले के समन्वय से निर्धारित प्रपत्र ÷भूजल स्तर÷ के अनुसार जानकारी संकलित कर पंचायत भवनों की दीवारों पर लेखन कार्य सुनिश्चित कराया जाएगा। श्री ठाकुर ने कहा कि ग्राम पंचायत भवनों पर भूजल स्तर का प्रदर्शन किए जाने से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ेगी तथा वर्षा जल संचयन, जल उपयोग में सावधानी एवं भूजल पुनर्भरण जैसे विषयों पर सकारात्मक पहल को बल मिलेगा।

अक्षय तृतीया पर बच्चों ने रचाया गुड्ढा-गुड़ियों का विवाह

■ **पारंपरिक उत्सव में झलकी संस्कृति की मिठास**

नगरी/नवप्रदेश। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर नगर पंचायत नगरी के वार्ड क्रमांक 08 में एव नगर के विभिन्न वार्डो पर एक अनोखी और मनमोहक पहल देखने को मिली, जहां क्षेत्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गुड्डा-गुड़ियों का विवाह धूमधाम से संपन्न कराया। इस आयोजन ने न केवल बच्चों की रचनात्मकता और उत्साह को उजागर किया, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति उनके गहरे लगाव को भी दर्शाया।

शुभ कार्यों के लिए अत्यंत फलदायी माने जाने वाले इस पर्व के दिन बच्चों ने इस विशेष आयोजन की योजना बनाई। सुबह से ही वार्ड की गलियों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। बच्चों ने अपने-अपने घरों से सजावटी सामग्री, वस्त्र और आवश्यक सामान एकत्रित कर गुड्डा-गुड़ियों को दूल्हा-दुल्हन के रूप में आकर्षक ढंग से सजाया। उनकी मासूम मेहनत और सृजनात्मकता हर किसी का मन मोह रही थी।

विवाह समारोह की शुरुआत पारंपरिक 'चूल माटी बारात' से हुई, जिसमें बच्चे बाराती बनकर ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर झूमते-नाचते नजर आए। किसी ने बैंड-बाजा की भूमिका निभाई तो कोई उत्साहित बाराती बनकर नृत्य करता दिखा। बारात के स्वागत के लिए बच्चों ने सुंदर मंडप सजाया और वर-वधू के स्वागत की सभी रस्में विधिवत निभाईं।

25 अप्रैल तक महासमुंद बनेगा मोतियाबिंद दृष्टिहीनता मुक्त जिला

महासमुंद/नवप्रदेश। राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत महासमुंद जिले के सभी विकासखण्डों को 25 अप्रैल 2026 तक ÷मोतियाबिंद दृष्टिहीनता मुक्त विकासखण्ड÷ घोषित किया जाएगा। यह उपलब्धि जिले के स्वास्थ्य विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

लक्ष्य से अधिक ऑपरेशन कर रचा रिकॉर्ड- जिला नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गोरियार ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए जिले को 5000 मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध जिले में 5450 मरीजों के सफल ऑपरेशन किए गए, जो लक्ष्य से अधिक है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों का सराहनीय योगदान

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के मार्गदर्शन में विभिन्न नेत्र रोग विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें- डॉ. राजेश कुमार साहू - 470 ऑपरेशन, डॉ. मंजूषा चन्द्रसेन - 536 ऑपरेशन, डॉ. अनिल कुमार गोरियार - 255 ऑपरेशन, डॉ. रितू बजाज - 275 ऑपरेशन, डॉ. नेहा सिंह - 44 ऑपरेशन, जिले के शासकीय, अनुबंधित एवं निजी अस्पतालों के सहयोग से यह लक्ष्य हासिल किया गया।

भाजपा महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन बिल पास कराना चाह रही थी : कांग्रेस

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा पर महिला आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि भाजपा यह प्रचार कर रही है कि विपक्ष के विरोध के कारण महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो सका। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 (106वां संविधान संशोधन) संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन चुका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी इसे मंजूरी दे चुकी हैं।

राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया 131वां संविधान संशोधन विधेयक महिला आरक्षण से जुड़ा नहीं था। उनका कहना था कि भाजपा महिला आरक्षण को ÷मुखौटा÷ बनाकर परिसीमन संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े कानूनों में बदलाव कराना चाहती थी। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, प्रस्तावित विधेयक में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान था, जिसमें 815 सीटें राज्यों और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए रखी जानी थीं। साथ ही, परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई थी।

धर्मांतरण पर सख्ती की मांग: हिन्दू जागरण मंच ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

■ **धमतरी में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन, अवैध गतिविधियों पर रोक एवं निगरानी तंत्र मजबूत किया जाए: हिन्दू जागरण मंच धमतरी**

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी जिले में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के सख्त क्रियान्वयन को लेकर हिन्दू जागरण मंच ने पहल करते हुए मंगलवार को जिलाधीश महोदय को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मंच ने जिले में कथित रूप से प्रलोभन, दबाव एवं अन्य अनुचित माध्यमों से किए जा रहे धर्म परिवर्तन के मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की और इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक पुरुषोत्तम निषाद के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को अवगत कराया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से समय-समय पर इस प्रकार की शिकायतें सामने आती रही हैं, जो सामाजिक समरसता और कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका व्यापक सामाजिक प्रभाव पड़ सकता है।

ज्ञापन में मांग की गई कि छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए अवैध धर्म परिवर्तन की घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफसख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए। साथ ही बिना अनुमति संचालित प्रार्थना सभाओं एवं संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने की भी आवश्यकता जताई गई ।

मंच ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि इस दिशा में एक सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित किया जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि कानून का उद्देश्य सभी नागरिकों को अपनी आस्था के अनुसार धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता देना है, लेकिन किसी भी प्रकार के प्रलोभन, दबाव या धोखाधड़ी के माध्यम से धर्म परिवर्तन करना कानूनन अपराध है।हिन्दू जागरण मंच ने जिलाधीश से अपेक्षा जताई कि प्रशासन इस विषय को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाएगा और जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।ज्ञापन सौंपने के दौरान मंच के पदाधिकारी दीपक सिंह ठाकुर, पुरूषोतम निषाद,डाकेश्वर साहू,प्रतीक सोनी, चित्रेश साहू,सत्यम सिन्हा,अभिषेक साहू ,शिवांश पटवा,संजय साहू, संजीव चक्रधारी ,दिव्या नेताम,भावना सिन्हा,एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

www.navpradesh.com

दैनिक नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, बुधवार, 22 अप्रैल 2026 | शुक्ल पक्ष-पंचमी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 10 | पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

सबरीमाला मंदिर: सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं, वकील बोला- भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी

■ प्रतिमा छूने की अनुमति नहीं मिलने पर क्या संविधान मदद करेगा?

■ सबरीमाला के वकील बोले- भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली/ए.। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।' इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं।

आज आ सकता है फैसला

सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। फैसला आज आने की संभावना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफकई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े व्यापक सवाल

सबरीमाला मामले के साथ-साथ अदालत अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े कई अहम मुद्दों की भी जांच कर रही है। इनमें मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश, अंतरधार्मिक विवाह के बाद पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश का अधिकार, बहिष्कार की प्रथाओं की वैधता और दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला जननांग विकृति से जुड़े कानूनी सवाल शामिल हैं।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

समयसीमा का सख्ती से पालन

सुनवाई के पहले दिन संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि सभी पक्षकारों को तय समयसीमा के भीतर ही अपनी दलीलें प्रस्तुत करनी होंगी। अदालत ने कहा कि अन्य महत्वपूर्ण मामले भी लंबित हैं, इसलिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। सभी वकीलों को अपने तर्क और दस्तावेज समय पर पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

संविधान की भूमिका पर सवाल

सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि यदि किसी आस्थावान भक्त को देवता को छूने से रोका जाता है, तो क्या ऐसे में संविधान उसकी रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा? यह टिप्पणी जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने उस समय की, जब यह चर्चा चल रही थी कि जन्म या परंपरा के आधार पर किसी को पूजा-अधिकार से वंचित किया जा सकता है या नहीं। मामले में मंदिर के प्रमुख पुजारी की ओर से कहा गया कि पूजा की परंपराएं और अनुष्ठान धर्म का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें धार्मिक अधिकार माना जाना चाहिए। उनके अनुसार, भक्त जब मंदिर आता है तो उसे देवता के स्वरूप और उसकी परंपराओं को स्वीकार करना होता है।

आज बेबाक

पीएम मोदी ने बंगाल प्रवास के दौरान एक दुकान से दस रूपये की झालमुड़ी लेकर क्या खा ली ममता दीदी को झार लग गई। इसे उन्होंने नौटंकी करार देकर जमकर खीज निकाली है। इस बात पर दीदी की झल्लाहट बताती है कि तीर निशाने पर लगा है। दरअसल पीएम मोदी के इस वायरल वीडियो जिसे दस करोड़ लोगों ने देखा है में एक संदेश छिपा है। झालमुड़ी की उस दुकान के ठीक बाजू में चिकन शाप है। जाहिर है दीदी का यह राग बेसुरा हो गया कि यदि बंगाल में भाजपा आई तो मटन, चिकन की दुकानें बंद करा देगी।

तापमान

अधिकतम 42°	न्यूनतम 27°

बाजार भाव

गोल्ड	सिल्वर
153,000	2,51,000

शेयर बाजार

संसेक्स	निफ्टी
79,273.33	24,576.60

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,288,492,743	1474368305

8 लाख रुपए के इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पुनर्वास योजना से जुड़कर मुख्यधारा में लौट रहे नक्सलीयो में 8 लाख का इनामी नक्सली पीपी सीएम दारसु शोरी ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष सरेंडर किया है। निखिल राखेचा पुलिस अधीक्षक कांकेर ने बताया कि विगत दिनों में लगातार माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है।इसी तारतम्य में पुनर्वास हेतु आज दिनांक 20 अप्रैल को आगे आकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पुनर्वास से जुड़कर मुख्यधारा में लौट आए है।पुनर्वास योजना में आए माओवादी कैडर दारसु शोरी द्वारा एक४च 47 के साथआत्मसमर्पण किया गया है।

गरमा-गरम

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला, मजदूर भी दोपहर में काम नहीं करेंगे

मध्य प्रदेश में पहली बार रात में लू का अलर्ट, छत्तीसगढ़ भी गर्म

भोपाल/रायपुर/नवप्रदेश। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44 डिग्री सेल्सीयस पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4 डिग्री सेल्सीयस के साथ देश में सबसे गर्म रहा। गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है। झारखंड में भी आज से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को पारा 43 डिग्री सेल्सीयस दर्ज हुआ। दोनों जिलों में दोपहर 12:30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक्र सिग्नल बंद कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। दोनों ही राज्यों में दोपहर 12 से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़: अगले 5 दिन हीटवेव का अलर्ट,

तापमान बढ़ेगा, रात का तापमान भी बढ़ेगा, मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में अगले 5 दिनों के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। अगले 2 दिनों तक कुछ जगहों पर रात का तापमान बढ़ने से वार्म नाइट कंडीशन बनेगी। जिससे रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। राज्य में सबसे अधिक तापमान 43.8एष्ट बिलासपुर में दर्ज किया गया।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

22 अप्रैल:
-झारखंड, ओडिशा और राजस्थान में हीटवेव जैसे हालात बन सकते है। कर्नाटक और तमिलनाडु में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है।
-अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भारी बारिश हो सकती है। आंध्र प्रदेश, केरल, गोवा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने का अलर्ट है।

23 अप्रैल:
-उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी का असर जारी रहेगा। झारखंड, ओडिशा और बिहार में भी गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा।
-तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बिजली गिरने की संभावना है।

ईरान पर बरसे ट्रंपः कहा- कई बार तोड़ा संघर्ष विराम

■ एपल के सीईओ की जमकर की तारीफ

वाशिंगटन/ए.। ईरान के साथ जंग में अमेरिका पीछे हटने को तैयार नहीं है। ट्रंप ने कल भी एक साक्षात्कार में स्पष्ट कर दिया था कि ईरान समझौता करे तो ठीक है वरना हम बमों की बारिश करने के लिए तैयार हैं। वहीं, आज भी ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को नई धमकी दे डाली। साथ ही वर्जीनिया में चुनाव को लेकर भी मतदाताओं से एक खास अपील की। दूसरी ओर एप्पल के सीईओ टिम कुक की जमकर तारीफभी की।

पहले जानते हैं टिम कुक पर क्या बोले ट्रंपः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल के प्रमुख टिम कुक की जमकर सराहना करते हुए उन्हें एक अद्भुत प्रबंधक और नेता बताया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वे स्टीव जॉब्स के भी बड़े प्रशंसक रहे हैं, लेकिन उनके हिसाब से टिम कुक के नेतृत्व में एप्पल ने जितनी तरक्की की है, वह अतुलनीय है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल की एक घटना याद करते हुए बताया कि कैसे टिम कुक ने खुद उन्हें फोन कर एक बड़ी समस्या का समाधान माँगा था। ट्रंप के अनुसार, कुक ने महंगे सलाहकारों पर करोड़ों खर्च करने के बजाय सीधे राष्ट्रपति से संपर्क किया, जिसे ट्रंप ने टिम एप्पल का फोन आना ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ईरानी डेलिगेशन के पाक आने पर सस्पेंस

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका से संभावित बातचीत के लिए ईरानी डेलिगेशन के पाकिस्तान पहुंचने को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरानी मीडिया के मुताबिक मुख्य वार्ताकार और संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ विदेश मंत्री अराघची और उनके डिप्टी फिलहाल देश में ही मौजूद हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कुछ ही देर में पाकिस्तान के लिए रवाना होने वाले हैं। वेंस के साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफऔर डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी पाकिस्तान पहुंचेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब सीजफायर खत्म होने के कगार पर है। 22 अप्रैल को खत्म होने वाले इस सीजफायर को ट्रम्प ने एक दिन के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस के मुताबिक, ईरानी डेलिगेशन के साथ प्रस्तावित बातचीत अब मंगलवार की बजाय बुधवार को हो सकती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अगर बातचीत में कोई बड़ी प्रगति होती है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प खुद या वर्चुअली इसमें शामिल हो सकते हैं।

पीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

■ केसी वेणुगोपाल ने ओम बिरला को लिखा पत्र

नई दिल्ली/ए.। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विशेषाधिकार हनन (प्रिविलेज नोटिस) दिया है। अपने पत्र में वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 18 अप्रैल 2026 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में लोकसभा के सदस्यों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके इरादों पर सवाल उठाए।

कांग्रेस का कहना है कि यह संसद की गरिमा और सांसदों के अधिकारों का उल्लंघन है।

बता दें कि पीएम मोदी का यह संबोधन उस समय हुआ जब लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 पारित नहीं हो सका था। कांग्रेस का आरोप है कि इस भाषण में प्रधानमंत्री ने विपक्षी सांसदों के मतदान और उनकी मंशा को लेकर सीधे तौर पर टिप्पणियां कीं।

पीएम मोदी के खिलाफलिखे इस पत्र में कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने पूरे मामले को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है क्योंकि यह सिर्फकिसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि संसद और लोकतंत्र की गरिमा से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

रायपुर में कारोबारी से एक लाख रुपए की लूट

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई है, जहां थार सवार तीन बदमाशों ने एक कारोबारी के साथ मारपीट कर उससे 1 लाख रुपए लूट लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित कारोबारी का नाम पुलिस द्वारा जफर इकबाल बताया जा रहा है। आमानाका पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पंडरी के ताज नगर मस्जिद के पास रहने वाले 40 वर्षीय जफर इकबाल होम डेकोर का काम करते हैं।

ट्रक ने बाइक सवार 2 को रौंदा, मौत

■ अल्ट्राटेक-सीमेंट कंपनी के सामने शव रखकर परिजनों ने किया प्रदर्शन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के रायपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 2 युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे एक की मौके पर और दूसरे की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटना मंदिर हसौद थाना इलाके की है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार को अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। मुआवजा देने की मांग की। कांग्रेस

ने भी प्रदर्शन में बैठकर उनका समर्थन किया। बताया जा रहा है कि, अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की ट्रक ने युवकों को रौंदा है।

थाना प्रभारी आशीष यादव के मुताबिक, गोलू यादव और राजू यादव रोज की तरह काम खत्म कर सिब्बल ग्रीन से अपने घर लौट रहे थे। सोमवार देर रात सरीखेड़ी के पास पहुंचे ही थे कि, तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि, बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। गोलू यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राजू यादव ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

भारतमाला प्रोजेक्ट : पौधा रोपण करने वन विभाग धमतरी में 400 हेक्टेयर जमीन तलाश रहा

86 हजार पेड़ काटे, 4 लाख पौधे लगाने कांकेर-कोंडागांव में जमीन नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। भारतमाला प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए, लेकिन उनकी भरपाई के लिए पौधारोपण अब तक जमीन के अभाव में अटका हुआ है। इस साल मानसून में रोपण का प्लान है, इसलिए वन विभाग ने जमीन की तलाश तेज कर दी है। कोंडागांव और कांकेर में जगह नहीं मिलने के बाद अब वन विभाग धमतरी में 400 हेक्टेयर जमीन तलाश रहा है, जहां लगभग 4 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

एक नजर में

■ 86 हजार पेड़ कटे, लेकिन रोपण के लिए जमीन नहीं

■ दो वन मंडलों में खोज फेल, तीसरे में नई तलाश

■ महासमुंद में मिली जमीन पर भी नहीं हुआ रोपण

रायपुर-विशाखापट्टनम भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत धमतरी, कांकेर और कोंडागांव के जंगलों में 86 हजार से ज्यादा पेड़ काटे गए। क्षतिपूर्ति पौधारोपण के नियमों के अनुसार 228 हेक्टेयर वन भूमि के बदले दोगुनी यानी 456 हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण किया जाना है। विभागीय मानकों के मुताबिक इस क्षेत्र में 4 से साढ़े 4 लाख पौधों का रोपण प्रस्तावित है, लेकिन अब तक जमीन तय नहीं हो सकी है। इससे पहले 2022 में महासमुंद वन क्षेत्र में 200 हेक्टेयर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

464 किमी लंबी सड़क का 124 किमी छत्तीसगढ़ का

भारत माला प्रोजेक्ट के तहत 464 किलोमीटर लंबी सिक्स लेन सड़क बनाई जा रही है। इसमें से 124 किलोमीटर हिस्सा छत्तीसगढ़ में धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिले के घने जंगलों से गुजरता है। सड़क बनाने के दौरान वहां बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई। केंद्र से पौधों की कटाई के एवज में 95 करोड़ रुपए मिले हैं। पूरी रकम कैंपा फंड में ट्रांसफर कर दी गई है। पता चला है कि प्रोजेक्ट शुरू होने के साथ ही 2022 में करीब 80 करोड़ रुपए मिल गए थे। 13 करोड़ रुपए पिछले साल दिए गए हैं।

सोनिया गांधी ने की थी महिला आरक्षण की वकालतः रंजीत रंजन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं को गुमराह करने और 2023 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की बात नहीं मानने के आरोप लगाए है। इस पूरे मुद्दे पर आज उन्होंने एक प्रेसवार्ता को सम्बोधित भी किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस की महिला नेत्री उनके साथ मौजूद थी। सभी ने एक सुर में भाजपा पर महिला आरक्षण के नाम पर सियासत करने के आरोप लगाए है।

आरक्षण का नहीं परिसीमन चाहती है भाजपाः सांसद

प्रेसवार्ता में कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने कहा, 2023 में ही सर्वसम्मति से महिलाओं को आरक्षण देने के लिए पक्ष और विपक्ष ने बिल पास कर दिया था। उस समय सोनिया गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि इस आरक्षण को 2024 में ही लागू कर दीजिए लेकिन भाजपा ने कहा कि पहले जनगणना होगी, परिसीमन होगा और फिर हम महिलाओं को आरक्षण देंगे। रंजन ने कहा कि वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण प्रावधान को लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर शीघ्र लागू किया जाना चाहिए।

सुविचार

जो इंसान आपको अपनी हर बात बता सकता है तो समझ लो वह आप पर खुद से ज्यादा भरोसा करता है। ऐसे लोगों का भरोसा नहीं तोड़ना चाहिए।

पृथ्वी पर मंडाते संकट के बादल

आज हमारी पृथ्वी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं जिसकी वजह से आने वाले समय में मानव जीवन की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिस तेजी के साथ काम होना चाहिए। वह नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर पूरी दुनिया में हथियारों की होड़ लगी हुई है। अभी भी रूस और यूक्रेन के बीच जंग लगातार जारी है। अब तो अमेरिका और ईरान के बीच फिर से जंग छिड़ने की संभावना बलवति हो गई है। जिसके विश्व युद्ध के रूप में बदलने की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। दुनिया में इन युद्धों के कारण और नए-नए हथियार बनाने तथा परमाणु बम बनाने की प्रतिस्पर्धा के चलते पृथ्वी के पर्यावरण को भारी क्षति पहुंच रही है। ओजो परत का क्षरण हो रहा है वहीं धरती का तापमान साल दर साल बढ़ने की वजह से गलैशियर पिघल रहे हैं और समुद्रों का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर मौसम वैज्ञानिकों की समय समय दी जाने वाली चेतावनियों को नजरअंदाज किया जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट में कहा है कि ग्लोबल वार्मिंग से हम एक कदम और आगे बढ़ गये हैं अब ग्लोबल बाइलिंग की स्थिति में पहुंच गये हैं जिसका अर्थ यह है कि अब धरती का तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। समय रहते इस संकट से निपटने की तैयारी की जानी चाहिए। जहां तक प्रश्न भारत का है तो हमारे देश में भी पर्यावरण संरक्षण के लिए तेजी से काम करने की आवश्यकता है। जिस तरह हमारे देश में जंगलों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है और जीवन दायनी कहलाने वाली नदियां प्रदूषण का शिकार हो रही है। वह गंभीर चिंता विषय है। आज जल जंगल और जमीन की रक्षा के लिए वृहद कार्ययोजना बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यावरण संतुलन गड़बड़ाने के कारण ही हमारे देश में प्राकृतिक आपदाएं टुटती रहती हैं कभी अतिवृष्टि के कारण बाढ़ तबाही मचाती है तो कभी सुखा पड़ जाता है जिससे सबसे ज्यादा नुकसान कृषि प्रधान हमारे देश के किसानों को होता है। जलवायु पविर्तन के कारण ही हमें कृषि का फसल चक्र बदलने पर विवश होना पड़ रहा है। यदि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम नहीं हुए तो आने वाले समय में हमें इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। दरअसल औद्योगिक क्रांति के बाद से ही जीवाश्म ईंधन का बेतहाशा उपयोग हो रहा है साथ ही शहरीकरण भी तेजी से होने लगा है। इन सब वजहों से भी हमारे यहां साल दर साल तापमान में वृद्धि होती जा रही है। सरकार को चाहिए कि वह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कारगर कदम उठाये।

ममता बनर्जी की बौखलाहट

बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दुकान से झाल मुडी लेकर खा ली और इसका वीडियो अपने इंट्राग्राम पर अपलोड कर दिया। जिसे देखते ही देखते दस करोड़ लोगों ने देखा और इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। जिससे बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुरी तरह बौखला गई और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक दुकान से झाल मुंडी खाने को नौटंकी करार देते हुए आरोप लगाया की वहां पहले से ही कैमरा फीट करके रखा हुआ था। उन्होंने तो प्रधानमंत्री के जेब में 10 रूपये होने पर भी सवाल उठाये। ममता बनर्जी जरे खुद नौटंकी करने में माहिर है उनकी यह बौखलाहट बताती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में झाल मुरी खाकर एक तीर से दो निशाने साधे हैं और इससे सीधा नुकसान टीएमसी को हो सकता है। गौरतलब है कि बंगाल में झाल मुडी सार्वाधिक लोकप्रिय है ऐसे में पीएम मोदी का एक छोटी सी दुकान में जाकर लोगों के बीच झाल मुरी खाना ममता बनर्जी को भला कैसे राज आ सकता है। दुसरी महत्वपूर्ण यह है कि वह झाल मुडी की दुकान ऐसी जगह है जिसके ठीक बाजू में चिकन शॉप है। पीएम मोदी ने चिकन शॉप की दुकान के बाजू में जाकर और वहीं झाल मुडी खाकर पीएम मोदी ने यह भी संदेश दे दिया है कि न तो उन्हें और न ही भाजपा को चिकन मटन की दुकानों से कोई दिक्कत है। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से ममता बनर्जी अपनी चुनावी सभाओं में लोगों को यह कहकर डरा रही हैं कि यदि बंगाल में भाजपा की सरकार बन गई तो भाजपा बंगाल में मटन चिकन की दुकानें बंद करा देगी। पीएम मोदी ने उनके इस झुठ को भी बेनकाब कर दिया है। यही वजह है कि ममता बनर्जी बुरी तरह बौखला गई हैं।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ तुम्हारे भीतर जो कुछ भी त्रुटियां हैं वो तुम्हारी अपनी नहीं हैं, इस जन्म में संसार ने जो तुमको सिखाया वही तुमने सीखा है। तुम निर्दोष हो तब तक जब तक किसी सद्?गुरु से तुम्हारा गठबंधन न हुआ हो, कोई सत्य बताने वाला न मिला हो, सत्य का स्वाद चखाने वाला कोई न मिला हो लेकिन सत्य जान कर भी, स्वाद चख कर भी अगर उन्हीं पखानों में मन लग रहा है तब तो तुम्हारी त्रुटि तुम्हें दुर्गति तक ले जाकर छोड़ेगी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1870 - रूस की क्रांति के जनक लेनिन का जन्म हुआ था। 1906 - यूनान के एथेंस में 10वें ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई। 1915 - प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पहली बार जहरीली गैस का इस्तेमाल किया। 1921 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने इंडियन सिविल सर्विस से इस्तीफा दिया। 1931 - मिस्त्र और इराक ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1958 - एडमिरल आर.डी. कटारी भारतीय नौसेना के पहले भारतीय प्रमुख बनाए गए। 1970 - दुनिया में पहली बार पृथ्?वी दिवस मनाया गया। 1974 - चेतन भगत का जन्म हुआ। 1983 - अंतरिक्ष यान सोयूज टी-8 पृथ्वी पर लौटा। 1997 - पेरू में जापानी दूतावास में चार माह से चल रही घेराबंदी को समाप्त करने के लिए सेना ने प्रवेश किया। 2002 - पाकिस्तान में पर्ल हत्याकांड की सुनवाई प्रारम्भ। 2004 - उत्तर कोरिया में ट्रेनों की भीषण टक्कर, 3000 हताहत।

महिला आरक्षणः डगर कठिन है पनघट की

सभी दलों के समर्थन से नारी शक्ति वंदन अधिनियम सितंबर 2023 में संसद में पारित किया जा चुका है। जिसे आनन फानन में 16 अप्रैल को सरकार ने लागू कर दिया। इसी बाबत 16 अप्रैल 2026 को नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन को लेकर सत्ता पक्ष ने दो दिवसीय विशेष सत्र बुलवाया जिसमें सरकार 2011 की जनगणना के अनुसार परिसीमन विधेयक पेश करना चाहती थी ताकि सीटों को बढ़ाकर महिलाओं को 33% आरक्षण दिया जा सके सत्ता पक्ष का कहना था कि अगर परिसीमन कराया जाएगा तब महिलाओं को तो उनका हक मिलेगा ही और साथ ही साथ पुरुषों का भी हक नहीं छीना जाएगा। कहने का तात्पर्य यह है कि अभी संसद में कुल 543 सीटें हैं जिसमें से अगर 33% आरक्षण महिलाओं को दिया जाएगा तो पुरुष वर्ग का संसदीय क्षेत्र उनसे छूट सकता है इसलिए सरकार चाहती थी कि परिसीमन विधेयक पारित किया जाए 543 से बढ़ाकर 850 सीटें कर दी जाए इससे 2029 में महिलाओं को भी आरक्षण मिल सकता है। किन्तु विपक्ष इसका सख्ती से विरोध कर रही है। विपक्ष का तर्क था कि जनगणना और परिसीमन का इंतजार किए बिना, इसे वर्तमान 543 सीटों पर ही तत्काल लागू किया जाना चाहिए। इस विषय पर लंबी बहस हुई विपक्ष के कड़े प्रतिरोध दो-तिहाई बहुमत की कसौटी पर यह विधेयक खरा नहीं उतर सका और आखिर फिर से यह अधर में लटक कर रह गया। देश की आधी आबादी जो दशकों से अपने हक या यूं कहें जो एक तिहाई हक के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही है वह अब समझ गई है कि उसके इंतजार की घड़ियां इतनी जल्दी खत्म नहीं होने वाली है उनके लिए आज भी कठिन है डगर पनघट की। संसद में पक्ष और विपक्ष की तीखी नोक झोंक के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि बार बार बेवकूफ बनाने वाले को महिलाएं अच्छे से पहचान लेती हैं। सच कहें तो यही कड़वा सच है कि एक बार फिर महिलाओं को बेवकूफ बनाने की उनके साथ छल करने की कोशिश की गई। पक्ष और विपक्ष दोनों ही ने खुद को महिलाओं का शुभचिंतक साबित करने की कोशिश की परंतु उनके आचरण से यह साफसाबित हो गया कि दोनों का ही मकसद अपना अपना स्वार्थ है और सिर्फहंगामा खड़ा करना रहा है कोई भी सूरत बदलने की कोशिश करने के लिए तैयार नहीं है।आखिर फिर एक बार जनगणना परिसीमन किंतु परंतु करके महिला आरक्षण को अधर में लटका कर रख दिया गया। अब इसके नाम पर दोनों पक्ष राजनीति कर रहे हैं और खुद को महिलाओं का हितैषी दिखाने के लिए एक दूसरे पर महिला आरक्षण विरोधी होने का आरोप प्रत्यारोप लगा रहें है। महिलाओं को भ्रमित करने की पूरी कोशिश की जा रही। सीधी सी बात यह है कि यदि एनडीए और आईएनडीआईए महिला आरक्षण की इतनी ही प्रबल समर्थक बनती हैं तो वे महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन पर माथा पच्ची करने के बजाय आगामी लोकसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में 33 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने की घोषणा क्यों नहीं कर देती? दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। बेहतर होगा कि राजनीतिक पार्टियां महिला आरक्षण के नाम पर अपना उल्लू सीधा करने के लिए महिलाओं को मूर्ख बनाने की कोशिशों से बाज आएं। वरना यह याद रखें कि-

आज फैले हैं जो हाथ तुम्हारे सामने, एक दिन बन जाएंगे मुट्ठियां तुम देखना।

शाहिन कुरैशी

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फपिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैंने... प्रेम को अक्सर दूसरों के चेहरे में ढूँढा, पर, वह तो, मेरे ही भीतर छुपा एक अहसास है ?तुम्हारा होना एक सुंदर संयोग है जैसे धूप का खिलना, ?और तुम्हारा न जाना एक ख्याल, जैसे... रात का ढलना। ?अब खामोशी मुझे कभी ख़ामोश नहीं लगती, बल्कि निखारती है, ? क्योंकि मैंने तुमसे परे, खुद को पहचान लिया है।?प्रेम अब अधिकार की मुट्ठी नहीं, खुला आसमान है, जहाँ तुम भी मुक्त हो और.. मेरे खूबसूरत अहसास भी। ?अब कोई शिकवा नहीं, कि तुम मेरे पास नहीं हो, खुशी है ... कि, तुम मेरे होने के अहसास में शामिल हो। **- उमा मेहता त्रिवेदी**

जो आज उदित है ,कल समझ लो,अस्त हो ही जाएगा। तिकड़म - जुगाड़ी एक दिन खुद पस्त हो ही जाएगा। हारी नहीं बुद्धिमत्ता , इतिहास को पढ़ लो अमित- जब स्वच्छ हो जल-मन तो तन खुद स्वस्थ हो ही जाएगा। **-अमित शिवकुमार दुबे**

हर आदमी देश में देश हित पहले ईमानदारी अपराध मुक्त समानता सर्व धर्मभाव समान शिक्षा समान कानून एक संविधान सबको रोटी सबको पानी सबको घर सबको स्वास्थ्य सुविधा समान कर सस्ता यातायात आदि की बात करता है। **- अजय श्री**

तुम्हें देखूँ या देखूँ चाँद को। कहो ना.. खैर छोड़ो ... देखना तो तुम्हीं को है..हाँ, करना है आभार चाँद का। जो आया है अपनी उज्ज्वलता से परिपूर्ण चाँदनी बिखरने। तुम्हारे रास्ते पे। देखो न निखर-निखर रही है चाँदनी भी चाँद की। पाकर धूप तुम्हारे रूप की।।

- डॉ.सविता वर्मा 'ग़ज़ल'

सभी समस्या का यहाँ,केवल एक निदान। आबादी विस्फोट का,समझो तुम नुकसान।। पथ विकास का रोकते,जनसंख्या के शूल। आबादी विस्तार है,बेहद घातक भूल।। सही से न शिक्षा मिले,न भोजन आवास, बस अभाव में जिन्दगी,बन जाती परिहास।। बच्चे दो ही ठीक हैं,इस पर करो यकीन। सोचो दस बच्चे जहाँ,क्या होता है सीन।।

- शालिनी शर्मा

क्या हम परमाणु विनाश देखने की ओर बढ़ रहे हैं ? लगभग दो - ढाई साल पहले परमाणु युद्ध की तारीखों पर कुछ काम किया था । अब हालत उस तरफही बढ़ते दिखाई दे रहे हैं । 15 मई से 15 जून का समय बहुत सतर्क रहने का है । दो पागल बूढ़े दुनिया तबाह कर देना चाहते हैं। आप नाम जानते हैं उनके ?

- केदार नाथ शब्द मसीहा

सिक्त दर्द से इक ही आह काफी है मन मर्जियाँ नहीं इक ही चाह काफी है करने को करते हैं दिखावा सैकड़ों से लोग मुहब्बत हो गयी हो गर इक ही राह काफी है लिख तो गयी है नज़्म बड़े ही खुलूस से दिल से सुनी गयी तो इक ही वाह काफी है।

- मधुलिका शुक्ला

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज दिन का पूर्वार्ध आशा से अधिक शुभ रहेगा। आज के दिन आकस्मिक घटनाएं अधिक घटित होंगी चाहे वो आर्थिक या पारिवारिक हों।

वृषः आज आपको प्रतिकूल फल मिलने से मन में नकारत्मकता रहेगी। कार्य को करने से पहले ही हार मान लेने से सफलता की उम्मीद भी अल्प रहेगी।

मिथुनः आज भी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने से लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु अज्ञान की स्थिति अथवा गलत सलाह के कारण लाभ होना संदिग्ध ही रहेगा।

कर्कः आज के दिन धन की कमी रहने पर भी खुश रहने का सफल प्रयास करेंगे। परिजनों से भावनात्मक सम्बन्ध रहने से मन को शान्ति मिलेगी।

सिंहः आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियां रह सकती है परंतु मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे। जिस भी कार्य को करने की ठानेंगे उसे हानि-लाभ की परवाह किये बिना पूर्ण करके छोड़ेंगे।

कन्याः आज भी दिन विपरीत फल देने वाला रहेगा। स्वयं अथवा किसी पारिवारिक सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी दवाओं पर खर्च बढ़ेगा। कार्य क्षेत्र पर भी परिश्रम के अनुसार लाभ मिलेगा।

तुलाः आज आपकी महात्त्वकांक्षाओ की पूर्ती में अड़चने आने से हताश हो सकते है। फिर भी भले-बुरे का विवेक रहने से मानसिक रूप से परेशान नहीं होंगे। कार्य क्षेत्र पर अधिकारी एवं सहकर्मी सहयोग करेंगे।

वृश्चिकः आज दिन का पूर्वार्ध नयी उलझने लाएगा। हठी प्रवृति रहने से व्यापार में हानि एवं प्रियजनों से दूरी बढ़ सकती है। महत्त्वपूर्ण कार्य को अनुभवियों के परामर्श के बाद ही करें।

धनुः आपका आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यो की असफलता अथवा किसी महत्त्वपूर्ण अनुबंध के निरस्त होने से स्वभाव में चिड़चिड़ा पन आ सकता है।

मकरः आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य में सावधानी रखने की सलाह है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के कारण धन के साथ सम्मान की भी हानि हो सकती है। कार्य क्षेत्र पर अप्रिय घटनाओं के कारण दुविधा की स्थिति बनेगी।

कुंभः आज दिन का प्रारंभिक भाग सुख-शांति से बितायेंगे। मन खुश रहने से आसपास का वातावरण भी हास्यमय बनाएंगे। मित्र प्रियजनों के साथ भविष्य की योजनाओं पर खुल कर विचार करेंगे। परन्तु दोपहर के समय स्थिति एक दम उलट हो जायेगी।

मीनः आज आप उदासीनता युक्त जीवन जीयेंगे। पेट सम्बंधित शिकायत रहने एवं अन्य शारीरिक कष्ट के कारण शरीर शिथिल रहेगा। मन के अनुसार कार्य नहीं होंगे।

QUIZ TIME

1) अदिति अशोक का संबंध किस खेल से है?

2) हाल ही में असम की इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी का नाम बदलकर किसके नाम पर रखा गया है?

3) 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत का सबसे अधिक आबादी वाला महानगरीय शहर कौन सा है?

4) भारत के किस राज्य नंटजलि उत्सव मनाया जाता है?

5) हाल ही में अज्ञेय स्मृति सम्मान 2025 से किसे सम्मानित किया गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) गोल्फ (2) रतन टाटा (3) मुंबई (4) नागालैंड (5) उदय प्रकाश

पहेली

प्रदेश में ईंधन और उर्वरक की आपूर्ति सामान्य, अफवाहों से बचें: अजय श्रीवास्तव

खरीफ के लिए खाद का पर्याप्त भंडार: शहला निगार

रायपुर/नवप्रदेश। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच छत्तीसगढ़ में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और उर्वरकों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में सभी आवश्यक ईंधनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और लोगों को किसी भी तरह की अफवाह या 'पैनिक बुकिंग' से बचना चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए राज्यभर में अब तक 419 छापे मारे गए हैं, जिनमें 3,946 सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 105 मामलों में एफआईआर दर्ज

की गई है। शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-233-3663 और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम सक्रिय हैं। प्रवासी श्रमिकों और छात्रों के लिए बिना पते के प्रमाण के 5 किलो के छोटे सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कृषि विभाग की ओर से प्रमुख सचिव शहला निगार ने बताया कि खरीफ 2026 के लिए 15.55 लाख टन उर्वरक की आवश्यकता के मुकाबले 8.72 लाख टन (56 प्रतिशत) का भंडारण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मई से एकीकृत किसान पोर्टल और 'भुईयाँ' पोर्टल को जोड़कर नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे किसानों को उनकी जमीन के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा सकेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों ने नागरिकों और किसानों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। राज्य सरकार और तेल कंपनियां स्थिति की नियमित समीक्षा कर रही हैं ताकि आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

रिकॉर्ड आपूर्ति, डिजिटल निगरानी सख्त

अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में प्रतिदिन करीब 72 हजार एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। पेट्रोल की आपूर्ति 5,600 किलोलीटर और डीजल 9,800 किलोलीटर प्रतिदिन तक बढ़ा दी गई है, जो सामान्य से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। राज्य में 5 बॉटलिंग प्लांट और 539 वितरकों का नेटवर्क पूरी क्षमता से कार्यरत है। उन्होंने बताया कि 98 प्रतिशत बुकिंग अब डिजिटल माध्यम से हो रही है और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (DAC) अनिवार्य किया गया है।

न्यूज गैलरी

मोंगरा बैराज के कार्यों के लिए 2.90 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखण्ड-अंबागढ़ चौकी की मोंगरा बैराज के जलद्वारों के सुधार एपाक्सी व सिंथेटिक पेंटिंग एवं विद्युत यांत्रिकीय उपकरणों के नवीनीकरण कार्य के लिए दो करोड़ 90 लाख 14 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्यों को पूर्ण कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

तहसीलदार की शिकायत कलेक्टर से, विभागीय कार्रवाई की मांग

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में जमीन के एक प्रकरण को लेकर राजस्व मंडल एवं उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर रायपुर से तहसीलदार की शिकायत की शिकायत की गई है। जलविहार कॉलोनी निवासी संजय नचरानी ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर कहा है कि संबंधित तहसीलदार को सख्त एवं समयबद्ध निर्देश जारी कर न्यायालय के आदेशों का तत्काल पालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कर्तव्य की अवहेलना एवं न्यायालय के आदेशों की अवहेलना के लिए उपयुक्त विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की जाए। ज्ञापन में संजय नचरानी ने कहा है कि भूमि प्रकरण के संबंध में राजस्व मंडल एवं उच्च न्यायालय द्वारा पारित बाध्यकारी आदेशों का तहसीलदार द्वारा जानबूझकर अनुपालन नहीं किया जा रहा है। ज्ञापन में उल्लेख है कि स्पष्ट एवं निर्विवाद न्यायिक निर्देशों के बावजूद तहसीलदार द्वारा उक्त आदेशों का पालन नहीं किया गया है। प्रार्थी तथा उसके प्रतिनिधियों द्वारा बार-बार व्यक्तिगत रूप से संपर्क एवं अनुवर्ती कार्रवाई करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ऐसा आचरण न केवल उन्हें गंभीर हानि एवं आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि प्रथम दृष्टया उच्च न्यायालय के आदेशों की अवमानना भी प्रतीत होता है, जिससे विधि के शासन की अवमानना होती है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली समय सीमा की बैठक

सुशासन शिविर की तैयारी निर्धारित अवधि में पूरी करें

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार 1 मई 2026 से सुशासन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किये जाएंगे। सभी नगरीय निकाय और जनपद पंचायत के अधिकारी इस संबंध में सारी तैयारी निर्धारित अवधि में पूरी कर लें। कलेक्टर ने कहा कि 24 अप्रैल 2026 को पंचायती राज दिवस के अवसर पर दीनदयाल सभागृह में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में जिला स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रमुख प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने प्रोजेक्ट से संबंधित अधिकारियों को इस कार्यक्रम हेतु समुचित तैयारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि गर्मी के मौसम में हीट वेव चलने की संभावना है, इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक दवाइयों का इंतजाम बनाए रखें। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान सिंह राठौर एवं एडीएम श्री उमाशंकर बंदे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मधु अरोरा को नेशनल को-ऑर्डिनेटर के रूप में सम्मानित

रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, महिला प्रदेश महामंत्री श्रीमती पिंकी अग्रवाल एवं महिला प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा भट्ट प्रदेश उपाध्यक्ष पल्लवी मनोदेव गौडा ने बताया कि कैट के राष्ट्रीय टीम ने कैट के महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा को नेशनल को-ऑर्डिनेटर के रूप में सम्मानित किया गया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया कि दिनांक 17 एवं 18 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली स्थित हिंदी भवन में राष्ट्रीय महिला विंग का दो दिवसीय कार्यक्रम कैट ने राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री बी.सी. भारतिया जी एवं कैट के राष्ट्रीय महासचिव एवं चांदनी चौक नई दिल्ली के सांसद माननीय श्री प्रवीण खंडेलवाल जी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री माननीया श्रीमती रेखा गुप्ता जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भी महत्वपूर्ण विचार साझा किए। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वक्ताओं ने महिलाओं के उत्साह, सहभागिता एवं सशक्तिकरण पर अपने प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। श्रीमती अरोरा ने कहा कि मैं माननीय श्री बी. भरतिया जी एवं माननीय श्री प्रवीण खंडेलवाल जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। साथ ही, राष्ट्रीय महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती संगीता पाटिल जी दिल्ली से रेनू जी एवं अंजलि जी और दिल्ली के सभी कार्यकर्ताओं का एवं कैट परिवार के सभी सदस्यों का, जो भारत के विभिन्न राज्यों से पधारे, उनके अमूल्य सहयोग एवं सहभागिता रही।

स्वस्थ बचपन की नींव: पोषण, परवरिश और जीवनशैली से सशक्त छत्तीसगढ़ की पहल

■ छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता

रायपुर/नवप्रदेश। सुश्री नमिता पाण्डेय आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं।

साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं। छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है।

स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पारंपरिक आहार: समाधान की मजबूत नींव

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुनः रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

लागू होगी औद्योगिक कोड खत्म होंगे पुराने श्रम कानून

अब हड़ताल से 14 दिन पहले देनी होगी सूचना, औद्योगिक संबंध (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 का प्रारूप जारी

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार ने औद्योगिक क्रांति और श्रमिकों के हितों को नई ऊंचाई देने के लिए औद्योगिक संबंध (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 का प्रारूप जारी कर दिया है। केंद्र सरकार की औद्योगिक संबंध संहिता के तहत लाए जा रहे इस बदलाव से दशकों पुराने और जटिल श्रम नियम अब इतिहास का हिस्सा बन जाएंगे। प्रारूप के अनुसार अब किसी भी औद्योगिक संस्थान में श्रमिक अचानक हड़ताल पर नहीं जा सकेंगे। उन्हें कम से कम 14 दिन पूर्व लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य उत्पादन के नुकसान को रोकना और प्रबंधन व श्रमिकों के बीच बातचीत के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध कराना है। सरकार की ओर से जारी सूचना के अनुसार, नए नियमों के लागू होते ही छत्तीसगढ़ औद्योगिक विवाद नियम 1957, व्यावसायिक संघ विनियम 1961 और औद्योगिक नियोजन नियम 1963 से चले आ रहे पुराने कानून निष्प्रभावी हो जाएंगे। इनके स्थान पर एक एकीकृत कानूनी ढांचा काम करेगा। इससे औद्योगिक विवादों का निपटारा डिजिटल माध्यम से तेजी से हो सकेगा। श्रम विभाग ने इस प्रारूप पर 30 दिनों के भीतर दावा-आपत्ति मांगी है।

संस्थानों में शिकायत निवारण समिति अनिवार्य

सरकार ने औद्योगिक परिदृश्य को बदलने और श्रमिक हितों को आधुनिक ढांचे में ढालने की तैयारी पूरी कर ली है। केंद्र की औद्योगिक संबंध संहिता के अनुरूप श्रम विभाग ने नए नियमों का प्रारूप सार्वजनिक कर दिया है। इन नियमों के लागू होने से न केवल औद्योगिक विवादों का त्वरित निपटारा होगा, बल्कि कार्यस्थलों पर पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

नशीली दवाइयों के साथ दो गिरफ्तार, पांच-पांच साल कैद

रायपुर/नवप्रदेश। नशीली दवाइयों के साथ गिरफ्तार दो आरोपियों को जिला न्यायाधीश ने पांच-पांच साल कठोर कारावास और 50-50 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड का भुगतान नहीं करने पर एक-एक साल कठोर सजा का प्रावधान है।

यह मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। इस मामले में अंतिम सुनवाई विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट किरण थवाइत की कोर्ट में पूरी हुई। मामले की पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू ने कोर्ट को बताया कि अभियुक्तगण रिक्की उर्फ विकास नायक और मोनू उर्फ रमेश देवदास रायपुर के क्रमशः श्रीनगर और डब्ल्यूआरएस कॉलोनी झारखंड बस्ती निवासी हैं। 3 अप्रैल 2024 को खमतराई पुलिस ने सूचना के आधार पर दोपहर 2 बजे सन्यासी पारा- रेलवे अंडरब्रिज के पास से नशीली दवाइयों के साथ गिरफ्तार किया, जो बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे थे।

जांच पड़ताल के दौरान आरोपियों के पास से स्पैस्मो प्रॉक्सीवॉन प्लस कैप्सूल, डाइसाइक्लोमाइन हाइड्रोक्लोराइड आईपी 10 एमजी, ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड आईपी 50 एमजी और एसिटामिनोफेन आईपी 325 एमजी नामक कुल 90.86 ग्राम दवाइयां और चाकू भी बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि दोनों अभियुक्त ओडिशा के कालाहांडी स्थित एक मेडिकल स्टोर से दवाइयां लाकर रायपुर में बिक्री करते थे। पुलिस द्वारा गिरफ्तार दोनों अभियुक्त न्यायिक रिमांड पर रहे। पुलिस ने घटनास्थल पर मिले साक्ष्य और बयान कोर्ट में पेश किये।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साक्ष्य और सबूतों के आधार पर दोनों अभियुक्तों को पांच-पांच साल कठोर कारावास और 50-50 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई।

हुजूर साहेब नांदेड-आसनसोल के बीच स्पेशल ट्रेन का संचालन, यात्रियों को मिलेगी राहत

रायपुर/नवप्रदेश। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हुजूर साहेब नांदेड-आसनसोल-हुजूर साहेब नांदेड के मध्य 01-01 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। झगाड़ी संख्या 07701 हुजूर साहेब नांदेड-आसनसोल समर स्पेशल ट्रेन हुजूर साहेब नांदेड से दिनांक 21 अप्रैल 2026 को चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07702 आसनसोल-हुजूर साहेब नांदेड समर स्पेशल ट्रेन आसनसोल से दिनाँक 23 अप्रैल को चलेगी। इस गाड़ी का

वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है। गाड़ी संख्या 07701 हुजूर साहेब नांदेड-आसनसोल, समर स्पेशल ट्रेन हुजूर साहेब नांदेड से दिनांक 21 अप्रैल 2026 मंगलवार को 23.50 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 14.10 बजे, प्रस्थान 14.15 बजे, दुर्ग आगमन 16.30 बजे, प्रस्थान 16.35 बजे, रायपुर आगमन 17.25 बजे, प्रस्थान 17.30 बजे, बिलासपुर आगमन 19.35 बजे, प्रस्थान 19.45 बजे होते हुये तीसरे दिन 12.00 बजे आसनसोल स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07702 आसनसोल-हुजूर साहेब नांदेड, समर स्पेशल ट्रेन आसनसोल से दिनाँक 23 अप्रैल गुरुवार को 14 .00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन बिलासपुर आगमन 04.00 बजे, प्रस्थान 04.15 बजे, रायपुर आगमन 06.00 बजे, प्रस्थान 06.02 बजे, दुर्ग आगमन 06.50 बजे, प्रस्थान 06.55 बजे।

बार व्यापारी पर किया बीयर बोतल से हमला

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के रायपुरा चौक स्थित मधुशाला बार में देर रात मारपीट का मामला सामने आया है. कार सवार युवक ने बार में घुसकर एक व्यक्ति पर बीयर की बोतल से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया. फिलहाल इस मामले में अपराध दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है. जानकारी के अनुसार, जामगांव निवासी किराना व्यापारी संदीप अग्रवाल 18 अप्रैल की रात अपने दोस्त अनिवेश प्रताप सिंह के साथ मधुशाला बार गया था. रात करीब 11:30 बजे दोनों बार के बाहर खड़े थे, तभी एक कार में सवार चंगोराभाठा निवासी हर्ष शुक्ला तेज रफ्तार में आया और अचानक उनके सामने गाड़ी रोक दी. इस हरकत से घबराए दोनों अंदर बार में चले गए. आरोप है कि हर्ष शुक्ला भी उनके पीछे बार में घुस आया और गाली-गलौज करते हुए फ्रिज से बीयर की बोतल निकालकर संदीप अग्रवाल के सिर पर हमला कर दिया. हमले में संदीप के सिर में चोट आई और खून बहने लगा।

बैडमिंटन एकल में रामेश्वर और युगल में सत्येंद्र-टीकम की जोड़ी चैंपियन

■ रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ई-2 के तहत आयोजित इंडोर गेम्स का गरिमामय समापन

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ई-2 के तहत आयोजित स्व. देवेंद्र कर स्मृति बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन सोमवार को यूनियन क्लब में रोमांचक फाइनल मुकाबलों के साथ हुआ। एकल वर्ग में रामेश्वर मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि युगल वर्ग में सत्येंद्र कर व टीकम वर्मा की जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल के दम पर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एकल वर्ग के फाइनल में रामेश्वर मिश्रा का सामना चंदन साहू से हुआ। मुकाबले की शुरुआत से ही रामेश्वर ने आक्रामक तेवर दिखाए और तेज स्मैश व सटीक ड्रॉप शॉट्स के जरिए लगातार अंक बटोरते रहे। उन्होंने पूरे मैच में विपक्षी खिलाड़ी को संभलने का मौका नहीं दिया और 30-11 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। चंदन साहू ने वापसी की कोशिश की, लेकिन रामेश्वर की सटीक रणनीति और कोर्ट कवरेज के सामने वे ज्यादा देर टिक नहीं सके। इस प्रभावशाली जीत के साथ रामेश्वर मिश्रा ने एकल वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। रामेश्वर का पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। सेमीफाइनल से लेकर फाइनल तक उन्होंने निरंतरता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। वहीं युगल वर्ग का फाइनल मुकाबला भी बेहद रोमांचक रहा। सत्येंद्र कर व टीकम वर्मा की जोड़ी ने चंदन साहू व सुशील अग्रवाल की जोड़ी को 30-20 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के बीच अच्छी टक्कर देखने को मिली, लेकिन सत्येंद्र और टीकम का तालमेल और समझ बेहतर साबित हुई। दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर बेहतरीन समन्वय दिखाया और आक्रामक खेल के साथ-साथ मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया। चंदन साहू व सुशील अग्रवाल ने भी अच्छा खेल दिखाया, पर निर्णायक क्षणों में कुछ त्रुटियों के कारण वे बढ़त कायम नहीं रख सके। सत्येंद्र और टीकम ने मौके का फायदा उठाते हुए बढ़त को अंत तक बरकरार रखा और खिताब पर कब्जा कर लिया।

जल संकट गहराया: वाटर लेबल डाउन, मोहल्लों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची

रायपुर में पानी के लिए हाहाकार, प्रदर्शन तेज-बिजली कटौती की तैयारी

रायपुर/नवप्रदेश। शहर में बढ़ते जल संकट ने अब विकराल रूप ले लिया है। अंडरग्राउंड वाटर लेवल में भारी गिरावट के कारण मार्च के दूसरे सप्ताह से ही मोहल्लों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि नगर निगम को टैंकरों के जरिए पानी सप्लाई करनी पड़ रही है, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

नगर निगम फिलहाल 40 टैंकरों के माध्यम से रोजाना करीब 450 ट्रिप पानी सप्लाई कर रहा है, लेकिन मांग के मुकाबले यह नाकाफी साबित हो रहा है। स्थिति को देखते हुए निगम प्रशासन अब एक नया कदम उठाने की तैयारी में है। नल खुलने के समय सुबह एक घंटे बिजली बंद करने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए जल्द ही छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी को फीडरवार बिजली कटौती की सूची सौंपी जाएगी। 20 अप्रैल को जोन-3 कमिश्नरी कार्यालय में पानी की समस्या को लेकर नागरिकों और कांग्रेस नेताओं ने जमकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार और निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि आम जनता पानी के लिए परेशान है, जबकि सरकार निष्क्रिय बनी हुई है।

कई वार्डों में गंभीर स्थिति

सुबह-शाम नल खुलने के दौरान जोन-3 के चार, जोन-9 के सभी सात और जोन-5 के तीन वार्डों को जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। पिछले साल भी गर्मी के दौरान शहर के 29 वार्डों में पानी सप्लाई के समय एक घंटे बिजली बंद की जाती थी, और इस बार हालात उससे भी ज्यादा गंभीर नजर आ रहे हैं।

गंदे पानी की सप्लाई से बढ़ा आक्रोश

जोन-9 के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अंतर्गत ब्रह्मदेव नगर, लाभांडी में टैंकर से गंदे पानी की सप्लाई ने लोगों का गुस्सा और बढ़ा दिया। सोमवार दोपहर जब टैंकर पहुंचा तो उसमें से बदबूदार और अनुपयोगी पानी निकलता देख नागरिक भड़क उठे और टैंकर को करीब एक घंटे तक रोके रखा।

स्थानीय पार्षद श्रीमती रेणु जयंत साहू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सप्लाई किया गया पानी न पीने योग्य था और न ही अन्य घरेलू उपयोग के लायक। उन्होंने तत्काल जोन-9 कमिश्नर राकेश शर्मा से संपर्क कर कार्रवाई की मांग की।

पॉश कॉलोनियों में भी संकट

जल संकट अब केवल आम बस्तियों तक सीमित नहीं रहा। जोन-8 की पॉश कॉलोनियां सिंगापुर सिटी और मारुति लाइफस्टाइल भी इससे अछूती नहीं हैं। यहां के चार में से दो बोरवेल सूख चुके हैं, जिससे अब इन इलाकों में भी टैंकर से पानी मंगाने की नौबत आ गई है। इसके अलावा आमासिवनी, दलदल सिवनी, सड्डू और मोवा जैसे क्षेत्रों में भी बोरवेल सूखने से लोग निगम के नलों पर निर्भर हो गए हैं, जिससे पानी की किल्लत और बढ़ गई है।

18 कमरों का मकान और 'राजशाही ठाठ' पर सियासी तंज, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का बयान फिर सुर्खियों में

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का पुराना बयान चर्चा में आ गया है। 18 कमरों के मकान और घर में स्विमिंग पूल जैसी सुविधाओं को लेकर ÷राजशाही ठाठ÷ पर की गई उनकी टिप्पणी अब ताजा राजनीतिक माहौल में सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक वायरल हो रही है।

बताया जा रहा है कि जयसिंह अग्रवाल ने अपने बयान में सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी और जनप्रतिनिधियों की जीवनशैली पर सवाल उठाते हुए भव्य और आलीशान सुविधाओं को लेकर टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं।

जानकारी के अनुसार, इस बयान में उन्होंने कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन की ओर इशारा करते हुए तंज कसा था। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो

गया और समर्थकों व विरोधियों के बीच बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

समर्थकों का कहना है कि यह टिप्पणी दिखावे और वास्तविक जीवन के अंतर को उजागर करती है, जबकि विरोधी इसे राजनीतिक कटाक्ष के रूप में देख रहे हैं। वहीं, अब जब यह बयान दोबारा चर्चा में आया है, तो सोशल मीडिया पर लोग इसे मौजूदा नेताओं की जीवनशैली से जोड़कर बहस कर रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ऐसे बयान चुनावी माहौल में और अधिक प्रभावशाली हो जाते हैं, क्योंकि ये सीधे तौर पर जनता की धारणा को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि यह पुराना बयान एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है।फिलहाल इस मामले पर किसी भी पक्ष की ओर से कोई नई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक हलचल और सोशल मीडिया पर चर्चा लगातार जारी है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा महिला आरक्षण नहीं परिसीमन बिल पास करना चाह रही थी, विधायक सावित्री मंडावी

चारामा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा द्वारा फैलाया जा रहे भ्रम को दूर

करने के लिए क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने बताया की कांग्रेस महिला आरक्षण के समर्थन में थी और है भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को लेकर लगातार भ्रम फैलाया जा रहा है, कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया,इसलिए संसद में बिल पास नहीं हो सका, भारतीय जनता पार्टी झूठ बोल रही है महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 /106 व संविधान संशोधन वर्ष2023 में संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है, तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस पर हस्ताक्षर कर चुकी है, तथा यह कानून भी बन चुकी है,भाजपा ने 16 अप्रैल 2026 को जो विधेयक सांसद में प्रस्तुत किया 131वां संविधान संशोधन अधिनियम,इसमें महिला आरक्षण के संदर्भ में नहीं,भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को पास करवाना चाहती थी, सरकार ने 131 वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया, संसद में जो विधेयक गिरा उसमें इस विधेयक में लोकसभा परिसीमन की सीट 850 करने का प्रस्ताव था।

चारामा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित, संगठन को मिलेगी नई मजबूती

चारामा/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुमोदन उपरांत जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के अध्यक्ष बसंत यादव द्वारा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चारामा की प्रस्तावित नई कार्यकारिणी सूची को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के प्रभारी महामंत्री उदय प्रकाश शर्मा ने पत्र जारी कर जानकारी दी। यह अनुमोदन पत्र ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चारामा के अध्यक्ष हिरवेन्द्र साहू को भेजा गया है। पत्र में कहा गया है कि स्वीकृत कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को सूचित कर संगठनात्मक कार्यक्रमों को गति देने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। नई कार्यकारिणी में विभिन्न समाज एवं वर्गों के कार्यकर्ताओं को स्थान देकर संगठन को मजबूत एवं सर्वसमावेशी स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। कार्यकारिणी में श्री मोहित नायक को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद पर श्री यशवंत नायक, श्री जितेन्द्र साहू, श्री बोधन लाटिया, श्रीमती उषा ओट्टी, श्री देवानंद कोरेटी एवं श्री कुंजलाल जैन को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री पद पर श्री संतोष शिंदे, श्री सत्यप्रकाश मण्डावी, श्रीमती दीपा सलाम, श्री जीवधर कावड़े, श्रीमती गिरजा सिन्हा, श्री ललित नारायण गोटी, श्री यादोराम साहू एवं श्री गोपाल गजेन्द्र को शामिल किया गया है। सचिव पद पर श्री रमेश शोरी, श्री धीरज साहू, श्री परमेश्वर साहू, श्री गोपाल यादव, श्री नोतन भोयर, श्रीमती सतरूपा उइके, श्री पप्पू टडन, श्री मंगेश मेश्राम, श्री वीरेन्द्र मण्डावी एवं श्री दिनेश सिन्हा को दायित्व सौंपा गया है।

जनगणना-2027 के दिया गया प्रशिक्षण

चारामा/नवप्रदेश। चारामा तहसील में चल रहे जनगणना 2027 के प्रशिक्षण सत्र के द्वितीय बैच के प्रगणक एवं सुपरवाइजरों को जनगणना के प्रथम चरण में 1मई से किये जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य भवन क्रमांकीकरण एवं मकान सूचीकरण एवं परिवार गणना की की

व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण डिजिटल माध्यम से करने हेतु आयोजन जनपद सभा कक्ष एवं नगर पंचायत सभा कक्ष में दिया गया। उन्हें नगर पंचायत क्षेत्र के आर ई एस कॉलोनी, विधायक कॉलोनी, भाटापारा,शिवचरण कॉलोनी, गायत्री मंदिर क्षेत्र में भेजा गया डमी प्रशिक्षण ऐप के माध्यम से जनगणना कर्मचारियों ने सभी 34 प्रश्नों के उत्तर कैसे प्राप्त करें किस तरह से जनगणना भवन, जनगणना मकान में व जनगणना परिवार में जाकर उनसे किस तरह से व्यवहार करें प्रशिक्षण के दौरान बताया गया सभी ग्रगणक एवं सुपरवाइजर दिए गए क्षेत्र में जाकर ऐप से जानकारी फीड किये।

शासन-प्रशासन की पहुंच एक सीमित क्षेत्र तक कोयलीबेड़ा-अंतागढ़ क्षेत्र आज भी पहुंच से दूर

अंतागढ़/नवप्रदेश। जहां एक तरफ लगातार प्रदेश के मंत्री का लगातार दौरे वही दूसरी ओर अंतागढ़ कोयलीबेडा क्षेत्र की एक भी मंत्री का दौरा न होने इस समय जन चर्चा का विषय बना है बात की जाय तो दो विधानसभा की ही है जहां एक ओर विपक्ष की विधायक और दूसरे ओर सत्ता पक्ष के विधायक , लेकिन विकास की गंगा विपरीत बह रही है विपक्ष में बैठे होने के बावजूद क्षेत्र में सौगातों की बौछार हो रही। यह अच्छी बात है कि सरकार कोई भेदभाव नहीं कर रही है ये होना भी चाहिए पर शासन प्रशासन एक ही क्षेत्र पर इतना भी मेहरबान न हो कि दूसरे को तुलना करने पर मजबूर हो जाए ,क्योंकि दूसरी ओर भौगोलिक दृष्टि से कई हिस्सों में बाटा क्षेत्र जो कई वर्षों तक नक्सल दंश झेल चुकी अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र जहां प्रदेश के मंत्री पहुंच नहीं पा रहे है और अपना दौरा एक सीमित क्षेत्र तक ही कर रहे है और जिससे क्षेत्र वासियों ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैबिनेट मंत्रियों का दौरा और प्रशासन की प्राथमिकता सबसे ऊपर

संतराम सलाम अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष का कहना है कि प्रदेश के मंत्री का दौरा जिले के कुछ ही क्षेत्र तक सीमित है वो भी बार बार।वहीं एक ही क्षेत्र में अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र तक अभी तक नहीं पहुंच पाए है।जिससे

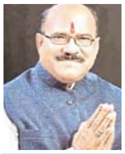

पक्षपात के आरोपों से गरमाई जिले की सियासत

इस पर पूर्व जनपद अध्यक्ष बद्री गावड़े का कहना है उत्तर बस्तर के कांकेर जिले में इन दिनों दो विधानसभा क्षेत्रों के बीच विकास की खाई चर्चा का केंद्र बनी हुई है। एक ओर जहां भानुप्रतापपुर विधानसभा में विपक्ष मे रहते हुए कांग्रेस विधायक सावित्री मंडावी के नेतृत्व में प्रशासन 'युद्ध स्तर' पर निर्माण कार्यों में जुटा है, वहीं दूसरी ओर विधानसभा अंतागढ़ में भाजपा की जीत के बावजूद जनता खुद को विकास के नाम पे ठगा हुआ महसूस कर रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि प्रशासन का पूरा ध्यान केवल भानुप्रतापपुर क्षेत्र पर केंद्रित है, जिससे अंतागढ़ क्षेत्र विकास की दौड़ में पिछड़ता जा रहा है , आखिर क्या वजह है कि शासन प्रशासन हमारे क्षेत्र से दूरी बना रहे है ।

इसकी इस क्षेत्र के प्रति उनकी संवेदनशीलता नजर नहीं आ रहा है।

अंतागढ़ में आक्रोश, भेदभाव नहीं चलेगा : माधेश्वर जैन

पिछड़ा वर्ग के जिला ,,, माधेश्वर जैन का कहना है कि शासन प्रशासन को किसी भी विधान सभा को लेकर भेदभाव नहीं करना चाहिए जिले के एक विधान सभा कई विकास की सौगात दे रही वही इसके विपरीत अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। लोगो को अपने मूलभूत मांगों आंदोलनों का रुख करना पड़ता है वही अन्य क्षेत्र को लोगो को बिना मांगे है मिल रहा है क्षेत्र लोगों ने कहना है कि भाजपा सांसद और विधायक की जीत के बाद भी क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल नहीं हुई है।?÷अंतागढ़ की विकास बस सीसी सड़क पुल पुलिया भवन तक ही सीमित रह गई है । क्या हमारे जनप्रतिनिधि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं हैं, जबकि सरकारी मशीनरी का पूरा जोर केवल पड़ोसी विधानसभा को सजाने में लगा है।

शिक्षा और खेल का हब अंतागढ़ में क्यों नहीं

कोयलीबेडा क्षेत्र के युवा नेता विनोद उसेंडी जनपद सदस्य कहना है कि हमारा अंतागढ़ विधान सभा क्षेत्र शिक्षा खेल के क्षेत्र में अत्यन्त पिछड़ा हुआ है जिसे देखते हू शिक्षा और खेल के क्षेत्र में पहली प्राथमिकता पिछड़ा क्षेत्र को ही मिलना चाहिए लेकिन पड़ोसी विधायक के प्रयास और जिला प्रशासन की सक्रियता के चलते भानुप्रतापपुर की तस्वीर बदलती दिख रही है। वर्तमान में वहां कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर काम चल रहा है:

मुल्ला कैंप स्पोर्ट्स एकेडमी: युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए अत्याधुनिक स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा है।

मावा मोदेल कोचिंग सेंटर: यहाँ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्थानीय युवाओं को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है किन्तु अंतागढ़ कोयलीबेडा मे ऐसा कोई बड़ा उपलब्धि देखने को नहीं मिल रहा है यहां के लोगों को अब भी इन सुविधाओं के दूसरे क्षेत्र पर निर्भर है

सत्ता और सियासत के बीच पिसती जनता

आमाबेड़ा क्षेत्र के व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेंद्र नेगी का कहना कि भानुप्रतापपुर क्षेत्र और अंतागढ़ क्षेत्र के बीच विकास का यह असंतुलन आने वाले समय में जिले की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन सकता है। एक तरफ 'विकास का मॉडल' पेश किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ 'उपेक्षा' की आग सुलग रही है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इन आरोपों पर क्या सफाई देता है और अंतागढ़ की जनता को उनका हक कब मिलता है। या शासन प्रशासनिक की क्षेत्र के प्रति उदासीनता निरंतर जारी रहता है।

केशकाल पुलिस की कार्यवाही, दो अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, 115 किलो माल जब्त

- आरोपियों से 115 किलो गांजा जब्त
- अंर्न्तराज्यीय अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्कर पर केशकाल पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कोंडागांव /नवप्रदेश। कोंडागांव पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमल (भा0पु0से0) के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कपिल चंद्रा एंव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल श्री अरूण कुमार नेताम के पर्यवेक्षण में अवैध गांजा, शराब तस्करी बिक्री व असामाजिक तत्व और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वाले के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा था अभियान कार्यवाही के दौरान दिनांक 20.04.2026 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ की एक मटमैला(ग्रे)रंग का महिंद्रा ङ्कङ्क 500 कार क्रमांक ऋछ्व 14 स्न 2337 में कुछ लोग अवैध मादक पदार्थ गांजा छिपा कर उड़िसा से रायपुर की ओर जगदलपुर केशकाल के रास्ते से जाने वाले है। कि सूचना पर थाना थाना केशकाल के सामने एमसीपी लगाकर सुचना मुताबिक कार का इंतज़ार किया जा रहा था कुछ समय बाद उक्त कार के आने से रोकने का प्रयास किया गया जो नहीं रुकने से थाना के पेट्रोलिंग वाहन को सामने अड़ा कर व बेरीकेटिंग कर रोका गया उक्त कार में 2 व्यक्ति सवार थे जिसे नाम पता पूछने से अपना अपना नाम सूरज सिंह राठौड़ निवासी केरिया थाना मांडल जिला भीलवाड़ा हाल चपडासी कॉलोनी भीलवाड़ा थाना सुभाषनगर जिला भीलवाड़ा राजस्थान व दूसरा का नाम पंकज पूरी गोस्वामी निवासी हरणी कला थाना सिटी कोतवाली भीलवाड़ा हाल त्रिवेणी मंडी थाना वीगोद जिला भीलवाड़ा राजस्थान का होना बताये जिसे मुखबीर सुचना से अवगत कराते हुए कार की तलाशी लेने पर कार के डिक्की के अंदर 53 पैकेट भूरे रंग के सेलो टेप से पैक किया हुआ मादक पदार्थ जैसा गांजा का कुल जुमला वजन 115.214 किलोग्राम किमती 11,52,140 (ग्यारह लाख बावन हज़ार एक सौ चालीस)रूपये व महिंद्रा ङ्कङ्क कार क्रमांक ऋछ्व 14 स्न 2337 कीमती 18,00,000 (अठारह लाख रूपये)को बरामद कर आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

26 अप्रैल को मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा

कांकेर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन 26 अप्रैल को किया जाएगा। यह परीक्षा राज्य के 16 जिलों में आयोजित होगी, जिसमें लगभग 02 लाख 47 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। कांकेर जिले में 55 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 11811 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा परीक्षार्थियों के लिए जारी दिशा-निर्देशानुसार उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन करने की सलाह दी गई है, ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 02 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके।

आधी बांह की शर्ट ही पहन सकेंगे परीक्षार्थी

व्यापमं द्वारा जारी निर्देशानुसार परीक्षार्थियों से कहा गया है कि वे हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा।

घर में घुसकर मारपीट तोड़फोड़ करने वाले 5 आरोपी भेजे गए जेल

कांकेर/नवप्रदेश। थाना कोयलीबेड़ा पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट धमकी एवं घर में घुसकर तोड़फोड़ करने वाले 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष कुमार बंछोर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शुभम तिवारी के मार्गदर्शन में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।इसी क्रम में थाना कोयलीबेड़ा क्षेत्र की प्रार्थिया राजेश्वरी कोमरा पति नोहरू राम कोमरा निवासी बड़गांव (बदरंगी) द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी गई कि 13 अप्रैल 2026 को शाम करीब 04:00 बजे गांव के प्रभु राम आंचला, ललित आंचला, सुनील हिडको, दासू सलाम एवं अन्य साथियों द्वारा एक राय होकर उसके घर पहुंचकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई।आरोपियों द्वारा घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश

कर प्रार्थिया के पति नोहरू राम कोमरा के साथ लाठी-डंडे से मारपीट की गई।घर में रखे सामान एवं खपराछानी को नुकसान पहुंचाया गया। घटना से6 भयभीत होकर अपनी जान बचाकर रिश्तेदार के गांव पहुंचे तथा बाद में थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई सूचना पर कार्यवाही करते हुए निरीक्षक निर्मल जांगड़े थाना प्रभारी कोयलीबेड़ा के नेतृत्व में आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिन्होंने अपराध करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडा जप्त किया गया।अपराध पंजीबद्ध क्रमांक दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (ब्न्हस्) की धारा 296, 190, 191(2), 191(3), 115(2), 324(2), 351(2), 333 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी में ललित आंचला, उम्र 32 वर्ष प्रभु राम आंचला, उम्र 46 वर्ष देवनाथ कोमरा, उम्र 25 वर्ष सुनील हिड़को उम्र 24 वर्ष दासू सलाम उम्र 29 वर्ष

सभी निवासी बड़गांवपारा वदरंगी, थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर उक्त सभी आरोपियों माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायालय द्वारा जेल वारंट जारी किया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर कांग्रेस ने उजागर किया अपना महिला विरोधी चेहरा: सोनी बाई नाहर

चारामा/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ महिला कार्यकर्ता श्रीमती सोनी बाई नाहर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम के रूप में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल) का विरोध कर कांग्रेस ने एक बार फिर अपना महिला विरोधी चरित्र उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं लंबे समय से 33त्न आरक्षण की प्रतीक्षा कर रही थीं, जिसे पूरा करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने यह महत्वपूर्ण विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया।

श्रीमती नाहर ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीति में समान भागीदारी देने का मार्ग प्रशस्त करता है, जिससे लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होती। इसके माध्यम से महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सशक्त स्थान मिलता, जिससे देश के विकास में उनकी भूमिका और अधिक प्रभावी बनती।

उन्होंने आगे कहा कि इस बिल के लागू होने से– महिलाओं को राजनीति में 33त्न आरक्षण मिलता, नेतृत्व क्षमता का विकास होता, समाज में महिलाओं की भागीदारी और सम्मान बढ़ता, महिला सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर बेहतर नीतियां बनती, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाओं को समान अवसर मिलता।

श्रीमती सोनी बाई नाहर ने कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने महिलाओं को उनका हक देने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया। अब जब मोदी सरकार ने इस दिशा में ठोस पहल की, तब कांग्रेस ने इसका विरोध कर अपनी नीयत साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी।

महिला आरक्षण कब लागू होगा मोदी सरकार स्पष्ट करें : अजय

कांकेर/नवप्रदेश। विपक्षी दलों के पूर्ण समर्थन से देश में सन 2023 को ही महिला आरक्षण बिल को पारित किया गया था।लेकिन देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण कब से लागू होगा ,केंद्र सरकार पहले देश के सामने यह स्पष्ट करें।

मोदी सरकार पर उक्त सवाल दागते हुए आज जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अजय भाषवानी ने कहा कि संसद के विशेष सत्र में सन 2023 के महिला आरक्षण में संशोधन के लिए परिसीमन और जनगणना को जोड़ कर भाजपा अपनी राजनैतिक स्वार्थ को पूरा करना चाहती थी जिसे पूरे विपक्ष ने ध्वस्त कर दिया ।

कांग्रेस नेता ने बताया कि संसद के वर्तमान 545 सीटों को बढ़ाकर परिसीमन में 850 सीट करने के बाद वे महिला आरक्षण को लागू करना चाहते थे।क्योंकि वे 2011 की जनगणना को आधार बनाकर

इसीलिए परिसीमन करना चाहते थे क्योंकि उत्तर भारत जहां पर भाजपा अधिक मजबूत है वहां पर सीटों की संख्या अधिक हो जाती और दक्षिण,पूर्वी,उत्तर पूर्वी,उत्तर पश्चिम भारत के छोटे राज्यों में सीटों की संख्या तुलनात्मक रूप से कम हो जाती।

उन्होंने मोदी सरकार पर अपनी राजनैतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए महिलाओं का उपयोग करने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अगर परिसीमन में उत्तर भारत में सीट बढ़ जाती तो फिर भाजपा इन राज्यों से सीटे जीतकर सत्ता पर काबिज हो जाती। विपक्षी पार्टियों ने भाजपा की इस नापाक मंसूबे को परास्त किया है।

श्री अजय ने मोदी के देश के नाम संदेश की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि देश के दो राज्यों में विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है और जिस तरह वे अपने संदेश में विपक्षी पार्टियों के नाम लेकर आलोचना किया है उससे लोकतंत्र कमजोर होने के साथ चुनाव आयोग जैसे संस्था को भी कमजोर किया है।

भाजपा के राज में महिला कितना असुरक्षित है यह सरकारी आंकड़े से ही पता चल जाता है।

भाषवानी ने कहा नारी सशक्तिकरण की बात मोदी सरकार के मुंह में अच्छी नहीं लगती देश को जलता हुआ मणिपुर हाथरस अंकिता भंडारी उन्नाव केश और बृजभूषण सरण सींग के खिलाफ प्रदर्शन करती फोगाट बहनो के साथ किए गए दुर्व्यव्हार को देश आज भी नहीं भुला है।

आरटीई एडमिशन पर हाईकोर्ट ने पूछा- अगस्त बीत जाएगा तो बच्चे पढ़ेंगे कब, राज्य शासन पेश करे एक्शन प्लान

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों के एडमिशन में हो रही देरी पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने कहा कि अगर एडमिशन जुलाई-अगस्त तक चलते रहेंगे, तो बच्चे पढ़ाई कब शुरू करेंगे।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि 7 मई से पहले सभी एडमिशन पूरे किए जाएं। साथ ही इस काम के लिए एक साफ और पूरी कार्ययोजना भी पेश करने को कहा है। दरअसल प्रदेश में नया शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया है, लेकिन आरटीई के तहत गरीब बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया धीमी चल रही है। बता दें कि प्रदेश भर के स्कूलों में आरटीई के तहत 38 हजार 438 आवेदन मिले हैं, जिसमें से 23 हजार 766 यानी 62% की ही जांच पूरी हुई है। वहीं 14 हजार से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं। कई जिलों में 10% से भी कम जांच हो पाई है। डीपीआई ने पंजीयन और नोडल वेरीफिकेशन के लिए 16 फरवरी से 31 मार्च तक समय तय किया था, लेकिन डेडलाइन के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है। एडमिशन प्रक्रिया के अनुसार आरटीई के तहत छात्र पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च रखी गई थी। काउसलिंग प्रक्रिया में 13 से 17 अप्रैल तक लाटरी और सीट आवंटन किया गया। इसके बाद छात्रों को एक से 30 मई तक प्रवेश लेना होगा। दूसरे चरण की प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो जाएगी। इसमें नए स्कूलों का रजिस्ट्रेशन होगा। उसके बाद 1 से 11 जुलाई तक छात्र पंजीयन होंगे, फिर 27 से 31 जुलाई तक लाटरी और आवंटन होगा। इसके बाद छात्रों को स्कूल में दाखिला तीन से 17 अगस्त तक लेना होगा।

शिक्षा विभाग की व्यवस्था पर हाईकोर्ट नाराज

इस मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बताया कि पहले चरण की लाटरी निकाल ली गई है। इसमें 15 हजार छात्रों को सीटें आवंटित हुई हैं। इन्हें 1 से 30 मई तक एडमिशन लेना होगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी होगी। हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग की इस प्रक्रिया और धीमी गति पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि अगस्त तक सिर्फ एडमिशन होगा तो बच्चे पढ़ाई कब करेंगे। कोर्ट ने शिक्षा विभाग से सात मई से पहले पूरी प्रक्रिया और एडमिशन जल्द हो इसकी कार्ययोजना पेश करने कहा है।

8 कर्मचारियों की बर्खास्तगी रद्द

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को एक बड़ा झटका देते हुए साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल के 8 कर्मचारियों की बर्खास्तगी को सिरे से खारिज कर दिया है। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने साफ कहा कि किसी भी कर्मचारी को बिना सुनवाई और उचित जांच के नौकरी से निकालना न केवल गैर-कानूनी है, बल्कि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की अनदेखी भी है। दरअसल, यह पूरा विवाद साल 2012 से शुरू हुआ था। भोजेश्वर चंद्राकर, भूपेश कुमार निषाद और अशोक गायकवाड़ समेत 8 लोगों की नियुक्ति कलेक्टर दर पर भृत्य के पद पर हुई थी। दो साल का प्रोबेशन खत्म होने के बाद जब इन्होंने नियमितीकरण की मांग की, तो अफसरों ने राहत देने के बजाय उनके वेतन में ही कटौती कर दी। मामला जब हाईकोर्ट पहुंचा, तो कोर्ट ने वेतन कटौती को गलत बताते हुए अफसरों को नियमितीकरण पर विचार करने को कहा था। हैरानी की बात यह है कि कोर्ट के आदेश के बाद अफसरों ने प्रक्रिया सुधारने के बजाय, नियुक्ति में ही खामियां निकाल दीं और साल 2020 में इन सभी को नौकरी से बाहर कर दिया। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अब कड़े शब्दों में कहा कि अधिकारी यह साबित करने में नाकाम रहे कि कर्मचारियों ने धोखाधड़ी से नौकरी पाई थी। नियमित होने के बाद कर्मचारियों को संविधान के अनुच्छेद 311 (2) के तहत सुरक्षा मिलती है, जिसे नजरअंदाज किया गया।

न्यूज गैलरी

निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक कल

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिले की समस्त निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक 23 अप्रैल को शाम 5:30 बजे मंथन सभा कक्ष में आयोजित की गई है। जारी आदेश के अनुसार बैठक में नगर निगम, जिला पंचायत, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सिंचाई विभाग, सीजीएमएससी, एनटीपीसी सीपत सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग के सब इंजीनियरों सहित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जा सके।

केवीके में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। कृषि विज्ञान केंद्र, बिलासपुर में पारंपरिक लोकपर्व अक्ति तिहार के साथ-साथ उर्वरकों की वैकल्पिक व्यवस्था पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उत्साह, श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि परंपराओं, ग्रामीण संस्कृति एवं किसानों की समृद्धि तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली से जुड़े विविध आयोजन संपन्न हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष, माधव सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि कालेज के डीन डॉ. एनके. चौरे, अधिष्ठाता द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. संजय वर्मा, बिलासपुर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि माधव सिंह ने कहा पारंपरिक खेती एवं गौ आधारित खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि परंपराएं प्रकृति के अनुकूल हैं तथा गौ आधारित खेती से भूमि की उर्वरता, उत्पादन गुणवत्ता एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलती है।कालेज के डीन डॉ. एनके चौरे ने अक्ति तिहार की शुभकामनाएं देते हुए किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सुशासन तिहार की तैयारियों में तेजी, कलेक्टर ने समयसीमा की ली बैठक

अधिकारी शिविर से पहले ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लें: कलेक्टर

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में 1 मई से 10 जून तक आयोजित होने वाले सुशासन तिहार की तैयारियों को लेकर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने समय सीमा की बैठक लेकर व्यापक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लगभग 40 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जन समस्या निवारण शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बैठक में बताया कि सुशासन तिहार के तहत जिलेभर में जनसमस्याओं के निराकरण के लिए शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 31 शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिविरों के पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने और समस्याओं की अग्रिम पहचान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पिछले वर्ष के लंबित प्रकरणों की पुन: समीक्षा करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक योजना में संतृप्ति स्तर प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाए। राजस्व विभाग के अंतर्गत लंबित सीमांकन प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए उन्होंने अपर कलेक्टरों को स्वयं तहसील स्तर पर जाकर एक-एक मामले की समीक्षा करने को कहा।

जल प्रबंधन पर विशेष फोकस

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जल प्रबंधन पर विशेष फोकस करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यह उपयुक्त समय है, जब लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए। सभी नगरीय निकायों में पेयजल की नियमित जांच कराने, तालाबों के गहरीकरण को जनसहयोग से कराने तथा जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने बरगद, पीपल, नीम और करंज जैसे जल संरक्षण में सहायक पौधों के रोपण को प्राथमिकता देने और इसे जनआंदोलन का रूप देने की बात कही। बैठक में कलेक्टर ने जनगणना कार्य की समीक्षा करते हुए नागरिकों से अधिकाधिक स्व-गणना करने की अपील की। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया बेहद सरल है और लगभग 5 मिनट में पूर्ण की जा सकती है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज कलेक्टर संजय अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों ने कलेक्टर से मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत छतौना के सरपंच एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर को सामूहिक आवेदन देते हुए बताया कि गांव के ही गंगा राम गोड़ द्वारा मुक्तिधाम की भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। मस्तुरी के ग्राम पंचायत खोरसी की वृद्ध महिला जहाज बाई ने शौचालय निर्माण के लिए कलेक्टर से सहायता राशि की मांग की। वृद्धा ने बताया कि घर में शौचालय की सुविधा नहीं होने से उन्हें मजबूरन घर से बाहर जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से सशक्त न हो पाने के कारण स्वयं से शौचालय निर्माण करवाने में असमर्थ है। जनदर्शन में ग्राम करमा की त्रिवेणी साहू ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का लाभ दिलाने की बात कही। उन्होंने बताया कि उनके पास खेती के लिए स्वयं की कोई भूमि नहीं है। मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहे है। जनदर्शन में ऐसे ही दर्जनों अन्य आवेदन भी मिले। बिल्हा ब्लॉक के ग्राम केसला के उत्तम रात्रे ने बोर पंप के खराब विद्युत केबल को बदलकर नया केबल लगवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वे खेती किसानी के कार्य करते है।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज 21 अप्रैल को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 7 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक-I/ चाँपा, भानूप्रताप सिंह ने 7 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान एक माल गाड़ी से सिग्नल एक्सचेंज के दौरान पाया कि गाड़ी में इंजन से 11वें वैगन से असामान्य आवाज आ रही है । इन्होने तुरंत स्टेशन मास्टर, चाँपा को सूचित किया जिसके उपरांत निरीक्षण करने पर उक्त वैगन में 'फ्लैट टायर' पाया गया । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ठीक किया गया । इस प्रकार भानूप्रताप सिंह की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक बी. जगदीश राव ने 14 मार्च, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान माल गाड़ी के वैगन से असामान्य आवाज आ रही है । इन्होने तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया जिसके उपरांत निरीक्षण करने पर उक्त वैगन में 'फ्लैट टायर' पाया गया, जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार बी. जगदीश राव की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बलासपुर रेल मण्डल के वरिष्ठ सहायक लोको पायलट/ कोरबा पवन कुमार कर्ष ने 23 मार्च को अपने ड्यूटी के दौरान माल गाड़ी में कार्य के दौरान एक दूसरी माल गाड़ी के साथ सिग्नल आदान-प्रदान करते समय देखा कि गाड़ी में इंजन से 15वें वैगन में 'हॉट एक्सल' है जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया।

डाक विभाग ने रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क का किया शुभारंभ

ग्रामीणों को मिलेगा डाक सेवा का अधिक लाभ

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारतीय डाक विभाग, बिलासपुर ने रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (आरटीएन) सेवा के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 18 अप्रैल से जिले के चार नए क्षेत्रों में आरटीएन सेवा का शुभारंभ किया गया, जिससे डाक संचार और अधिक सुदृढ़ एवं तेज हो सकेगा। बिलासपुर आरएमएस (रेल डाक सेवा) से लोरमी, जैजैपुर, मरवाही और भैसमा उप डाकघर तक आरटीएन सेवा प्रारंभ की गई है। इससे इन क्षेत्रों में डाक के त्वरित आदान-प्रदान, ट्रैकिंग और डिलीवरी में तेजी आएगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

बिलासपुर आरएमएस से लोरमी उप डाकघर तक के लिए रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में बिलासपुर आरएस, चकरभाठा, बिल्हा, पथरिया, तखपुर और मुंगेली जोड़ा गया है। वहीं, जैजैपुर उप डाकघर के लिए मस्तुरी, जयरामनगर, गोपालनगर, नरियरा, पामगढ़, खरोद, शिवरीनारायण, बिर्रा, बम्हनी बाजार, जैजैपुर शामिल हैं। मरवाही उप डाकघर के लिए सकरी, गनियारी, करगी रोड, बेलगहना, पेंड्रा रोड, पेंड्रा और मरवाही को शामिल किया गया है। भैसमा उप डाकघर के लिए कोनी, रतनपुर, पाली, कटघोरा, पोड़ी उपरोड़ा, जमनीपाली, बालको नगर, कोरबा एचओ और भेसमा को रोड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में जोड़ा गया है। इसी प्रकार चंद्रपुर एवं डब्ल्यूसीएल गेवरा मार्ग के लिए भी आरटीएन सेवा शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। डाक विभाग ने इस विस्तार से क्षेत्रीय स्तर पर डाक सेवाओं की निगरानी, पार्सल और स्पीड पोस्ट की डिलीवरी, स्थानीय व्यापार और ई-कॉमर्स को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी डाक सेवाओं का अधिकतम लाभ मिलेगा। विभाग ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे इस सेवा का अधिकतम लाभ उठाएं और डाक विभाग को बेहतर, सुरक्षित एवं सशक्त बनाने में सहयोग करें।

सिम्स में अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम का प्रदर्शन हाईड्रेंट व स्प्रिंकलर व्यवस्था से सुरक्षा को नई संजीवनी

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) चिकित्सालय में मरीजों, परिजनों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अत्याधुनिक हाईड्रेंट एवं स्प्रिंकलर फायर सेफ्टी सिस्टम का प्रभावशाली डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किया गया। यह उन्नत व्यवस्था छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (छ्तस्स्ष्ट) के माध्यम से स्थापित की गई है, जो आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी अग्निशमन सुनिश्चित करती है।

इस आधुनिक प्रणाली के तहत अस्पताल परिसर में सुदृढ़ जल भंडारण व्यवस्था विकसित की गई है। भू-तल पर निर्मित विशाल टंकी में लगभग 2 लाख लीटर पानी संग्रहित है, जबकि छत पर स्थापित टंकी की क्षमता 1 लाख 70 हजार लीटर है। इन दोनों टंकियों से जुड़े हाईड्रेंट नेटवर्क के माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर पानी को लगभग 150 फीट की ऊंचाई एवं दूरी तक प्रभावी दबाव के साथ पहुंचाया जा सकता है, जिससे बड़े क्षेत्र में तेजी से आग पर नियंत्रण संभव हो पाता है। वहीं, अस्पताल में स्थापित ऑटोमेटिक स्प्रिंकलर सिस्टम की विशेषता यह है कि आसपास का तापमान निर्धारित सीमा से अधिक होते ही यह स्वत: सक्रिय हो जाता है और प्रभावित क्षेत्र में पानी का तीव्र छिड़काव शुरू कर देता है। इससे आग फैलने से पहले ही उसे नियंत्रित करने में मदद मिलती है और संभावित बड़े हादसों की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है। डेमोंस्ट्रेशन के दौरान विशेषज्ञों ने सिस्टम की कार्यप्रणाली का लाइव प्रदर्शन करते हुए कर्मचारियों को आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने के व्यावहारिक तरीके सिखाए। प्रशिक्षण में प्रारंभिक अग्निशमन, उपकरणों के सुरक्षित उपयोग तथा आपदा के समय समन्वित कार्यप्रणाली पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं पदेन मुख्य महाप्रबंधक, कांकेर वृत्त, कांकेर (छ.ग.)

अधिसूचना क्रमांक/ल.व.स./ते.प./परिवहन/2026/II कांकेर, दिनांक/20/04/2026

निविदा आमंत्रण निरस्त करने की सूचना

तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता बोरों का मुख्य गोदाम तक परिवहन हेतु अधिसूचना क्रमांक/ल.व.स./ते.प./परिवहन/2026/I कांकेर, दिनांक 13/04/2026 आमंत्रित निविदा/नीलाम एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

मुख्य वन संरक्षक एवं पदेन मुख्य महाप्रबंधक
कांकेर वृत्त कांकेर

संवाद- 47577/2

इतवारी-शालीमार के मध्य एक फेरा के लिए 'समर स्पेशल' गाड़ी संख्या में आंशिक संसोधन

बिलासपुर/नवप्रदेश। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए और उनकी सुविधा के लिए, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा नागपुर मंडल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी - शालीमार - नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी के मध्य एक फेरा के लिए 'समर स्पेशल' गाड़ी चलाने का निर्णय लिया है।

पूर्व में संचालित गाड़ी संख्या 08865/08866 को अब बदलकर 08861/08862 कर दिया गया है। इसके तहत गाड़ी संख्या 08861 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-शालीमार) 27 अप्रैल 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से प्रस्थान करेगी, जबकि गाड़ी संख्या 08862 (शालीमार- नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी) दिनांक - 28 अप्रैल 2026 को शालीमार से रवाना होगी।

गाड़ी संख्या 08861 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से शालीमार) 27 अप्रैल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन से 17:10 बजे रवाना होकर गोंदिया आगमन 19:00 बजे प्रस्थान 19:10 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 20:08 बजे प्रस्थान 20:10 बजे, राजनांदगांव आगमन 20:35 बजे प्रस्थान 20:37 बजे, दुर्ग आगमन 21:40 बजे प्रस्थान 21:45 बजे, रायपुर आगमन 22:25 बजे प्रस्थान 22:30 बजे, भाटापारा आगमन 23:20 बजे प्रस्थान 23:22 बजे, बिलासपुर आगमन 00:35 बजे प्रस्थान 00:45 बजे, चांपा आगमन 01:35 बजे प्रस्थान 01:37 बजे, रायगढ़ आगमन 02:32 बजे प्रस्थान 02:34 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 04:05 बजे प्रस्थान 04:10 बजे, राउरकेला आगमन 05:40 बजे प्रस्थान 05:50 बजे, चक्रधरपुर आगमन 07:38 बजे प्रस्थान 07:40 बजे, टाटानगर जंक्शन आगमन 09:00 बजे प्रस्थान 09:10 बजे, खड्गपुर आगमन 11:15 बजे प्रस्थान करेगी।

कार्यालय, मोटर कर्मशाला
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
टिकरापारा थाना के पास, टिकरापारा रायपुर

क्र. 20 / मो. कर्म./न.पा.नि./2026 रायपुर, दिनांक 21/04/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायपुर के 44 नग विभन्न प्रकार के वाहनों का बीमा कराया जाना है। इच्छुक फर्म दिनांक 30/04/2026 तक राशि 750/- रूपये जमा कर कार्यालयीन समय पर निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते है तथा दिनांक 7/05/2026 को 3:00 बजे तक कार्यपालन अभियंता, मोटर कर्मशाला टिकरापारा, नगर पालिक निगम, रायपुर को निविदा दरें पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेज सकते है। निविदा इसी दिवस 4:00 बजे अपरान्ह पश्चात् खोला जायेगा। अन्य जानकारी कार्यालयीन समय पर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
(मोटर कर्मशाला)
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
(आदिवासी विकास शाखा)
Phone No. 07856-252441, Fax No. 07856-252441, Email: actd.dantewada@nic.in

क्रमांक/129/आ.वि./निर्माण/डी.एम.एफ./2025-26 दन्तेवाड़ा, दिनांक 10/04/2026,

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
(द्वितीय ई-निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कार्यालय कलेक्टर, (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला दंतेवाड़ा के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए : "B"- श्रेणी एवं इससे ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है -

1. ई-निविदा प्रारंभ तिथि - **13.04.2026 /11.00 बजे से**
2. ऑनलाईन निविदा जमा करनें की अंतिम तिथि/समय - **30.04.2026 / सायं 5.30 बजे तक**
3. निविदा प्रपत्र की चालान एवं अमानत राशि (एफ.डी.आर.) स्पीड पोस्ट द्वारा प्रस्तुत करनें हेतु अंतिम तिथि/समय - **08.05.2026 / सायं 5.30 बजे तक**
4. निविदा खोलने की तिथि/समय - **11.05.2026 /11.00 बजे से**

स. क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम / स्थान का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	अमानत राशि (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित)
1	188783	100 सीटर बालक आश्रम मदाड़ी का भवन निर्माण कार्य	212.00	3000/-	1,06,000/-	18 माह
2	188785	100 सीटर कन्या आश्रम बारसूर का भवन निर्माण कार्य	212.00	3000/-	1,06,000/-	18 माह
3	188786	100 सीटर बालक आश्रम दुधीरास का भवन निर्माण कार्य	212.24	3000/-	1,06,200/-	18 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट- https://eproc.egstate.gov.in पर में देखे जा सकते है।

सहायक आयुक्त,
आदिवासी विकास, दंतेवाड़ा

जी - 262700287/5

निजी स्कूल संचालकों और शासन के बीच गतिरोध, फिर भी प्राइवेट स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश शुरू

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में निःशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम को लेकर निजी स्कूल संचालकों और शासन के बीच गतिरोध गहराता जा रहा है। वहीं जिले में इसका असर देखने को नही मिल रहा है, निजी स्कूलों के संचालक प्रदेश स्तर पर हो रहे विरोध का समर्थन तो कर रहे है पर अपने स्कूलों मे गरीब बच्चों को आरटीई के तहत् भर्ती कर रहे हैं।

निःशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम को लेकर निजी स्कूल संचालकों और शासन के बीच में प्रतिपूर्ति राशि में बढ़ोतरी की मांग को लेकर चल रहे असहयोग आंदोलन के बीच निजी स्कूलों ने कड़ा रुख अख्तियार किया था। जिले सहित प्रदेश भर के निजी स्कूल संचालकों ने निर्णय लिया था, कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आगामी शिक्षा सत्र में आरटीई के तहत् बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। किन्तु जिले में इसका असर देखनें को नही मिल रहा है अधिकांश स्कूलों में आरटीई के तहत् आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों कीभर्ती कि जा रही है। जिले में कुल 226 निजी स्कूलों के लिए 975 सीट स्वीकृत किए गए है इन सीटों के लिए अब तक 1399 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें से 289 अपूर्ण पाए गए है, वेसे ही 5 आवेदन मिलते-जुलते है और 46 आवेदनो का रद्द किया गया है। 1059 आवेदन स्वीकृत किए गए है। आरटीई के तहत् निजी स्कूल प्रबंधकों का कहना है कि शासन द्वारा प्रवेशित बच्चों के बदले दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि पिछले कई वर्षों से

यथावत है, जबकि महंगाई और स्कूल संचालन के खर्चों में भारी बढ़ोतरी हुई है। संचालकों के अनुसार वर्तमान में मिल रही राशि स्कूलों के बुनियादी खर्चों को पूरा करने में भी असमर्थ है। बार-बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद शासन की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। लंबे समय से लंबित भुगतान के कारण स्कूलों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है। गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए शासन जिम्मेदार है, स्कूल संचालकों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि इस निर्णय से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी। उनका तर्क है कि निजी स्कूल समाज सेवा के साथ-साथ एक संस्था चला रहे हैं, जिसे घाटे में रहकर संचालित करना अब उनके बस से बाहर हो गया है। हम लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन शासन की अनदेखी ने हमें यह कठोर कदम उठाने पर मजबूर किया है। जब तक प्रतिपूर्ति राशि में सम्मानजनक वृद्धि नहीं होती, प्रवेश प्रक्रिया का बहिष्कार जारी रहेगा।

शो पीस बनकर रह गए जल जीवन मिशन योजना में बनी पानी की टंकी

मुंगेली/नवप्रदेश। घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र एवं राज्य सरकार की जल जीवन मिशन योजना के तहत निर्मित पानी टंकी सेतगंगा ग्राम पंचायत में शो पीस बनकर रह गया है। पानी की समस्या से त्रस्त ग्रामीण जिला मुख्यालय में पहुंचकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर शीघ्र ही पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग करेंगे।

ग्राम सेतगंगा में 2011 की जनगणना के अनुसार 379 परिवार है। ग्राम में जल स्तर 450-500 फीट नीचे चला गया है, जिसके कारण 2 डबरी, 1 तालाब, 2 कुंड, टेसुआ नदी, अपने अस्तित्व खोने के कगार पर हैं। 14 कुंआ लगभग अपनी अस्तित्व खो चुकी हैं। वर्ष 2019 में सरकार ने 77 लाख रूपए की राशि स्वीकृत कर इस योजना का शुरुआत बड़े दावे और उम्मीदों के साथ की थी। इसका उद्देश्य सन 2024 तक नगर के सभी 19 वार्डों में पाइप लाइन के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित जल उपलब्ध कराया जाये, ताकि लोंगो को दूषित पानी से मुक्ति मिल सके। लेकिन इन 5 वर्षो का लम्बा समय बीत जाने के बाद भी यह योजना धरातल पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है। करोडो रूपये खर्च होने के बाद भी एक भी घर में पाइप लाइन से स्वच्छ पानी सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है की आखिर यह राशि कहां और कैसे खर्च हुई। टेंडर प्रक्रिया और कार्य में अनियमितता। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए तत्कालीन सरकार द्वारा विधिवत टेंडर जारी किया गया था जिसमें रायपुर के पार्टी को कार्य सौंपा गया। योजना के तहत डी आई पाइपलाइन बिछा कर घर-घर तक स्वच्छ और शुद्ध पेयजल पहुंचाने की रूप रेखा

बनाई गई थी। इसके लिए तकनीकी ड्राइंग भी तैयार की गई थी ताकि जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन की सप्लाई नहीं थी वहां प्राथमिकता से पाइप लाइन बिछाई जा सके, लेकिन कार्य आदेश मिलने के बाद भी जिस गति और गुणवत्ता से काम होना था वह कहीं भी नजर नहीं आता। आरोप है कि कार्य अधूरा अव्यवस्थित और लापरवाही ढंग से किया गया है। जिससे योजना मूल अपने उद्देश्य तक पहुँच ही नहीं पायी है। नगर के 379-400 परिवार आज भी 2005 में निर्मित पुरानी पाइप लाइन पर निर्भर है। यह पाइप लाइन अब काफी जर्जर हो गया है। जगह-जगह से लीकेज हो रही है। इसके कारण न केवल जल की बर्बादी हो रही है पाइप में बाहरी नाली का गन्दा और दूषित पानी से कुछ माह पहले ग्रामीण जनो का हालत खराब हो गया था लोग इसी पानी को छान कर उबाल कर उपयोग कर रहे है। नाली की नियमित साफ-सफाई के आभाव में ऐसी स्थिति निर्मित हुई थी। शिकायत के बाद भी स्थानीय प्रतिनिधि, ढेकेदार और सम्बंधित अधिकारी ध्यान नहीं दें रहें है। उच्च स्तरीय जांच और सख्त कार्यवाही की मांग। नगर की जनता अब इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रही है। लोगों का कहना है कि स्वतंत्र जांच टीम गठन कर यह पता लगाए कि 77 लाख रूपये कहां खर्च हुई है किन किन लोगों की इसमें भूमिका रही है। जब कार्य गुणवत्ता युक्त नहीं हुआ है तो आखिर कार्य पूर्णता का एनओसी कौन प्रतिनिधि बिना पंचायत की मासिक बैठक आहूत किये बिना जारी किये। डॉ. रामजी शर्मा, नीरज केशरवानी, कमल लोचन टोंडर, निरंजन टोंडर, हरि शंकर गुप्ता, मुरारी गुप्ता, किशन गुप्ता, कन्हैया गुप्ता, दीपेंद्र घृतलहरे, संतोष चैहान, संतोष देवांगन, प्रमोद सोनी, सतीश देवागन, अभिषेक जायसवाल, रमाकांत सोनी, रामकुमार निषाद, देवेंद्र चैहान, राजू सोनी, भरत चैहान, प्रिंस जायसवाल ने मांग की हैं।

न्यूज गैलरी

किडनी पीड़ित मरीज का जिला अस्पताल में सफल उपचार

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला चिकित्सालय में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के ग्राम नांदल निवासी 52 वर्षीय संतोष कुमार साहू, जो किडनी रोग (सीकेडी) से पीड़ित थे और पिछले दो महीनों से चलने में असमर्थ थे, उन्हें जिला अस्पताल में सफल उपचार से राहत मिली। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक उपचार प्रारंभ किया और उनकी विस्तृत जांच के लिए सिर का सीटी स्कैन कराया गया। समय पर जांच और उपचार के चलते मरीज की स्थिति में सुधार आया, जिससे उन्हें नई उम्मीद मिली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि जिला अस्पताल में अब आयुष्मान भारत योजना के तहत भर्ती (आईपीडी) मरीजों के लिए सीटी स्कैन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। वहीं, बाह्य रोगी (ओपीडी) के रूप में आने वाले मरीजों के लिए भी निर्धारित शुल्क पर सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, आधुनिक जांच सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को समय पर सटीक उपचार मिल रहा है और उन्हें बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता भी कम हो रही है। डीपीएम गिरीश कुर्रे ने बताया कि जिला चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाएं और चिकित्सकों की तत्परता गंभीर मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है तथा आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुलभ हो रही हैं।

जिपं सामान्य सभा की बैठक आज

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 22 अप्रैल को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में पिछले सामान्य सभा की बैठक में लिए गए निर्णय एवं उसमें किए गए कार्यवाही का एजेंडावार पालन प्रतिवेदन, 15वें वित्त सहित प्रधानमंत्री आवास विषय तथा अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

अवैध खनन व परिवहन, तीन पोकलेन और तीन हाईवा जब्त

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में अवैध उत्खनन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे और अब आखिरकार प्रशासन हरकत में आया है। राजस्व एवं माइनिंग विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम अमरटापू क्षेत्र में दबिश देकर अवैध खनन में लगे एक पोकलेन मशीन और तीन हाइवा वाहनों को जब्त किया है। गौरतलब है कि जिले में खनिज विभाग की उदासीनता को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही थीं। रेत, गिट्टी और मिट्टी के अवैध उत्खनन के साथ-साथ अब नदी के बीचों-बीच भारी मशीनों से खनन किए जाने के मामले भी उजागर हो रहे थे। स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी लग रहे थे कि विभागीय निष्क्रियता और कथित मिलीभगत के चलते कार्रवाई प्रभावी नहीं हो पा रही थी। इसी बीच प्रशासनिक स्तर पर बढ़ते दबाव और शिकायतों के बाद कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध उत्खनन कार्य को तत्काल बंद कराया और संबंधित मशीनरी को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित राजस्व और माइनिंग विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जब्त किए गए वाहनों के संचालकों के खिलाफ माइनिंग एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, जिले में अवैध उत्खनन को लेकर आमजन में नाराजगी बढ़ती जा रही थी। यहां तक कि जनदर्शन के दौरान आंदोलन और विरोध की रणनीति भी बनाई जा रही थी। ऐसे में प्रशासन की यह कार्रवाई सीधे तौर पर जनदबाव और लगातार उठ रहे सवालों का परिणाम मानी जा रही है। हालांकि प्रशासन ने सख्त कार्रवाई का संदेश दिया है, लेकिन जिले में अवैध उत्खनन पूरी तरह थम पाएगा या नहीं, यह अभी बड़ा सवाल बना हुआ है।

प्रशासनिक दृष्टिकोण से तहसीलदारों की नवीन पदस्थापना आदेश जारी

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले में पदस्थ तहसीलदारों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से स्थानीय व्यवस्था के तहत उनकी वर्तमान पदस्थापना स्थल परिवर्तन किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जारी आदेशानुसार तहसीलदार अम्बिकापुर उमेश्वर सिंह बाज को अम्बिकापुर से मैनपाट एवं तहसीलदार मैनापट तारा सिदार को मैनपाट से उदयपुर पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार तहसीलदार उदयपुर विकास जिंदल को उदयपुर से अम्बिकापुर, तहसीलदार दरिमा अमन चतुर्वेदी को दरिमा से लखनपुर पदस्थ किया है।

निधन

मनीष तिवारी

मुंगेली/नवप्रदेश। दाऊपारा निवासी मनीष तिवारी, उम्र 50 वर्ष का 17 अप्रैल शुक्रवार को हृदयाघात से निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार दाउपारा मुक्ति धाम में 18 अप्रैल शनिवार को किया गया।

शादी सीजन में बस की मारामारी

मालवाहक वाहनों में मनमानी किराया वसूली

मुंगेली/नवप्रदेश। वैवाहिक मुहूर्त के शुरू होते ही बसों में यात्रियों की भीड़ उमड़ने लगी हैं जिसके चलते यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है। जिसका फायदा मालवाहक वाहन धड़ल्ले से उठा रहे हैं, इसको द्वारा यात्रियों से मनमर्जी किराया ले कर गंतव्य तक छोड़ा जा रहा है। बारात के लिए बस नहीं मिलने से मालवाहक वाहनों में बारात ले जाई जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्र के बसों की बुकिंग होने से विभिन्न क्षेत्रों में चलने वाली बसों में कमी आई हैं। जिसके चलते अब यात्री हलाकान हो गए है और बिलासपुर जिले से रोज आना-जाना करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की तो मानो मुसीबत बढ़ गई हैं जिसके चलते उनके आने जाने का समय भी निर्धारित नही हो रहा है। एक ओर बसों की बुकिंग के चलते ये कर्मचारी लगभग 11 बजे आफिस पहुंच रहे वही शाम 4 बजते ही जाने की चिंता सताने लगती है। क्षमता से अधिक सवारी भरने के कारण यात्रियों को खड़े हो कर धक्का खाते हुए यात्रा करना पड़ा रहा है। इधर महिलाएं सहित बच्चे भी भीड़ की चपेट में आने के कारण अच्छे खासे परेशान हो रहे है। शादी सीजन शुरू होने से पहले ही लोग बसों की बुकिंग करा लेते है। सीजन में बसों की कमी के चलते मालवाहक वाहनों में भी बारात जाना पड़ रहा है।

जनगणना प्रशिक्षण का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर ने आज स्वामी आत्मानंद दाऊपारा में संचालित जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे प्रगणकों से संवाद कर जनगणना की बारीकियों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने प्रशिक्षण की प्रगति का अवलोकन करते हुए कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें सटीकता और पारदर्शिता बेहद आवश्यक है। उन्होंने प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक जानकारी को सावधानीपूर्वक दर्ज करें और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने उपस्थित प्रगणकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को व्यवहार में लाएं और जनगणना कार्य को बेहतर ढंग से समझकर त्रुटिरहित तरीके से संपादित करें, ताकि जिले में जनगणना कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हो सके। उन्होंने गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का ध्यान रखने और जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने प्रोत्साहित किया।

जिला सांख्यिकी अधिकारी प्रीतेश अहिरवार ने बताया कि जनगणना कार्य अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 01 मई से 30 मई तक किया जाएगा। जनगणना में संलग्न कर्मचारी 01 मई से घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। जनगणना प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता एवं सटीकता सुनिश्चित होगी। नागरिक आनलाइन पोर्टल के माध्यम से चाही गई अपने घर और परिवार से जुड़ी जानकारियां 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वयं भर सकते हैं। आनलाइन जानकारी करने पर नागरिकों को एक एसई आइडी मिलेगी, जिसे सर्वे के दौरान अनिवार्य रूप से दिखाना होगा। इस बार पहली बार नागरिक स्वगणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना डेटा ऑनलाइन सबमिट कर सकेंगे। प्रगणक स्वगणना आईडी का सत्यापन कर प्रविष्टियों की समीक्षा करेंगे। इसके लिए अधिकृत वेबसाइट निर्धारित की गई है। आगामी जनगणना प्रक्रिया को लेकर प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 01 मई 2026 से ही अधिकृत जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। इससे पहले यदि कोई व्यक्ति जनगणना के नाम पर व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी मांगता है, तो यह साइबर ठगी का मामला हो सकता है। प्रशासन ने बताया कि जनगणना पूरी तरह निःशुल्क प्रक्रिया है और इसके लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, ओटीपी, पिन या वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी बिल्कुल न दें। नागरिक सतर्क रहें, अफवाहों से बचें और केवल अधिकृत जनगणना कर्मचारियों को ही जानकारी दें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि साइबर ठगी पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर ठगों से सतर्क रहें। स्पष्ट किया गया है कि 01 मई से पहले कोई भी अधिकृत जनगणना कर्मचारी घर-घर नहीं जाएगा। यदि कोई व्यक्ति जनगणना के नाम पर व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी मांगता है, तो वह धोखाधड़ी हो सकती है। जनगणना पूरी तरह निःशुल्क प्रक्रिया है, इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, पिन या अन्य वित्तीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। जनगणना कर्मचारी की पहचान पत्र अवश्य जांचें, संदिग्ध लिंक, कॉल या मैसेज पर प्रतिक्रिया न दें। मोबाइल या व्हाट्सएप पर भेजे गए लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी दबाव में आकर जानकारी साझा न करें। फर्जी लोग अक्सर जल्दबाजी दिखाकर या डराकर जानकारी लेने का प्रयास करते हैं।

सफलता की गूँज: कोंडागांव के मेधावी छात्र हुए जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित

फरसगांव /नवप्रदेश। जिला प्रशासन कोंडागांव द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आज जिले के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का भव्य सम्मान किया गया। सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं की परीक्षा में अपनी मेधा का परचम लहराने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में आयोजित इस गरिमामय समारोह ने न केवल बच्चों, बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है।

डीएवी गरका के सितारों ने बिखेरी चमक : इस वर्ष के परिणामों में डीएवी गरका के विद्यार्थियों का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। विद्यालय के होनहार छात्र-छात्राओं रागनी जैन, मालनी बौद्ध, वंशिका खवास, भूमि साहसी, साजिया जिलानी और सूफ्यिान पारेख ने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। जिला प्रशासन द्वारा इन सभी मेधावियों को उनकी इस उपलब्धि के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।

कलेक्टर का मंत्र: 'कठिन परिश्रम और अनुशासन ही सफलता की कुंजी': कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, जिला कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कहाः

÷यह सफलता मात्र एक अंकतालिका नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, अटूट अनुशासन और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का जीवंत प्रमाण है। जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी इन मेधावियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने और इसी समर्पण भाव से निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पेज 1 का शेष...

मध्य प्रदेश में पहली...

4 बजे तक धूप में काम करने पर रोक लगा दी गई है। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के काम के घंटे बदलकर सुबह 6 से 11 और शाम 4 से 8 बजे कर दिए गए हैं। कंस्ट्रक्शन वर्कर, स्ट्रीट वेंडर भी इसी वक्त काम करेंगे।

ईरान पर बरसे ट्रंप...

कहकर मजाकिया अंदाज में याद किया। उन्होंने टिम कुक को एक ऐसा इंसान बताया जो काम को तेजी से और प्रभावी ढंग से पूरा करना जानता है।

ईरान पर फिर बरसे ट्रंप

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ने मौजूदा संघर्षविराम का अनगिनत बार उल्लंघन किया है। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच हुए समझौते की समय सीमा खत्म होने वाली है। ट्रंप ने साफ कर दिया है कि ईरान शांति के समझौतों का सम्मान नहीं कर रहा है, जिससे भविष्य में कड़े कदम उठाए जाने के संकेत मिल रहे हैं।

86 हजार पेड़ काटे, 4...

जमीन चिन्हित कर करीब 2 लाख पौधे लगाने की योजना बनी थी। पौधे लगाने में देरी की वजह से जमीन पर अवैध कब्जे हो गए। क्षतिपूर्ति पौधारोपण नियम के अनुसार, विवादित जमीन पर पौधारोपण नहीं किया जा सकता, इसलिए यह योजना भी अटक गई।

2023 में महिला आरक्षण बिल पास होने के बावजूद मोदी सरकार ने नहीं किया लागू: राकेश

■ महिला ओं को आरक्षण नहीं देना चाहती भाजपा

■ झूठ बोलकर जनता के बीच भ्रम फैला रहे

दुर्ग/नवप्रदेश। महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर झूठ बोलकर भ्रम फैलाने की राजनीति का आरोप लगाया है। राजीव भवन में आज जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 2023 में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है। यह कानून भी बन चुका है। केंद्र की मोदी सरकार ने इसे अभी तक लागू नहीं किया। 16 अप्रैल को महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून बिल को पास कराना चाहती थी।

राकेश ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस हमेशा महिला आरक्षण के पक्ष में रही है। 1989-90 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पंचायतों और नगरीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण के लिये बिल पेश किया था। यह बिल राज्यसभा में पास नहीं हो पाया जिसे प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में पारित किया गया।

संसद और राज्यों की विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण के लिये की सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक लेकर आए। यह विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा से पारित हुआ। कांग्रेस की सरकारों के प्रयासों से ही आज पूरे देश में 15 लाख से ज्यादा महिलाएं पंचायतों और नगरीय निकायों में निर्वाचित प्रतिनिधि बन सकी हैं। भाजपा इस मामले में भ्रम फैलाना चाहती है। सच ये है

कि भाजपा खुद आरक्षण लागू नहीं करना चाहती।

भाजपा संविधान संशोधन में महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन संशोधन बिल और केन्द्र शासित प्रदेश कानून बिल को पारित कराना चाहती थी। विपक्ष ने एकजुट होकर सदन में लाए गए बिल को धराशायी कर भाजपा को बेनकाब कर दिया है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस सड़क से सदन तक लड़ाई जारी रखेगी।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में फर्क है। कांग्रेस महिला आरक्षण की समर्थक थी, आज भी है और हमेशा रहेगी। धीरज ने सवाल किया कि भाजपा 2023 के बिल को लागू कर संसद के वर्तमान सदस्यों की संख्या के आधार पर महिला सदस्यों को क्यों आरक्षण नहीं दे रही है।

भिलाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि केन्द्र सरकार चाहती तो 2023 में महिला आरक्षण को फौरन लागू कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इससे स्पष्ट हो गया है कि भाजपा की प्राथमिकता महिला आरक्षण नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार सीटों का परिसीमन करना है।

भिलाई निगम एमआईसी सदस्य नेहा साहू, दुर्ग जिला पंचायत की पूर्व सदस्य योगिता चंद्राकर ने कहा कि पंचायतों और नगरीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण दिलाने की पहल कांग्रेस सरकारों ने ही की थी।1989 में राजीव गांधी द्वारा शुरू किया गया प्रयास और 1993 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार द्वारा पारित कानूनों के कारण आज देश में लाखों महिला जनप्रतिनिधि सक्रिय हैं। महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा केवल जनता में भ्रम फैला रही है।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पूर्व महापौर आरएन वर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव अय्यूब खान, दुर्ग कांग्रेस संगठन मंत्री रायसिंह ढिकोला, जिला कांग्रेस प्रवक्ता नासिर खोखर, जिला कांग्रेस कार्यालय प्रभारी मोहित वाल्दे, दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी महामंत्री पालेश्वर ठाकुर, दुर्ग जिला कांग्रेस महामंत्री गौरव उमरे, भिलाई कांग्रेस सदस्य विभा शर्मा, पूर्व पार्षद जमुना साहू, कन्या ढीमर भी मौजूद रहे।

न्यूज गैलरी

भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 10.50 लाख स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में जनहित के विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए कुल 10 लाख 50 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। विधायक देवेंद्र यादव द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त, नगर निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा। वार्ड 52, स्ट्रीट नंबर 3, सेक्टर 4 स्थित हनुमान मंदिर के पास सार्वजनिक चबूतरा निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य के लिये 2 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड 69, सेक्टर 9 भिलाई गोल मार्केट में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के लिए 2.50 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। वार्ड 70 हुडको कॉलोनी से वाय शेप ब्रिज तक लगे खंभों में रोप लाइट लगाने और श्रीराम चौक के पास सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 2 लाख रुपए स्वीकृत किये गए हैं। वार्ड 68, सेक्टर 8 भिलाई फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे स्थित मंदिर के पास पेवर ब्लॉक लगाने हेतु 1.20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

आवासीय विद्यालय में नि :शुल्क अध्ययन के लिए आवेदन 23 अप्रैल तक

दुर्ग। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, नई सोच के साथ बेहतर कॅरियर चयन का अवसर प्रदान करते हुए प्रतिस्पर्धी बनाना तथा बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। इस योजना अंतर्गत विद्यार्थी को कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। चयनित उत्कृष्ट विद्यालय को विभाग द्वारा निर्धारित मान्य शुल्क की प्रतिपूर्ति किया जाएगा। समस्त प्रस्ताव रूचि की अभिव्यक्ति के प्रारूप में कलेक्ट्रेट जिला दुर्ग, सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग के कार्यालय (कमरा नं. 25) में जमा करना होगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रस्ताव को जिला कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि-23 अप्रैल 2026 अपरान्ह 5.00 बजे तक योजना अंतर्गत संस्थाओं के लिए मापदण्ड एवं विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट से अवलोकन कर प्राप्त कर सकते है।

विशेष ग्राम सभा का आयोजन 24 को

दुर्ग। पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे ने बताया कि शासन के निर्देश पर हर साल की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 24 अप्रैल को विशेष ग्राम सभा और जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विशेष ग्राम सभा के अंतर्गत ग्राम के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ और सम्मानित नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा। ग्राम संवाद कार्यक्रम के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के उप मुख्यमंत्री का 20 मिनट का रिकॉर्डेड संदेश ग्राम पंचायत स्तर पर प्रसारित किया जाएगा। ग्राम संपदा ऐप में ग्राम की समस्त परिसंपत्तियों के अपलोड का संकल्प लिया जाएगा और आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत (हमारा कोष-हमारा अधिकार) के तहत समर्थ पोर्टल में शत-प्रतिशत कर आरोपण व वसूली का संकल्प पारित किया जाएगा।

उप निर्वाचन के लिए जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन

दुर्ग। नगर पालिकाओं और त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी उप निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली तैयार/पुनरीक्षण का कार्य जिले में प्रभावशील है। नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन होना प्रस्तावित है। जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन किया है। यह शिकायत सेल भू-अभिलेख कक्ष क्रमांक 21 में संचालित होगा। शिकायत सेल में अधीक्षक भू-अभिलेख रेखा राजपूत मोबाइल नंबर 8359809792 को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ सहायक प्रभारी अजय मेरावी (सहायक अधीक्षक) 7987028422 जिम्मेदारी निभाएंगे।

तेज रफ्तार थार कार हादसे का शिकार, युवक की मौत, दो घायल

भिलाई/नवप्रदेश। नेहरू नगर चौक के पास रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार के कारण एक थार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। कार में सुपेला निवासी तीन दोस्त आकाश केशरवानी, ऋतिक साहू और करण सिंह सवार थे। हादसे के दौरान गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण न होने के कारण गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में आकाश केशरवानी की मौत हो गई। करण सिंह को गंभीर हालत में भिलाई के हाईटेक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

छत्तीसगढ़ में हिंदुओं पर हो रहे आघात रोकने 'हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति' का गठन

■ भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित कराना सांघिक लक्ष्य : सुनील घनवट

दुर्ग/नवप्रदेश। देश की वर्तमान स्थिति में हिन्दू धर्म, गौ माता, हिन्दू माता-बहनें, संस्कृति, मंदिर, परंपरा आदि पर निरंतर आक्रमण हो रहे हैं। हिन्दुओं को आपसी समन्वय से हिन्दू राष्ट्र स्थापना की दिशा में एक साथ मार्गक्रमण करने की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए 'हिन्दू राष्ट्र समन्वय समिति' का गठन किया गया है। यह जानकारी हिन्दू राष्ट्र समन्वय समिति के राष्ट्रीय संगठक सुनील घनवट ने दी है। सुराणा महाविद्यालय स्थित प्रेक्षागृह में 'हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति' की

बैठक में समिति के दुर्ग-भिलाई जिला संयोजक एडवोकेट आशीष शर्मा, सर्व समाज के अध्यक्ष मेघराज यादव, रायपुर के आशीष परिडा और प्रदीप सिन्हा सहित राजनांदगांव और रायपुर के विभिन्न हिंदुत्वनिष्ठ संगठनों के 140 से अधिक प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित थे। सुनील घनवट ने कहा कि विश्व में 157 से अधिक ईसाई राष्ट्र हैं, 59 मुस्लिम राष्ट्र हैं और 12 बौद्ध राष्ट्र हैं, लेकिन करोड़ों की जनसंख्या होने के बाद भी हिंदुओं का अपना एक भी राष्ट्र नहीं है। उन्होंने कश्मीरी हिंदुओं के विस्थापन का स्मरण कराते हुए चेतावनी दी कि हिंदुओं को कश्मीर से निष्कासित किया गया था। अगर हम जागृत और संगठित नहीं हुए, तो आने वाले समय में हमें अपने ही देश से निष्कासित होना पड़ सकता है। हमें इस संकल्प के साथ आगे बढना होगा कि 'जो हिंदू हित का कार्य (कृति) करेगा, वही देश पर राज करेगा'। सर्वसमाज के अध्यक्ष मेघराज यादव जी ने कहा कि हिंदू राष्ट्र के लक्ष्य हेतु छत्तीसगढ़ का सर्व समाज प्रखरता से कार्य करेगा। एडवोकेट आशीष शर्मा ने कहा कि दुर्ग-भिलाई से प्रारंभ हुई समन्वय की लहर अब संपूर्ण प्रदेश में फैलेगी। हिंदुत्व पर होने वाले किसी भी आघात के विरुद्ध सभी संगठन एकजुट होकर संवैधानिक मार्ग से आंदोलन करेंगे। बैठक में गोरक्षा हेतु समर्पित रायपुर के आशीष परिडा और दुर्ग के प्रदीप सिन्हा का विशेष अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन हिंदू जनजागृति समिति के कमल विश्वास ने किया।

परिक्षेत्र स्तरीय कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह सम्पन्न

कुम्हारी/नवप्रदेश। ग्राम सांकरा (कुम्हारी) परिक्षेत्र गोढ़ी में परिक्षेत्र साहू संघ गोढ़ी के तत्वावधान में परिक्षेत्र स्तरीय कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भक्त माता कर्मा के तेल चित्र पर माल्यार्पण के बाद अतिथियों का स्वागत शाल-श्रीफल भेंट कर कर किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल और पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, अध्यक्षता नंदलाल साहू (अध्यक्ष, जिला साहू संघ ने की। अति विशिष्ट अतिथि सतीश साहू विधायक प्रतिनिधि, ढाल सिंह साहू अध्यक्ष, तहसील साहू संघ अहिवारा, अनुज साहू संरक्षक, तहसील साहू संघ और नटवर ताम्रकार पूर्व अध्यक्ष, नगर पालिका अहिवारा, विशिष्ट अतिथि रामकुमार धनकर, उमेश्वर साहू, रामनारायण साहू, अशोक साहू, भूवनेश्वर साहू, महेश्वर साहू, बलराम साहू, लीला साहू, निकलेश साहू, डॉ. सीएल साहू, हेमंत साहू व अरुण साहू उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मां कर्मा हॉस्पिटल के स्टाफद्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सामूहिक आदर्श विवाह में दो जोड़ों का विधिवत विवाह संपन्न कराया गया। इस मौके पर पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि कर्मा जयंती को मूल रूप से चैत कृष्ण पक्ष में मनाना चाहिए, जिससे समाज की परंपराओं का सही रूप में पालन हो सके। उन्होंने कहा कि समाज की शक्ति केवल संख्या में नहीं, बल्कि विचारों में होती है। समाज को संगठित होकर अपनी कुरीतियों को दूर करना चाहिए और एकजुटता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

आईआईटी भिलाई में पीएमश्री शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी भिलाई में आयोजित किया गया। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम टीचर्स को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और एनईपी 2020 के हिसाब से पढ़ाने का तरीका देने के लिए बनाया गया है। यह एक्टिविटी-बेस्ड, एक्सपीरिएंशियल और वोकेशनल लर्निंग पर फोकस करता है। विजुअल प्रोग्रामिंग, एनिमेशन, डेटा साइंस, मेक्ट्रोनिक्स, नेचुरल फार्मिंग, और आईआईटी में बन रहे शिक्षा सारथी सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग। टीचर्स को आईआईटी की अलग-अलग लैब्स में जाने का मौका मिल रहा है और उन्हें 21 वीं सदी में पढ़ाने की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए अलग-अलग टेक्नोलॉजी और टूल्स से इंट्रोड्यूस कराया जा रहा है। कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोऑर्डिनेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस बनाना और रेजिलिएंस स्किल्स पर फोकस किया जा रहा है। टीचर्स द्वारा पढ़ाने के तरीकों को शेयर करने को बढ़ावा दिया जाएगा।

जंजगिरी में पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

■ 45 लाख के विभिन्न भवनों का लोकार्पण

कुम्हारी/नवप्रदेश। शनिवार को कुम्हारी नगर पालिका परिषद के ग्राम जंजगिरी वॉर्ड क्रमांक 23 अखाड़ा मैदान में पंचमुखी हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा और 45 लाख रुपए की लागत से बने विभिन्न भवनों का लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बजरंग अखाड़ा समिति कंडरका और बेरला के अखाड़ा खिलाड़ियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। पुष्पांजलि महिला मानस परिवार खैरागढ़ की बहनों द्वारा मानसगान

की प्रस्तुति दी गई।

मुख्य अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने सभी ग्रामवासियों को भवनों की सौगात के लिये बधाई दी। भविष्य में भी इसी तरह विकास के कार्य किये जाने की बात कही। पार्षद लोकेश साहू ने बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग रखी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रजनी बघेल, भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, भाजपा महिला मोर्चा दुर्ग जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, कुम्हारी नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, कुम्हारी नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ पार्षद लोकेश साहू, अश्वनी देशलहरा, हरिदास वैष्णव, ममता साहू, रितिका यादव, उमेश्वरी साहू, हेमलता निषाद, ओंकार मार्कण्डेय , मिथलेश यादव, सांसद प्रतिनिधि राजू निषाद, पुनेश साहू, उमेश साहू, फिंगेश्वर साहू, राजकुमार सिंह, रागिनी निषाद, जूली सिंग, राजू साहू, सुनीता कुर्रे, जूही चंद्राकर, शुभम् पाण्डेय, जयलक्ष्मी, स्वर्ण साहू, टीकाराम साहू, रामकुमार साहू और पूना यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, नव प्रभात बजरंग अखाड़ा समिति के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

जयंती स्टेडियम परिसर के पास बीएसपी ने किया खेल वाटिका का लोकार्पण

भिलाई/नवप्रदेश। सेल-बीएसपी के नगर सेवा विभाग द्वारा नगर क्षेत्र में सड़क, विद्युत, पेयजल और जनस्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के साथ-साथ नगर को विशिष्ट पहचान प्रदान करने विभिन्न स्मारक और सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। जयंती स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप विभिन्न खेल कलाकृतियों से सुसज्जित वाटिका का लोकार्पण 20 अप्रैल को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगर सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी एबी श्रीनिवास भी उपस्थित रहे।

वाटिका में तीरंदाजी, हॉकी, क्रिकेट, तैराकी, मुक्केबाजी, जिम्नास्टिक, साइक्लिंग, बास्केटबॉल, कुश्ती, भाला फेंक, भारोत्तोलन और टेनिस सहित विभिन्न खेलों को कलात्मक रूप में प्रदर्शित किया गया है, जो खेलों के प्रति युवाओं और खेल प्रेमियों में प्रेरणा व जुड़ाव को सुदृढ़ करने का एक सार्थक प्रयास है।

बिजली के खतरों के प्रति सतर्क रहें उपभोक्ता, सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल ने क्षेत्र में बढ़ती विद्युत दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उपभोक्ताओं से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उद्योग, खेती और घरेलू कार्यों में बिजली का उपयोग बढ़ने के साथ-साथ वितरण प्रणाली का भी विस्तार हुआ है। विद्युत उपकरणों और लाइनों के उपयोग में बरती गई लापरवाही या अज्ञानता जानलेवा साबित हो सकती है।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

कक्ष क्रमांक-66, प्रथम तल, कलेक्ट्रेट रायगढ़ (छ.ग.)
email-acexcise.rgh-cg@gov.in, phone/fax-no.-07762-222733

क्रमांक/आब./ठेका / 1/162694/2026 — रायगढ़, दिनांक 17-04-2026

निविदा सूचना

जिला रायगढ़ अंतर्गत शासन द्वारा संचालित देशी/विदेशी मदिरा दुकान बड़ेरामपुर के स्थल परिवर्तन हेतु भवन/दुकान/परिसर को किराये पर लेने बाबत् कानूनी मालिकों से मुहर बंद निविदाएं (तकनीकी शर्तों से संबंधित दस्तावेज एवं रेट ऑफर पृथक-पृथक बंद लिफाफों में) आमंत्रित की जाती है।

क्र.	मदिरा दुकान का नाम	प्रस्तावित स्थल जहां दुकान स्थापित/ स्थानांतरण होना है	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं प्राप्ति
1	देशी/विदेशी मदिरा दुकान बड़ेरामपुर	वर्तमान में संचालित मदिरा दुकान से 01 किलोमीटर की परिधि में आपत्तिरहित स्थल पर	डिमांड ड्राफ्ट रु 1180/- (रु.1000 एवं जीएसटी रू. 180, सहायक आयुक्त आबकारी रायगढ़ (छ.ग.) के पक्ष में देय, का भुगतान कर जारीकर्ता कार्यालय से कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि - 04-05-2026 समय अपरान्ह 05:30 बजे तक।
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 05-05-2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि - 05-05-2026 समय अपरान्ह 04:00 बजे।
(कलेक्टर महो. द्वारा अनुमोदित)

सहायक आयुक्त आबकारी
हेतु कलेक्टर
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

जी- 262700257/3

कार्यालय सदस्य सचिव/ कार्यपालन अभियंता जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)

पता - पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग, कमरा क्र. 18, कलेक्टोरेट के सामने, Phone No. 07752-250593, Email ID - eebil-phe-cg@gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 03/निविदा प्रकोष्ठ./ लो.स्वा.यां. खण्ड/2026-27 — **बिलासपुर, दिनांक 15.04.2026**

मुहरबंद निविदायें नीचे उल्लेखित कार्य हेतु प्रपत्र "अ" प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में **ई-पंजीयन प्रणाली की "डी" एवं उच्च श्रेणी** में पंजीबद्ध ठेकेदारों से स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 05.05.2026 सायं 5:30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र विक्रय करने की अंतिम तिथि - 05.05.2026 सायं 5:30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट के माध्यम से) - 07.05.2026 सायं 3:00 बजे तक
4. निविदा खुलने की तिथि - 11.05.2026 अपरान्ह 4:00 बजे के पश्चात

कार्य का विवरण -

जल जीवन मिशन के तहत जिला-बिलासपुर, के विकासखण्ड बिल्हा के **ग्रुप क्रमांक 01** के 45 योजना, **ग्रुप क्रमांक 02** के 45 योजना, **ग्रुप क्रमांक 03** के 45 योजना, **ग्रुप क्रमांक 04** के 34 योजनाओं का केएमएल (Keyhole Markup Language) फाईल तैयार करने हेतु सर्वेक्षण उससे संबंधित समस्त कार्य । **(संलग्न शेड्युल अनुसार)**

कार्य की लागत - रू. 4.12 लाख समूह क्रमांक 01 हेतु, रू. 4.15 लाख समूह क्रमांक 02 हेतु, रू. 4.16 लाख समूह क्रमांक 03, रू. 4.18 लाख समूह क्रमांक 04।

धरोहर राशि - रू. 4200.00 प्रति समूह। **निविदा प्रपत्र का मूल्य-** रू. 750.00 प्रति समूह ।

कार्य पूर्ण करने की अवधि - 01 माह वर्षा ऋतु सहित प्रति समूह।

निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी जैसे-पात्रता की शर्ते, मापदण्ड, प्राक्कलन इत्यादि अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय में दिनांक 04.05.2026 तक देखे जा सकते है।

कार्यपालन अभियंता / सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड बिलासपुर (छ.ग.)

जी- 262700241/3

न्यायालय नजूल अधिकारी कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202604140400010/अ-6/2025-26

(उद्घोषणा)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जितेन्द्र मोटवानी पिता स्व. लेखराज मोटवानी, निवासी मांझापारा कांकेर के द्वारा मोहल्ला मांझापारा कांकेर में स्थित भूमि शीट नं. 12 बी, प्लाट नं. 21/2, 39 क्षेत्रफल 185 व.मी., पक्का मकान, वार्षिक भू-आटक 48.00 रु. लेखराज पिता बिसनराम निवासी कांकेर नजूल अभिलेख में दर्ज है। पट्टेदार लेखराज पिता बिसनराम की मृत्यु दिनांक 22.12.2024 को होने का उल्लेख करते हुये मृतक पट्टेदार का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर विधिक वारिसों का नाम दर्ज किये जाने नक्शा, मेन्टेनेंस खसरा, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार, शपथ पत्र, तलवाना सहित छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत् इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि को कोई दावा आपत्ति हो तो न्यायालयीन अवधि में इस उद्घोषणा के नगर / मोहल्ले में चस्पा के 15 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर सुनवाई नही की जावेगी ।

आज दिनांक 21/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — नजूल अधिकारी, उत्तर बस्तर कांकेर

न्यायालय नजूल अधिकारी कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./202604140400011/अ-6/2025-26

(उद्घोषणा)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीरज बुधवानी पिता स्व. नारायण दास बुधवानी उर्फ नाऊमल बुधवानी, निवासी 8/2019 क. मांझापारा कांकेर के द्वारा मोहल्ला मांझापारा कांकेर में स्थित भूमि शीट नं. 13 ए, प्लाट नं. 9/2, क्षेत्रफल 65.15 व.मी., पक्का मकान, भू-आटक 222.00 रु. एवं प्लाट नं. 10 क्षेत्रफल 91 व.मी., पक्का मकान मय हाता, भू-भाटक 168.00 रु., भूमिस्वामी नाऊमल बुधवानी पि. वरन्दमल सिंधी नि. कांकेर नजूल अभिलेख में दर्ज है। आवेदक के पिता पट्टेदार नाऊमल बुधवानी पिता वरन्दमल की मृत्यु दिनांक 28.01.2026 को एवं विधिक वारिस माता जी स्व. हरी देवी बुधवानी की मृत्यु दिनांक 19.01.2016 को होने का उल्लेख करते हुये मृतक पट्टेदार का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर विधिक वारिसों का नाम दर्ज किये जाने नक्शा, मेन्टेनेंस खसरा, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार, शपथ पत्र, तलवाना सहित छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत् इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि को कोई दावा आपत्ति हो तो न्यायालयीन अवधि में इस उद्घोषणा के नगर / मोहल्ले में चस्पा के 15 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर सुनवाई नही की जावेगी ।

आज दिनांक 7/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — नजूल अधिकारी, उत्तर बस्तर कांकेर

नाम परिवर्तन

मैं नारायण कुड़ियम पिता पांडु कुड़ियम उम्र 40 वर्ष निवासी- पापनपाल, तहसील बीजापुर, जिला बीजापुर (छ.ग.) पिन कोड 494444 शपथ पूर्वक निम्न कथन व्यक्त करता हूँ किः-

(1) यह कि मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार है ।
(2) यह कि मेरे पुत्र का नाम एवं उपनाम राजेश कुड़ियम पिता नारायण कुड़ियम रहा है, शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों एवं अभिलेखों में अंकितानुसार सत्य एवं सही है ।
(3) यह कि त्रुटिवश मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड में नाम राजेन्द्र कुड़ियम अंकित कर दिया गया है।
(4) यह कि मेरे पुत्र के नाम एवं उपनाम मेरे उपनामानुसार राजेन्द्र कुड़ियम पिता नारायण कुड़ियम एवं राजेश कुड़ियम पिता नारायण कुड़ियम दोनों नाम मेरे पुत्र के नाम है, किसी अन्य का नाम नहीं है ।
(5) यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड मेरे पुत्र के उपनामानुसार राजेन्द्र कुड़ियम के स्थान पर राजेश कुड़ियम कर अंकित कराना चाहता हूं ।
(6) यह कि मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड में नाम सुधार करने के समर्थन में यह शपथ पत्र बनाया गया है।

शपथकर्ता

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यापित करती हूं उपरोक्त शपथ पत्र में वर्णित तथ्य मेरे स्वतः के निजी ज्ञान एवं विश्वास से सत्य एवं सही है। सत्यापन आज दिनांक...2026 को स्थान बीजापुर में हस्ताक्षर कर सत्यापित की ।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता **सती बाई देवांगन (SATI BAI DEVANGAN)**, पति- **स्व. बिरेन्द्र कुमार (LATE BIRENDRA KUMAR)**, उम्र 48 वर्ष, निवासी-हाउस नं.-105, वार्ड नं.-09, गोतपुर, पोस्ट-हाटकोंगेरा, तहसील- **कांकेर**, जिला- **उ. ब. कांकेर** (छ.ग.) 494334 का हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं किः-

01. यह कि मैं दर्शित पते पर निवास करती हूं।
02. यह कि मेरे पति के नाम से जारी पेंशन पेयमेंट आर्डर मेम्बर आई.डी. - CGRAI0008113000000308 में नॉमिनी के रूप में मेरा नाम- **सरस्वती (SARASWATI)** जन्मतिथि- **01.07.1973** अंकित है। जो त्रुटिपूर्ण दर्ज हो गया है।
03. यह कि, मेरे आधार कार्ड क्रमांक-3093 1627 9107 में वास्तविक व सही नाम- **सती बाई देवांगन (SATI BAI DEVANGAN)**, जन्मतिथि- **01/01/1978** है, जो सत्य एवं सही है।
04. यह कि, मेरा सही व वास्तविक नाम- **सती बाई देवांगन (SATI BAI DEVANGAN)**, जन्मतिथि-**01/01/1978** को शासकीय गजट में प्रकाशन करवाने बाबत् आवश्यक दस्तावेजों के साथ यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापन

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूं कि कंडिका 01 से 04 तक में दिये गये कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास से सही है जिसे मुकाम कांकेर में आज दिनांक 20.04.2026 को पढ़कर, समझकर अपना हस्ताक्षर सत्यापित कर दिया/दी हूं।

स्थान - कांकेर,
दिनांक -20.04.2026

शपथकर्ता

किसी भी क्षेत्र में पेयजल की कमी न हो, आवश्यक तैयारियां रखें: निगम कमिश्नर

बिलासपुर/नवप्रदेश। *नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे की अध्यक्षता में आज आयोजित समीक्षा बैठक में गर्मी के मौसम में पेयजल की समुचित उपलब्धता, जनगणना की तैयारियों, स्व-गणना के लिए नागरिकों को प्रेरित करने, राजस्व वसूली तथा शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। निगम कमिश्नर ने निर्देश दिए कि भीषण गर्मी के दौरान किसी भी क्षेत्र में पेयजल की कमी न हो। सभी वार्डों में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा संभावित संकट वाले क्षेत्रों में टैंकर एवं अन्य माध्यमों से वैकल्पिक व्यवस्था की तैयारी रखें। जलापूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान करने के भी निर्देश दिए।*

जनगणना की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सटीक आंकड़े प्राप्त हो सकें। इसके अलावा सफाई के विषय में निगम कमिश्नर ने कहा कि सर्वेक्षण के तहत सभी कार्य मिशन मोड पर करें,इस पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जोन कमिश्नरों को अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य की मॉनिटरिंग और नाली सफाई कार्य का सतत रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने और बकायादारों के खिलाफ नियम अनुरूप कार्रवाई के भी निर्देश दिए है।

खुद भर सकते हैं ऑनलाइन जनगणना की जानकारी

1 मई से डोर टू डोर जनगणना शुरू हो जाएगी, उससे पहले 30 अप्रैल तक नागरिक घर बैंठे अपनी जानकारी इस https://se.census.gov.in/ लिंक पर क्लिक कर भर सकते हैं। ऑनलाइन स्व जनगणना प्रपत्र भरने के बाद एक आईडी प्राप्त होगा जिसे जनगणना करने घर पहुंचे कर्मी को बताना होगा। यह प्रक्रिया बहुत ही आसान सुरक्षित है।

80 किलो से अधिक प्लॉस्टिक जब्त, 5 हजार जुर्माना

सिंगल यूज प्लॉस्टिक के खिलाफ नगर निगम ने अभियान छेड़ दिया है। निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर आज निगम की टीम ने जोन क्रमांक 5 के अंतर्गत गोल बाजार और सदर बाजार में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लॉस्टिक रखने वालों दुकानदारों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 80 किलो प्लॉस्टिक जब्त किया और जुर्माने के तौर पर 5 हजार रूपये वसूल किए। प्रतिबंधित होने के बावजूद स्वच्छता तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लॉस्टिक का उपयोग अभी भी कुछ लोगों द्वारा छुपकर किया जा रहा है जिसके ख़िलाफ कार्रवाई करने के निर्देश निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे द्वारा निगम अधिकारियों को दिया गया। जिसके परिपालन में स्वास्थ्य अधाकारी एवं जोन कमिश्नर प्रवेश कश्यप के नेतृत्व में जोन द्वारा शहर के गोल बाजार और सदर बाजार क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लॉस्टिक रखने वाले दुकानों और लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम द्वारा व्यापारियों और आमजनों को प्लॉस्टिक के उपयोग की जगह कपड़े का थैला या जूट से बने थैले का उपयोग करने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। निगम की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने शहर के व्यापारियों और नागरिकों से अपील करते हुए कहा की सिंगल यूज़ प्लॉस्टिक से हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंचता है,इसलिए प्लॉस्टिक की जगह कपड़े से निर्मित या जूट के थैले का प्रयोग करें और पर्यावरण को बचाएं तथा आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ्य भविष्य दें।

न्यूज गैलरी

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष 23 को आएंगे

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद एवं उपाध्यक्ष चंद्रकांता वर्मा 23 अप्रैल को बिलासपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। आयोग के सचिव संकल्प साहू एवं अन्य अधिकारी भी इस दौरान उनके साथ उपस्थित रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष प्रात: 10:30 बजे रायपुर से प्रस्थान कर दोपहर 12:30 बजे बिलासपुर पहुंचेंगे। आगमन के पश्चात सर्किट हाउस में ठहराव रहेगा। दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक सर्किट हाउस सभाकक्ष में आयोग को प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 3:30 बजे से 4:30 बजे तक पिछड़ा वर्ग जनप्रतिनिधियों से मुलाकात एवं चर्चा का कार्यक्रम निर्धारित है। वहीं शाम 4:30 बजे से 5:00 बजे तक प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी।कार्यक्रम के पश्चात आयोग के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष शाम 5:00 बजे बिलासपुर से रायपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

ऑटो चालकों को ड्रेस कोड में रहने निर्देश

बिलासपुर/नवप्रदेश। यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा ऑटो चालकों को लगातार ऑटो यूनिफार्म पहनकर ही ऑटो चालन किए जाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है ताकि ऑटो चालकों की पृथक से पहचान सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए सात दिवस का समय समस्त ऑटो चालकों को दिया गया था इस काम में ऑटो चालकों के द्वारा उक्त निर्देश के पालन में यूनिफॉर्म सिलवाई जा रही है और कुछ ऑटो चालकों के द्वारा इसका अनुसरण करना प्रारंभ कर दिया गया है ऑटो चालकों में यूनिफार्म धारण कर ऑटो चलाने के पश्चात एक व्यवस्थित एवं सुरक्षित ऑटो चालन की स्वयं ऑटो चालक भी एक दूसरे को प्रेरित कर रहे है आम नागरिकों से अपील है कि जो भी ऑटो में यात्री के रूप में ऑटो में सफर करते हैं वे सभी ऑटो चालकों को ऑटो ड्रेस कोड में आने हेतु अवश्य प्रेरित करें ताकि इस शहर के सरल, सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आवागमन बनाए जाने में प्रभावी पहल जन सहयोग और व्यापक रूप से सुनिश्चित हो सके।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों को मिलेगी सुगम यात्रा की सुविधा

कंफर्म बर्थ के साथ कोरबा-यलहंका के मध्य चलेंगी समर स्पेशल ट्रेनें

बिलासपुर/नवप्रदेश। *रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान कोरबा-यलहंका(बेंगलुरु)-कोरबा के मध्य यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये 01-01 फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।*

गाड़ी संख्या 08261 कोरबा-यलहंका(बेंगलुरु)-समर स्पेशल ट्रेन कोरबा से 2 मई 2026 को चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 यलहंका (बेंगलुरु)-कोरबा समर स्पेशल ट्रेन यलहंका से 03 मई 2026 को चलेगी। इस गाड़ी में 02 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 10 स्लीपर, 04 एसी-थ्री टियर सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

नांदेड़ आसनसोल के मध्य एक एक फेरे के लिए समर स्पेशल की सुविधा

यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 07701/ 07702 नांदेड़ आसनसोल समर स्पेशल एक एक फेरे के लिए चलाई जा रही है। गाड़ी संख्या 07702 आसनसोल नांदेड़ समर स्पेशल 23 अप्रैल को 14:00 आसनसोल से रवाना होकर, 16.00 बजे पुरलिया, 17.00 बजे चांडिल, 18:10 बजे टाटानगर 22:30 बजे राउरकेला, 00:30 बजे झारसुगुड़ा 4:00 बजे बिलासपुर 6:00 बजे रायपुर 6:50 बजे दुर्ग 9:10 बजे गोंदिया 11:30 बजे नागपुर 15 बजे बडनेरा 18:00 अकोला 1950 बजे वाशिम 2050 बजे हिंगोली 22:20 बजे पूर्णा, 0045 बजे नांदेड़ पहुंचेगी। इस गाड़ी में विभिन्न श्रेणी के 24 कोच रहेंगे

गाड़ी की समय-सारिणी

गाड़ी संख्या 08261 कोरबा-यलहंका(बेंगलुरु) समर स्पेशल ट्रेन 2 मई को कोरबा से 09.00 बजे रवाना होगी तथा चांपा आगमन 10.00 बजे, प्रस्थान 10.02 बजे, बिलासपुर आगमन 10.50 बजे, प्रस्थान 11.00 बजे, भाटापारा आगमन 11.38 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे, रायपुर आगमन 12.45 बजे, प्रस्थान 12.50 बजे, दुर्ग आगमन 14.20 बजे, प्रस्थान 14.25 बजे, राजनादगाँव आगमन 14.48 बजे, प्रस्थान 14.50 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 15.13 बजे, प्रस्थान 15.15 बजे, गोंदिया आगमन 16.25 बजे, प्रस्थान 16.35 बजे, वडसा आगमन 17.57 बजे, प्रस्थान 17.59 बजे, चांदाफोर्ट आगमन 19.43 बजे, प्रस्थान 19.45 बजे, बल्लारशाह आगमन 20.20 बजे, प्रस्थान 20.30 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 21.30 बजे, प्रस्थान 21.32 बजे, मंचिर्याल आगमन 22.10 बजे, प्रस्थान 22.12 बजे, काजीपेट आगमन 23.45 बजे, प्रस्थान 23.47 बजे तथा दूसरे दिन चर्लपल्ली आगमन 02.00 बजे, प्रस्थान 02.02 बजे, सिकंदराबाद आगमन 02.20 बजे, प्रस्थान 02.30 बजे, लिंगमपल्ली 03.15 बजे, प्रस्थान 03.17 बजे, विकाराबाद आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, तांडूर आगमन 04.50 बजे, प्रस्थान 04.52 बजे, यादगीर आगमन 07.08 बजे, प्रस्थान 07.10 बजे, कृष्णा जंक्शन आगमन 07.40 बजे, प्रस्थान 07.50 बजे, रायचूर आगमन 08.08 बजे, प्रस्थान 08.10 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 08.28 बजे, प्रस्थान 08.30 बजे, गुंटकल आगमन 10.30 बजे, प्रस्थान 10.40 बजे, गुत्ती आगमन 11.13 बजे, प्रस्थान 11.15 बजे, अनंतपुर आगमन 14.13 बजे, प्रस्थान 14.15 बजे, धर्मवरम आगमन 15.05 बजे, प्रस्थान 15.10 बजे तथा 19.00 बजे यलहंका स्टेशन पहुंचेगी।

पचपेड़ी प्रेस क्लब का शपथ समारोह में भवन निर्माण के लिए 10 लाख की घोषणा

पचपेड़ी/नवप्रदेश। पचपेड़ी प्रेस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को स्थानीय रेस्ट हाउस में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दिलीप लहरिया ने पचपेड़ी प्रेस क्लब के भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में अब तीन तहसील—पचपेड़ी, मस्तूरी और सीपत—हो चुके हैं, और तीनों स्थानों पर प्रेस क्लब की स्थापना होना क्षेत्र के लिए सकारात्मक पहल है। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता शुरू से ही प्रत्येक तहसील में एक-एक प्रेस क्लब स्थापित कराने की रही है, जो अब पूरी हो चुकी है। इस अवसर पर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो चुका है और सभी पत्रकारों को एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों की एकता पर बल देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रतिनिधि चंद्र प्रकाश सूर्य, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि खिलावन पटेल, जनपद सभापति प्रतिनिधि नरेंद्र नायक, पचपेड़ी सरपंच चंद्र प्रकाश कुर्रे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरपंच पचपेड़ी सरपंच ने ने कहा कि अब जब पचपेड़ी, मस्तूरी और सीपत तीनों जगह प्रेस क्लब स्थापित हो चुके हैं, तो सभी पत्रकारों को अपने-अपने क्षेत्र में रहकर सक्रिय पत्रकारिता करनी चाहिए। साथ ही आश्वासन दिया गया कि पचपेड़ी प्रेस क्लब को जल्द ही भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे भवन निर्माण का कार्य शुरू हो सके।

कायस्थ समाज की बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा

बिलासपुर/नवप्रदेश। कायस्थ समाज के नए कार्यकारिणी की पहली बैठक चित्रगुप्त मंगल भवन इमली पारा में रखी गई थी। बैठक में कार्यविभाजन, आगामी कार्य की रूप रेखा, सामाजिक कार्यों को गतिशीलता देने के संबंध पर चर्चा की गई। बिलासपुर कायस्थ समाज के अध्यक्ष आलोक वर्मा ने नई कार्यकारिणी एवं पदाधिकारीयों की घोषणा की आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए कहा कि ज्ञान बुद्धि एवं कर्मों के फल देने वाले देवता भगवान चित्रगुप्त की प्रकट उत्सव पूजा 23 अप्रैल 2026 को पूरे राष्ट्र में कायस्थ समाज के द्वारा मनाई जानी है बिलासपुर कायस्थ समाज ने भी प्रतिवर्ष इस उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाते आया है और इस बार भी विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना चित्रगुप्त मंगल भवन इमली पारा में की जानी है जिसमें उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया है कि भगवान चित्रगुप्त की पूजा में अधिक से अधिक लोग

सम्मिलित होवें । श्री वर्मा ने सभी सदस्यों से अपने-अपने सुझाव मांगे जिस पर श्रीमती विभा वर्मा ने सुझाव दिया कि रिजल्ट आने के पश्चात 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को समाज के द्वारा सम्मानित किया जाए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मदन श्रीवास्तव ने समाज के निर्धन कन्याओं का आदर्श विवाह दहेज विहीन समाज के भवन से करने का सुझाव दिया युवाओं एवं महिलाओं को भी समाज से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जाना चाहिए । विनोद वर्मा सहसचिव एवं मीडिया प्रभारी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रत्येक त्योंहार को उत्सव के रूप में रैली एवं शोभा यात्रा निकाल कर बनाए जाने से समाज संगठित एवं मजबूत होगा इस दिशा में भी हमें कार्य करना चाहिए । सर्वेश श्रीवास्तव ने प्रस्ताव रखा कि समाज में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए बृहद योजना बनाई जाए सचिव गोवर्धन श्रीवास्तव ने पियाऊ घर पर निर्णय लेते हुए बतलाया कि समाज के द्वारा दो पियाऊ घर वर्तमान में संचालित की जानी है जिसमें चित्रगुप्त मंगल भवन में दो वाटर कूलर लगाकर लोगों को शीतल जल उपलब्ध कराया जाएगा एवं मध्य नगरी चौक में पियाऊ घर बनाकर लोगों के लिए ठंडा पानी उपलब्ध कराया जाएगा जो इस माह से ही प्रारंभ हो जाएगा।

स्काउट-गाइड्स के बच्चों ने शुरू किया प्याऊ घर

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए रियल ग्रोथ पब्लिक उस्लापुर के स्काउट-गाइड के बच्चों द्वारा समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए उस्लापुर ओवर ब्रिज के नीचे प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस व्यवस्था के माध्यम से राहगीरों, श्रमिकों और आमजन को नि:शुल्क शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड पार्षद राजेंद्र किरण टंडन द्वारा गया। इस अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त चन्द्रप्रकाश बाजपेयी, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) महेन्द्र बाबू टंडन, चेयरमैन डी.के. जायसवाल, एकेडमिक डायरेक्टर दिलजीत कौर छाबड़ा, डायरेक्टर तनिष्का जायसवाल, उप प्राचार्या ऊषा मिश्रा तथा शाला की गाइडर पुष्पा शर्मा सहित विद्यालय परिवार के सदस्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस दौरान जिले के स्काउट्स-गाइड्स, रोवर-रेंजर एवं स्काउटर-गाइडर ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा कार्य में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

रोटरी क्लब ने सीएमडी चौक व रेलवे स्टेशन पर खोले प्याऊ घर

रोटरी क्लब ऑफ़ बिलासपुर के द्वारा भीषण गर्मी से राहत हेतु, नि:शुल्क प्याऊ घर का संचालन दो जगहों पर किया। रोटरी भवन, सीएमडी चौक में राहगीरों के लिए मटके के पानी की व्यवस्था की गई, साथ ही बिलासपुर रेलवे स्टेशन में भी ट्रेन यात्रियों के लिए नि:शुल्क ठंडा पेय जल उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसका आधिकारिक उद्घाटन क्लब की अध्यक्षा रो. शैलजा शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अन्य सदस्य आनंद खेमका, आशीष अग्रवाल, रणजीत बाली उपस्थित रहे। साथ ही रेलवे से मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक मनोज कुमार साहा, ज्योति साहू, सीमा तोड़कर एवं अन्य अधिकारी व स्टाफ़ उपस्थित रहे। यात्रियों के द्वारा शीतल जल का आनंद उठाया जा रहा है।

संस्कृति संगम सेवा समिति ने किया प्याऊ घर का शुभारंभ

संस्कृति संगम सेवा समिति की अध्यक्ष सुनैना नायर और सचिव श्वेता पटेल के नेतृत्व में अक्ति के शुभ अवसर पर भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों के लिए गाँधी चौक कर्बला मार्ग में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस प्याऊ घर का उद्घाटन वार्ड क्र. 33 के पार्षद रंगा नादम के हाथों फीता काटकर किया गया। यहाँ राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंदों को नि:शुल्क शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। अध्यक्ष सुनैना नायर ने कहा, 'अक्ति का दिन दान-पुण्य के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है। गर्मी में प्यासे को पानी मिल जाए तो इससे बड़ी सेवा कोई नहीं। समिति का प्रयास है कि कोई भी राहगीर प्यासा न रहे।' सचिव श्वेता पटेल ने बताया कि यह प्याऊ घर पूरे ग्रीष्मकाल तक सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित किया जाएगा। भविष्य में भी समिति द्वारा जनहित के कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।

कार्यशाला: भू-जल संवर्धन की दिशा में बड़ा कदम, कार्यशाला आयोजित, तीन ग्रामों में स्थल निरीक्षण कर लाइव डेमो किया गया

एक्विफर रिचार्ज व जल स्रोत पुनर्भरण की उन्नत तकनीकों को समझा

बिलासपुर/नवप्रदेश। *कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल के मार्गदर्शन जल संरक्षण के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण जल आपूर्ति स्रोतों की स्थायित्व सुनिश्चित करने हेतु भू-जल संवर्धन एवं एक्विफर पुनर्भरण तकनीकों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विकासखंड मस्तूरी के सभाकक्ष में किया गया।*

प्रशिक्षण में वरिष्ठ वैज्ञानिक बी. अभिषेक, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रूपेश धनंजय एवं एपीओ जिला पंचायत अनुराधा मिश्रा द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, सहायक अभियंता एवं उप अभियंताओं ने भाग लिया तथा एक्विफर रिचार्ज एवं जल स्रोत पुनर्भरण की उन्नत तकनीकों को समझा। प्रशिक्षण के अंतर्गत टीम द्वारा तीन ग्रामों में स्थल निरीक्षण कर लाइव डेमो किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम सरगांव में स्थित एक बड़े तालाब के अपस्ट्रीम क्षेत्र में जल उपलब्ध था। टीम द्वारा तालाब के

डाउनस्ट्रीम स्थित पेयजल स्रोत (ट्यूबवेल) का निरीक्षण किया गया। भू-वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर तालाब के अपस्ट्रीम में फ्रैक्चर, फॉल्ट लाइन चिन्हित की गई, जहां वर्षा जल एवं बांध का पानी प्रवेश करता है। उक्त स्थान पर इंजेक्शन वेल स्थापित करने हेतु उपयुक्त साइट चयनित किया गया, जिससे सीधे एक्विफर में जल पुनर्भरण होकर डाउनस्ट्रीम स्थित पेयजल स्रोतों को सुदृढ़ किया जा सके। मस्तुरी के ग्राम जयरामनगर में स्थित दो तालाबों के निरीक्षण के दौरान ऊपरी तालाब सूखा एवं निचला तालाब निस्तारी उपयोग में पाया गया। ग्राम सरपंच द्वारा बताया गया कि ऊपरी तालाब के भरने पर सभी पेयजल स्रोत सुचारू रूप से चलते हैं। इस पर वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री अभिषेक ने बताया कि ऊपरी तालाब स्वयं एक परकोलेशन टैंक की तरह कार्य करता है, अत: यहां इंजेक्शन वेल की आवश्यकता नहीं है। ग्राम परसदा वेद के तालाब में पर्याप्त जल उपलब्ध था एवं इसका कैचमेंट क्षेत्र विस्तृत पाया गया। रन ऑफ एवं नहर जल के प्रवेश बिंदु पर फ्रैक्चर, फॉल्ट लाइन चिन्हित कर इंजेक्शन वेल हेतु उपयुक्त स्थान चयनित किया गया। इससे तालाब के डाउनस्ट्रीम स्थित पेयजल स्रोतों (ट्यूबवेल) का पुनर्भरण सुनिश्चित होगा, जिससे जल जीवन मिशन अंतर्गत ओएचटी एवं ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणाली को स्थायित्व मिलेगा। इस प्रशिक्षण एवं मैदानी अभ्यास से तकनीकी अधिकारियों को स्थानीय भू-जल परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक जल पुनर्भरण तकनीकों की जानकारी प्राप्त हुई। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के समाधान एवं दीर्घकालिक जल स्रोत स्थायित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अक्षय तृतीया पर बच्चों ने रचाया गुड्डे-गुड़ियों का पारंपरिक विवाह

सीपत/नवप्रदेश। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सीपत अंचल में बच्चों के बीच पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक रंग देखने को मिला। इस खास दिन पर बच्चों ने पूरे विधि-विधान के साथ गुड्डे-गुड़ियों का विवाह रचाकर लोक परंपराओं को जीवंत किया। गांव के विभिन्न मोहल्लों में बच्चों ने बारात, जयमाला, फेरे और विदाई जैसी सभी पारंपरिक रस्मों को बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ निभाया। बच्चों ने स्वयं दूल्हा-दुल्हन का रूप सजाया और गीत-संगीत के बीच विवाह की रस्में पूरी कीं। इस दौरान आसपास के लोग भी

इस आयोजन का हिस्सा बने और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। अक्षय तृतीया पर गुड्डे-गुड़ियों का विवाह रचाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जो नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और रीति-रिवाजों से जोड़ने का माध्यम बनती है। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों में सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की समझ भी विकसित होती है।

परमाणु पनडुब्बी बना सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत दुनिया के उन कुछ गिने-चुने देशों में शामिल है, जिनके पास अपनी स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी डिजाइन करने और बनाने की क्षमता है। भारत ने हाल ही में आईएनएस अरिदमन को कमीशन किया, जो देश की तीसरी स्वदेशी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी है। परमाणु पनडुब्बी बनाना दुनिया के सबसे जटिल इंजीनियरिंग कार्यों में से एक माना जाता है। लेकिन यह सवाल अक्सर उठता है कि जब हमारे पास इतनी उन्नत तकनीक है, तो हम विशालकाय कमर्शियल जहाज क्यों नहीं बना पाते? सुनने में यह विरोधाभासी लगता है, लेकिन इसके पीछे गहरी तकनीकी, आर्थिक और रणनीतिक वजहें हैं। आइए इस मुद्दे को विस्तार से समझते हैं।

वर्तमान स्थिति और आंकड़े क्या कहते हैं?

भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार मुख्य रूप से समुद्री रास्तों से होता है, लेकिन इस व्यापार को ढोने वाले जहाज भारत के नहीं होते।

बाजार हिस्सेदारी: वैश्विक कमर्शियल जहाज निर्माण बाजार में भारत की हिस्सेदारी 1त्न से भी कम है।

वैश्विक दबदबा: चीन और दक्षिण कोरिया मिलकर पूरी दुनिया के लगभग 80त्न जहाज निर्माण बाजार पर कब्जा जमाए हुए हैं।

भारतीय बेड़ा: ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास केवल 1,500 से अधिक जहाज हैं, जो वैश्विक बेड़े का मात्र 1.2त्न है।

आर्थिक नुकसान: क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ढ्ढष्टक्र के अनुसार, भारत हर साल माल ढुलाई पर लगभग 90 अरब रुपये खर्च करता है। चूंकि भारत के पास पर्याप्त जहाज नहीं हैं, इसलिए यह भारी-भरकम रकम विदेशी जहाजों और विदेशी कंपनियों की जेब में जाती है।

भारत युद्धपोत बना सकता है, तो कार्गो जहाज क्यों नहीं?

यह सवाल उठना लाजमी है कि जो देश 45,000 टन का जटिल विमानवाहक पोत बना सकता है, वह सामान्य कार्गो जहाजों के निर्माण में संघर्ष क्यों कर रहा है। इसका मुख्य कारण तकनीक की कमी नहीं, बल्कि अर्थशास्त्र है।

रणनीतिक आवश्यकता बनाम व्यावसायिक मुनाफा: परमाणु पनडुब्बी एक राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक आवश्यकता है। इसमें सरकार का पूरा समर्थन होता है और बजट या समय की कोई सख्त पाबंदी नहीं होती। इसका उद्देश्य पैसा कमाना नहीं है। वहीं, कमर्शियल जहाज पूरी तरह से मुनाफे, लागत-कुशलता और डिलीवरी के समय पर निर्भर करता है।

ईरान में 53 दिन से इंटरनेट बंद, 'टियर सिस्टम' लाने की तैयारी

तेहरान/ए.। ईरान में इंटरनेट बंदी के 53 दिन हो चुके हैं। संघर्ष से हुई तबाही के बाद पुनर्निर्माण का दौर जारी है। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था नेट ब्लॉक्स के अनुसार, बाहरी दुनिया से ईरान का संपर्क लगभग 1248 घंटों से टूटा पड़ा है। एक्स पर एक ग्राफिक्र के जरिए बताया कि सरकार ने इंटरनेट को पूरी तरह खोलने के बजाय कुछ चुनिंदा लोगों और कारोबारियों को ही सीमित पहुंच दी है, जबकि देश की ज्यादातर जनता अब भी ग्लोबल इंटरनेट से अलग-थलग पड़ी है। नेट ब्लॉक्स के अनुसार, सरकार "टियर सिस्टम"यानी अलग-अलग स्तर पर इंटरनेट एक्सेस देने का इतंजाम कर रही है। इसका मतलब है कि कुछ खास लोगों या संस्थाओं को इंटरनेट एक्सेस मिल सकता है, लेकिन आम लोगों को इससे फिलहाल वंचित रखा जाएगा। दावा है कि इससे दो नकारात्मक असर जमीन पर दिखने लगे हैं। पहला, आम लोगों की जिंदगी वैसी नहीं रह गई है; उन पर गंभीर असर पड़ा है और दूसरा, कारोबार उस गति से नहीं चल पा रहे हैं जैसा अपेक्षित है, और इस वजह से अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंच रहा है। संस्था के मुताबिक, इस तरह की डिजिटल सेंसरशिप अगर जारी रही तो परिणाम काफी खराब होंगे। इस कदम से 9 करोड़ की आबादी का एक बड़ा हिस्सा इंटरनेट से कटा रहता है। 28 फरवरी को तेहरान में पहला बम गिरने के कुछ ही घंटों के भीतर, सरकार ने पूरे ईरान में लगभग पूरी तरह से इंटरनेट बंद कर दिया था।

कभी लौह अयस्क का केंद्र रहा कुल्टी टीएमसी राज में बंदी की कगार पर: शाह

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेज हो चुका है और दार्जिलिंग के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कभी कुल्टी देश में लौह अयस्क उत्पादन का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण यह क्षेत्र अब बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में औद्योगिक विकास की अनदेखी की गई है, जिससे कई पारंपरिक उद्योगों पर संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सही नीतियां अपनाई जातीं, तो कुल्टी जैसे क्षेत्र आज भी देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकते थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल भाजपा उम्मीदवार को विधायक बनाने या पार्टी कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पूरे बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना है। अमित शाह ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 23 तारीख को कमल के निशान पर वोट दें और चार मई को भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में मौजूद हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस दोनों पर गोरखा समुदाय और दार्जिलिंग क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप रहा है। शाह के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान भाजपा अपनी सरकार बनने के बाद तय समयसीमा में करने का प्रयास करेगी। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने उत्तर बंगाल के लोगों से अपील की कि एक बार फिर भाजपा को अवसर दिया जाए, ताकि विकास और समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा 'उत्तर बंगाल वालों, एक बार भाजपा सरकार बना दीजिए। तीन चुनावों से दार्जिलिंग तो कमल फूल पर वोट कर ही रहा है, लेकिन इस बार पूरा बंगाल तय कर बैठा है कि दीदी को हटाने का समय आ गया है।' अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बजट आवंटन को लेकर भेदभाव किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा कि तृणमूल सरकार ने उत्तर बंगाल, आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए करीब 2000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जबकि मदरसों और अल्पसंख्यक क्षेत्रों के लिए 5800 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

दीदी को हटाने का समय आ गया: शाह

दार्जिलिंग आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर तीखा बयान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की मांग अब तेज हो रही है और जनता परिवर्तन की दिशा में सोच रही है। अमित शाह ने गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो गोरखा बहनों और भाइयों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी

नई दिल्ली/ए.। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बयान से विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी करार दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष के मंगलवार को एक कार्यक्रम में बोल इतने बिगड़ गए कि उन्होंने देश के पीएम को आतंकवादी के रूप में वर्णित कर दिया। दरअसल, तमिलनाडु में एक सभा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहा और उनके साथ गठबंधन करने के लिए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (AIADMK) की आलोचना की। चेन्नई में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खड़गे ने AIADMK के प्रधानमंत्री के साथ हाथ मिलाने के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'वे (AIADMK) मोदी के साथ कैसे मिल सकते हैं? वह (मोदी) एक आतंकवादी हैं। और वह समानता में विश्वास नहीं रखते। उनकी पार्टी भी समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखती। और ये लोग उनके साथ मिल रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।' मोदी को आतंकवादी बताने वाले बयान के बाद खड़गे सफाई देते नजर आए। उन्होंने कहा, 'मैंने आतंकवादी नहीं कहा, बल्कि ये कहा कि वे आतंकित करते हैं।' बता दें कि खड़गे ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए ड्ढछ्वक्क के नेतृत्व वाले ह्रष्ठ के साथ हाथ मिलाने को लेकर ड्डढ्ढ्रष्ठरू्य पर निशाना साधा था। खड़गे चेन्नई में ष्ठरू्य के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए प्रचार कर रहे थे। इस गठबंधन में कांग्रेस भी शामिल है। प्रचार के दौरान उन्होंने सवाल उठाया कि AIADMK ने प्रधानमंत्री मोदी का साथ कैसे दे दिया। AIADMK-BJP गठबंधन पर उनका यह तीखा हमला तमिलनाडु चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन आया है।

दिल्ली-एनसीआर में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, आईएसआई के दो गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली/ए.। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में बड़े हमले की साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने समय रहते नाकाम कर दिया। पुलिस ने पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर और आईएसआई के कथित प्रॉक्सी शाहजाद भट्टी के इशारे पर काम कर रहे दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान में बैठा गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई के अन्य गुर्गे, भारत में मौजूद अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में ग्रेनेड हमले और टारगेट किलिंग को अंजाम देने की एक आपराधिक साजिश रच रहे हैं। इसी के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में हुई है। दोनों मध्य प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले हैं। स्पेशल सेल ने इन्हें एक विशेष अभियान के दौरान पकड़ा। पुलिस ने आरोपी राजवीर के पास से एक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त, दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं, जिनमें आपत्तिजनक वीडियो और वॉयस नोट्स मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि राजवीर अपने हैंडलर शहजाद भट्टी के निर्देश पर दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के एक प्रमुख होटल को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

एनसीपी नेता शरद पवार अस्पताल में भर्ती

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के हवाले से आई जानकारी के मुताबिक उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 85 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री को दो दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शरद पवार की सेहत को लेकर सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्हें नियमित जांच के सिलसिले में अस्पताल लाया गया। उनकी हालत गंभीर नहीं है। गौरतलब है कि वयोवृद्ध राजनेता शरद पवार हाल ही में व्हीलचेयर पर बैठकर संसद पहुंचे थे। राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पहुंचे पवार ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए थे। इससे पहले पवार को इसी वर्ष फरवरी में पुणे के एक अस्पताल में दो बार भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक फरवरी में उन्हें छाती में संक्रमण और डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद डॉक्टरों से दिखाया गया था।

भाजपा की पदयात्रा पर अखिलेश ने ली चुटकी

सीमा राजभर बनीं सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

लखनऊ/ए.। विजय कुमार लाल, अखिलेश पाठक, इशरत अली खान, नीलू सत्यार्थी शामिल रहे। सपा मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में ये पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर सीमा राजभर समाजवादी महिला सभा की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित की गईं। वे बलिया की रहने वाली हैं।

इस मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। सुबह हुई भाजपा की पदयात्रा पर चुटकी ली। कहा कि इतनी धूप में बिना चश्मा लगाए पद यात्रा की गई। पहली पर कोई सरकार अपने ही बिल पर इतनी मेहनत कर रही है। अब जब भाजपा जाएगी तो फिर कभी नहीं आएगी।

जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ वो क्या था?

उन्होंने सीएम योगी के स्टेटमेंट 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' पर भी चुटकी ली। कहा कि ये शायद वनस्पति का असर है। कहा कि भाजपा बार बार झूठ का पाठ पढ़ाती है। सदन बुलाया गया है। सदन में सरकार ये बताए कि जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ वो क्या था?

चायवाले की दुकान बंद करा दी गई

उन्होंने कहा कि हमें एक चायवाले लड़के ने चाय क्या बनाकर पिला दी, उसकी दुकान ही बंद करा दी गई। ये लोग किसी को रोजगार तो दे नहीं पा रहे, कम से कम कोई था जो कह रहा था कि हमसे अच्छी चाय कोई नहीं बना पाता। शायद, यही बात उन्हें बुरी लग गई।

सपा मुखिया ने कहा कि महिला आरक्षण बिल पहले ही पास हो चुका है। इस बार इनकी बदनीयती नहीं पास हुई। ये दरारवादी लोग हैं। इनके संघी साथी जो छिपे हुए रहते हैं, उनके मंसूबे काम नहीं किए। आज आरक्षण से पहले संरक्षण की जरूरत है।

तिलोकचंद कोठारी बाबा रामदेव पीर के ऊपर जल्द ही फिल्म का निर्माण करेंगे

मुम्बई/नवप्रदेश। बाबा रामदेव पीर जी के प्रति गहरी आस्था और अटूट श्रद्धा रखने वाले समाजसेवी और बॉलीवुड फिल्म निर्माता श्री तिलोकचंद कोठारी ने एक बार फिर से बाबा रामदेव पीर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पिछले 38 वर्षों से लगातार बाबा के दर्शन के लिए पैदल यात्रा कर रहे तिलोकचंद ने बताया कि उनकी हर मनोकामना बाबा रामदेव पीर की कृपा से पूर्ण होती रही है। तिलोकचंद ने बताया कि वे पिछले 11 वर्षों से हर महीने की शुक्ल पक्ष की दूज के पावन अवसर पर, चाहे वे देश के किसी भी कोने में हों, हर हाल में बाबा रामदेव पीर पहुंचकर बाबा के दर्शन करते हैं। अब तक वे 132 ÷एक सौ बत्तीस दूज÷ के मासिक दर्शन पूर्ण कर चुके हैं, जो अपने आप में एक अनूठा संकल्प और अनुशासन का उदाहरण है। इस अवसर पर उन्होंने बाबा रामदेव पीर के जीवन पर एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म बनाने की घोषणा भी की। इस फिल्म में बाबा रामदेव पीर के जीवन से जुड़े धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याण के कार्यों को प्रमुखता से दर्शाया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों तक बाबा के संदेश और चमत्कार पहुंच सकें। तिलोकचंद ने बताया कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उनकी अटूट श्रद्धा, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। हर वर्ष वे सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करते हैं, जिसमें तपती गर्मी, सर्द हवाएं और लंबी दूरी की कठिनाइयाँ भी उन्हें रोक नहीं पातीं। बाबा रामदेव पीर जन्म विक्रम संवत 1409 में चैत्र सुदी पंचमी को जैसलमेर जिले के रामदेवरा में एक राजपूत परिवार में हुआ था। रामदेव सभी मनुष्यों की समानता में विश्वास करते थे, चाहे वे ऊँच-नीच के हों, धनी हों या गरीब। वे पीड़ितों की मनोकामनाएँ पूरी करके उनकी सहायता करते थे। त्रिलोकचंद कोठारी एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं, जिन्होंने शालीमार प्रोडक्शंस लिमिटेड के माध्यम से कई फिल्में बनाई हैं। उनकी प्रमुख फिल्में हैं मजनूं (2024), मकसद (2022), और परायी बेटी (2017)। वे विसागर ग्रुप से भी जुड़े हैं और फिल्म निर्माण, वितरण और मीडिया व्यवसाय में सक्रिय हैं। उनकी फिल्में दर्शकों को आकर्षित करती हैं और उनके काम को सराहा जाता है।

खलील के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को एक और बड़ा झटका, इन-फॉर्म बैटर आयुष म्हात्रे हुए बाहर

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 के बीच बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। इन-फॉर्म युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान में कहा, 'आयुष म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान बल्लेबाजी करते हुए बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगा बैठे। उन्हें छह से 12 हफ्तों के रिहैब की जरूरत होगी। हम उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।'

बल्लेबाजी के दौरान लगी चोट

यह चोट सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफमैच में लगी, जब म्हात्रे रन लेते समय हैमस्ट्रिंग खींच बैठे। वह दूसरे रन के लिए दौड़ते समय दर्द से मैदान पर बैठ गए, जिसके बाद फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। हालांकि, उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा और बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन कुछ गेंदों बाद ही आउट हो गए।

शानदार फॉर्म में थे म्हात्रे

18 साल के आयुष म्हात्रे इस मैच में इम्पैक्ट सब के रूप में उतरे थे। उन्होंने 12 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली और शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज दिखाया। इस सीजन म्हात्रे ही सीएसके के लिए स्टैंडआउट बैटर रहे हैं। लगभग हर मैच में उन्होंने शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए और बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद की। उनका यह फॉर्म सीएसके के लिए आगे भी काफी अहम होता। हालांकि, अब वह बाहर हो चुके हैं और यह टीम के लिए बड़ा झटका है।

कोच हसी ने जताई चिंता

सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने मैच के बाद चोट को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा, 'यह हैमस्ट्रिंग टियर है। इसकी गंभीरता का अभी अंदाजा नहीं है, लेकिन यह काफी खराब लग रहा है। यह हमारे लिए बड़ा नुकसान है क्योंकि वह अच्छी फॉर्म में था। वह एक शानदार युवा खिलाड़ी है। हालांकि, इससे किसी और खिलाड़ी को मौका मिलेगा। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं, जिन्हें अभी तक मौका नहीं मिला है।'

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की शूटिंग हुई खत्म

मुंबई। सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' की शूटिंग पूरी हो गई है। प्रोडक्शन कंपनी सन पिक्चर्स ने पूरी टीम के साथ केक काटते हुए अभिनेता की तस्वीरें शेयर की हैं। इस मौके पर निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार, रजनीकांत और फिल्म में उनके बेटे का रोल निभाने वाले वसंत रवि भी मौजूद थे।

'जन नायकन' की लीक से हुआ नुकसान, भरपाई के लिए विजय कर सकते हैं एक और फिल्म, एक्टर ने मेकर्स को दिलाया भरोसा

'जेलर 2' की शूटिंग हुई पूरी

सन पिक्चर्स ने शूटिंग पूरी होने की खबर देते हुए पहले भाग के हिट गाने 'हुकुम' की एक लाइन लिखी Alapparai Kelappurom, Thalaivaru Nerandharam!' और कैप्शन में लिखा, 'जेलर2 की शूटिंग पूरी हो गई है।' रजनीकांत ने कुछ समय पहले मीडिया से कहा था कि फिल्म जून में रिलीज होगी। हालांकि, निर्माता जल्द ही फिल्म की रिलीज की आधिकारिक घोषणा करेंगे।

रायपुर का गंदा पानी सीधे नदी में हो रहा समाहित, नदी छलनी-सिस्टम चुप, किसके भरोसे प्रकृति?

हमने नदी से सब लिया, बदले में सिर्फ जहर दिया

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी मानी जाने वाली खारून नदी आज गंभीर प्रदूषण की चपेट में है। राजधानी रायपुर से निकलने वाली नालियों का गंदा और बिना उपचारित पानी सीधे नदी में मिल रहा है, जिससे नदी का जल लगातार दूषित होता जा रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि नदी के पानी से बदबू आने लगी है और इसका असर आसपास के पर्यावरण पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

खारून नदी, जो कभी स्वच्छ जल और जैव विविधता के लिए जानी जाती थी, आज जलकुंभी से पूरी तरह पट चुकी है। नदी की सतह पर फैली जलकुंभी न केवल पानी के प्रवाह को बाधित कर रही है, बल्कि जल में ऑक्सीजन की मात्रा भी कम कर रही है। इसका सीधा असर जलीय जीव-जंतुओं पर पड़ रहा है, जिनका जीवन संकट में है। कई स्थानों पर मछलियों और अन्य जलीय प्राणियों की मृत्यु की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना शोधन के छोड़ा जा रहा सीवेज और औद्योगिक कचरा नदी की सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। इसके अलावा, नदी किनारे बढ़ते अतिक्रमण और ठोस कचरे का अंबार स्थिति को और गंभीर बना रहा है। स्थानीय लोगों का भी मानना है कि प्रशासन की ओर से नदी संरक्षण को लेकर ठोस पहल का अभाव है। हालांकि समय-समय पर सफाई और संरक्षण के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर नगण्य नजर आता है।

प्रशासन, उद्योग और आम जनता मिलकर करें पहल

पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने खारून नदी को बचाने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि अभी भी स्थिति को नहीं संभाला गया, तो आने वाले समय में यह नदी अपना अस्तित्व खो सकती है। खारून नदी का संरक्षण केवल पर्यावरण का ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का भी सवाल है। ऐसे में जरूरी है कि प्रशासन, उद्योग और आम जनता मिलकर इस जीवनदायिनी नदी को बचाने के लिए गंभीर प्रयास करें।

एनजीटी के सख्त निर्देश के बाद भी 129 करोड़ के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण शुरू नहीं

प्रदेश की सबसे प्रदूषित नदी बन गई शिवनाथ

हनीफ निजामी-हरिओम चौहान

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर भर के नालों से नदी में मिल रही गंदगी ने जीवनदायिनी नदियों को प्रदूषित कर दिया है। हालत ये है कि दुर्ग-भिलाई की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी देश की दूसरी श्रेणी की सबसे प्रदूषित 22 नदियों में शामिल हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पिछले साल जारी की गई रिपोर्ट में शिवनाथ नदी के बढ़ते प्रदूषण को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। कई बार शिवनाथ नदी के बढ़ते जल प्रदूषण से संबंधित रिपोर्ट मिलने के बावजूद जिम्मेदारों ने पानी में मिलते जहर के असर को रोकने की कवायद शुरू नहीं की है।

दरअसल, शहर से निकल रही गंदगी से नाले अत्यधिक प्रदूषित हो चुके हैं। उद्योगों से निकले जहरीले केमिकल्स ने प्रदूषण की समस्या को और बढ़ा दिया है। शिवनाथ नदी को प्रदूषण से बचाने के साथ ही जलकुंभी नियंत्रित करने के उपाय न होने के कारण पानी में घुली ऑक्सीजन का स्तर घटने लगा है। इसके कारण जलीय जीवों का अस्तित्व खतरे में है। लगातार बढ़ते प्रदूषण के कारण भी समस्या लगातार बढ़ रही है।

एनजीटी की सख्त चेतावनी और अल्टीमेटम के बाद नगर निगम ने 129 करोड़ की लागत से एसटीपी निर्माण की योजना तैयार की है। लेकिन, अभी तक काम शुरू नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री से समय मिलने पर भूमिपूजन किया जाएगा। इसके बाद एसटीपी का निर्माण शुरू होगा।

समोदा नाला से शिवनाथ नदी में समाहित हो रहा गंदा पानी

शिवनाथ नदी की स्थिति प्रदेश में सबसे अधिक चिंताजनक पाई गई है। इसे प्रदूषण की दूसरी श्रेणी में रखा गया है, जिसमें देश की केवल 22 नदियां शामिल हैं। शिवनाथ नदी में सबसे ज्यादा प्रदूषण समोदा नाला क्षेत्र में है। यहां प्रदूषण का स्तर सबसे ज्यादा है। यहीं से भिलाई इस्पात संयंत्र का अपशिष्ट जल नदी में मिलता है। इस क्षेत्र में बीओडी 20.1 से 30.0 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज किया गया है। इसके अलावा दुर्ग-भिलाई में पानी सप्लाई करने वाले महमरा तट पर भी प्रदूषण की स्थिति बेहद खतरनाक है। यहां पुलगांव नाले से होकर आधे शहर की गंदगी शिवनाथ नदी में मिलती है। नाले के मुहाने पर ही दुर्ग और भिलाई के इंटेकवेल हैं, जिनसे फिल्टर प्लांट के लिये पानी भेजा जाता है। शिवनाथ के लगातार बढ़ते प्रदूषण के बावजूद अभी तक जिला प्रशासन, नगर निगम और जल संसाधन विभाग ने कोई सार्थक प्रयास किये हैं।

महानदी की प्रमुख उपनदी है शिवनाथ

शिवनाथ नदी छत्तीसगढ़ की सबसे लंबी सहायक नदी है जिसकी लंबाई 290 से 383 किमी है। यह राजनांदगांव जिले की अम्बागढ़ चौकी तहसील के पानाबरस पहाड़ियों से निकलकर उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है और जांजगीर-चाम्पा जिले के शिवरीनारायण के पास महानदी में मिलती है। यह नदी मुख्य रूप से राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा और बिलासपुर जिलों से होकर गुजरती है।

एनजीटी का सख्त रुख प्रशासन पर असर नहीं

दुर्ग शहर में सीवेज प्रबंधन की स्थिति बेहद खराब है। शहर का लगातार विस्तार होने के कारण आबादी तेजी से बढ़ रही है। इसके कारण पूरे शहर की गंदगी नालों के जरिए शिवनाथ नदी में पहुंच रही है। एनजीटी ने दुर्ग नगर निगम को छह महीने के भीतर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिये हैं। एसटीपी चालू होने से पहले वैकल्पिक उपचार तकनीकों से गंदे पानी का उपचार किया जाए। लेकिन, एनजीटी के निर्देशों का पालन करने के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। दुर्ग नगर निगम ने दो नालों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण की योजना बनाई है। अभी तक एसटीपी निर्माण की दिशा में केवल दावे किये गए हैं। योजना तैयार है लेकिन क्रियान्वयन कब शुरू होगा और इसका निर्माण कब तक पूरा किया जाएगा, यह तय नहीं है। नतीजा, शिवनाथ नदी का प्रदूषण नियंत्रित करने की दिशा में कोई भी काम नहीं किया जा सका है।

एमसीबी की नदियों पर 'परदेशी' माफिया की नजर

खनिज से विकास की उम्मीद थी मिल रहा सिर्फ विनाश और सूखा

राकेश मेघानी

मनेन्द्रगढ़/केल्हारी /जनकपुर एमसीबी। सभी क्षेत्रों के लिए खनिज संसाधन विकास का द्वार खोलते हैं, लेकिन मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में इसके उलट नदियों का बेरहमी से दोहन हो रहा है। यहां की रेत से स्थानीय विकास तो नहीं हुआ, अलबत्ता अवैध उत्खनन ने नदियों के अस्तित्व और किसानों की खुशहाली को जरूर दांव पर लगा दिया है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, केल्हारी और जनकपुर से निकाली जा रही बेशकीमती रेत को अन्य राज्यों में ऊंचे दामों पर खपाया जा रहा है।

नियमों की धज्जियां: स्वीकृत खदानों में मशीनों का खेल: जिले के सीतामढ़ी हरचोका (जनकपुर) और केल्हारी के बिछिया टोला में स्वीकृत खदानों के नाम पर नियमों का गला घोंटा जा रहा है। अधिकारियों की 'स्वीकृति' की आड़ में यहां पोकलेन और चैन-माउंटेन जैसी मशीनों का उपयोग कर रातभर रेत निकाली जा रही है। नियमानुसार, रेत उत्खनन में भारी मशीनों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है, लेकिन माफियाओं के लिए नियम कागजों तक सीमित हैं।

दूसरे राज्यों में खपाई जा रही रेत, स्थानीय लोग प्यासे

सूत्रों की मानें तो केल्हारी और जनकपुर क्षेत्र से रेत की बड़ी खेप चोरी-छिपे अन्य राज्यों में भेजी जा रही है। वहां की निर्माण साइटों पर यह रेत ऊंचे दामों पर बिक रही है, जबकि यहाँ की नदियाँ खोखली हो रही हैं। स्थानीय संसाधन का लाभ क्षेत्र को मिलने के बजाय बाहरी मुनाफाखोर चांदी काट रहे हैं।

किसानों की खेती पर खतरे की घंटी

करीब 20-30 किसान परिवार, जो नदी के पानी पर आश्रित थे, मोटर पंप लगाकर पाइप के माध्यम से पानी की सिचाई कर सब्जी की खेती करते है। रेत खनन से पानी कम होता जा रहा है अब आने वाली भीषण गर्मी को लेकर दहशत में हैं। जलस्तर गिरने से सिंचाई के लिए पानी मिलना नामुमकिन लग रहा है।

दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दे रहे अफसर

एक ओर एसडीएम लिंगराज सिदार ने राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, वहीं दूसरी ओर जिला खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा का यह कहना कि लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। 'स्टाफ इतना नहीं है कि तीनों जगह जा पाएं। जानकारी आई है। कार्यवाही की जाएगी।

हसदेव का घटता जलस्तरः 'जीवनरेखा' पर संकट

- चैनपुर और चिमटीमार में हसदेव नदी का सीना छलनी होने का सीधा असर अब जमीन पर दिखने लगा है।
- **सूख रही है खेती:** कभी यहाँ के किसान खीरा, ककड़ी और खरबूजे की लहलहाती फसल से पूरे क्षेत्र की जरूरत पूरी करते थे। आज रेत कम होने से नमी गायब है और खेती दम तोड़ दिया है।

जलकुंभी और गंदगी से पटी आगर नदी

सुशील शुक्ला

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली की जीवनदायनि आगर नदी अब इतिहास बनती जा रही है। किनारों के कटाव एवं नालियों का पानी नदी को दूषित कर रहा है। जगह-जगह बनाए गए एनिकेट का रख-रखाव नहीं होने के कारण नदी का बहाव थम सा गया है। नदी में ठहरा हुआ पानी दूषित हो गया है।

वहीं पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। नदी के आस-पास कटाव बढ़ने के कारण बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। शहरों का दूषित पानी बिना रोक-टोक नदी में बहाया जा रहा है। पानी में बहाव नहीं होने के कारण जलकुंभी से नदी पटने लग गया है। शहर के नालियों का गंदा पानी आगर नदी में समाहित हो रहा है। नदी जलकुंभी से पटे गई है। नदी के बचाव के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन निरर्थक ही साबित हुआ। सौंदर्यीकरण के हिसाब से नदी के किनारे चौपाटी बनाने के संबंध में कई बार घोषणाएं हुई लेकिन इन घोषणाओं को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। समय रहते नदी के संदर्भ में ईमानदारी से जन-जागरुकता नहीं चलाया गया और जागरूक नागरिक नदी के संरक्षण के लिए आवाज नहीं उठा पाए तों नगर की जीवनदायिनी आगर नदी इतिहास बन कर रह जाएगी।

अरपा नदी संरक्षण पर हाईकोर्ट ने लगाई थी फटकार

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर की जीवनदायिनी अरपा नदी में बढ़ते प्रदूषण और अवैध उत्खनन को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। 12 फरवरी 2026 को मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को सख्त निर्देश दिए थे।

कोर्ट ने कहा कि अरपा नदी में घास (जलीय खरपतवार) उगने के कारण जल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है और अवैध उत्खनन के चलते नदी की प्राकृतिक संरचना को नुकसान पहुंचा है।

अवैध उत्खनन पर कोर्ट की नाराजगी

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अवैध उत्खनन को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने की जरूरत है। न्यायाधीशों ने टिप्पणी की कि नियम तो बनाए जाते हैं, लेकिन ताकतवर लोग उन्हें तोड़ देते हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। कोर्ट ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए सुझाव दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सरकारी पक्ष का तर्क

राज्य सरकार और नगर निगम की ओर से अधिवक्ता आरएस मरहास ने पक्ष रखा था। उन्होंने बताया कि बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड वर्तमान में केवल 60% सीवरेज जल का उपचार कर पा रहा है, जबकि शेष 40% के लिए नई परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट की तकनीकी जांच के लिए 15 दिन का समय मांगा गया था।

हाईकोर्ट का सख्त रुख और आदेश

हाईकोर्ट ने बिलासपुर नगर निगम आयुक्त से इस संबंध में शपथपत्र दायर करने को कहा था। साथ ही, जिला मजिस्ट्रेट को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि 2022 से 2025 तक अवैध उत्खनन और परिवहन के मामले लगातार बढ़े हैं। इस पर कोर्ट ने गहरी नाराजगी जताई और कहा कि केवल जुर्माना लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि राज्य सरकार को सख्त कानून लाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com